खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 14 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-224

पाकिस्तानी कमांडोज के साथ मुठभेड़ में भारतीय जवान शहीद

जम्मू, 13 अगस्त (ब्यूरो)।

उत्तरी कश्मीर के उड़ी सेक्टर में बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना द्वारा घुसपैठ की कोशिश नाकाम करने के बाद आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया। सेना का कहना था कि यह हमला पाक सेना के कमांडो द्वारा किया गया था जिसे सैन्य भाषा में बैट हमला कहा जाता है। यह हमला भारतीय सीमा चौकी पर कब्जा करने के लिए किया गया था। जबकि इस बीच जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर इसलिए रखा गया है क्योंकि बताया जा रहा है कुछ आतंकी उस पार से घुसने में कामयाब हुए हैं जो फिदायीन हमलों को अंजाम दे सकते हैं।

अधिकारियों के बकौल, उनके निशाने पर जम्मू-पठानकोट हाईवे पर स्थित सैनिक संस्थानों के साथ ही इंटरनेशनल बार्डर के साथ-साथ गुजरने वाली रेल लाइन भी है। बीएसएफ के बाद सेनाधिकारियों ने भी ऐसी आशंका

प्रकट की है।

सैनिकों ने घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों के साथ एक संक्षिप्त लेकिन भीषण गोलीबारी की जिसमें एक जवान ने बहादुरी से देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। सेना ने हमलावरों का पता लगाने के लिए इलाके में घुसपैठ रोधी और बैट (बार्डर एक्शन टीम) अभियान शुरू किया है। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक सेक्टर में तलाशी अभियान जारी था।

दूसरी ओर अधिकारी यह बताने में असमर्थता जाहिर कर रहे हैं कि घुसने वाले आतंकी कितनी तादाद में हैं पर वे कहते हैं कि कुछ दल एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर क्रास करने में उस समय कामयाब रहे जब पाक सेना ने उन्हें इस ओर धकेला है। पिछले कई दिनों से एलओसी पर पाक सेना द्वारा ड्रोनों की आड़ में सुरक्षाबलों का ध्यान बंटा कर ऐसे प्रयासों को कामयाब बनाया गया है। हालांकि जम्मू सीमा पर फिलहाल फायरिंग की कोई घटना नहीं हुई है पर बरसात के कारण उन नदी-नालों के इलाकों से तारबंदी को पहुंचे नुक्सान का लाभ आतंकियों ने उठाया है जिन्हें पाक रेंजर पिछले कई दिनों से अग्रिम ठिकानों पर ले आए थे। बीएसएफ अधिकारियों का कहना था कि 5 अगस्त से ही इंटरनेशनल बार्डर के पार वाले पाक सैन्य ठिकानों पर नागरिकों की आवाजाही बढ़ी थी जो दरअसल आतंकी ही हैं।

अधिकारी कहते हैं कि घुसने वाले आतंकी जम्मू में जम्मू-पठानकोट हाइवे पर सैन्य संस्थानों के अतिरिक्त इंटरनेशन बार्डर के साथ-साथ चलने वाली जम्मू-पठानकोट रेल लाइन को निशाना बना सकते हैं। जबकि कश्मीर में भी घुसपैठ कर चुके आतंकी सैन्य संस्थानों को निशाना बनाने का इरादा लिए हुए हैं। हमलों को रोकने की खातिर हाईवे पर गश्त को बढ़ाया गया है तथा नाके स्थापित किए जा रहे हैं जबकि रेल लाइन की सुरक्षा की खातिर अतिरिक्त जवानों को तैनात किया जा रहा है। जानकारी के लिए अतीत में ऐसे ही दावों के बीच आतंकी कई बार हमलों को अंजाम देकर बीसियों मासूमों को मौत के घाट उतारने में कामयाब रहे हैं।

भारत-सिंगापुर के बीच स्वास्थ्य, कौशल सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत-सिंगापुर के बीच यहां बुधवार को सम्पन्न मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) में दोनों पक्षों के बीच स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में विकास सहयोग पर सहमति बनी।

सम्मेलन में केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय दल और सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री एवं व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग ने अपने दल का नेतृत्व किया।

भारतीय दल में श्रीमती सीतारमण के साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव भी शामिल थे।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने आईएसएमआर के तहत सहयोग और समन्वय के लिए निर्धारित गए छह स्तंभों पर विचार-विमर्श किया, जिनमें , डिजिटलीकरण, कौशल विकास, पारिस्थितिकी की दृष्टि से विकास के स्वस्थ मार्ग , स्वास्थ्य सेवा एवं चिकित्सा, उन्नत विनिर्माण और सम्पर्क सुविधाओं को मजबूत बनाने के विषय शामिल हैं।

चर्चा के दौरान भारतीय दल ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2024 में सिंगापुर यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया है।

सिंगापुर की ओर से वहां के राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वय मंत्री एवं गृह मंत्री के षणमुगम, विदेश मंत्री विवियन बाला , डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री एवं गृह मंत्री सुश्री जॉसेफीनी तेओ योग ली मिन, जनशक्ति मंत्री एवं व्यापार एवं उद्योग मंत्री टैन सी लेंग और कार्यवाहक परिवहन मंत्री एवं वरिष्ठ वित्त राज्य मंत्री जेफरी सिओ ने भी बैठक में भाग लिया।

शाह ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने आवास पर तिरंगा फहराया

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत बुधवार को यहां अपने आवास पर तिरंगा फहराया।

बाद में श्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा आज 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत अपने आवास पर तिरंगा फहराया।

मोदी जी के नेतृत्व में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान आज देश को एकता के सूत्र में पिरोने और राष्ट्रप्रेम की भावना को और भी प्रबल बनाने वाला जन-अभियान बन गया है। यह अभियान दर्शाता है कि असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने त्याग, तप और समर्पण से जिस

आजाद भारत का सपना साकार किया था, उसे विकसित और सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए 140 करोड़ देशवासी संकल्पित हैं।

उल्लेखनीय है कि सरकार हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश भर में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करती है ।

मृत लोगों के साथ चाय पीने का अनुभव कराने के लिए आयोग का धन्यवाद : राहुल

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा है कि उसके कारण उन्हें मृत लोगों के साथ चाय पीने का अनुभव हुआ है।

श्री गांधी ने बिहार में मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में कथितरूप से मृत घोषित लोगों के साथ फोटो खिंचवाने और चाय पीने के बाद आयोग पर इस तरह का तंज कसा है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, जीवन में बहुत दिलचस्प अनुभव हुए हैं, लेकिन कभी 'मृत लोगों' के साथ चाय पीने का मौका नहीं मिला था। इस अनोखे अनुभव के लिए,

धन्यवाद चुनाव आयोग।

कांग्रेस ने एक बयान में कहा, बिहार के उन सात मतदाताओं के साथ पार्टी नेता राहुल गांधी चाय पी रहे हैं जिन्हें चुनाव आयोग मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मृत घोषित हैं। चुनाव आयोग की एसआईआर सूची में उन्हें 'मृत' बताया गया है।

पार्टी ने कहा कि चुनाव आयोग ने मृत, प्रवासी आदि घोषित लोगों की सूची सार्वजनिक रूप से प्रकाशित नहीं की है। ज़मीनी स्तर पर हमारी टीमें इन लोगों की पहचान केवल इसलिए कर पायी क्योंकि वे अनौपचारिक रूप से दो-तीन मतदान केंद्रों में चुनाव आयोग की आंतरिक जानकारी प्राप्त करने में कामयाब रहीं।

ये सात मतदाता उस निर्वाचन क्षेत्र के दो-तीन मतदान केंद्रों में अन्यायपूर्ण तरीके से हटाए गए मतदाताओं का केवल एक छोटा सा हिस्सा हैं। यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है - यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक मताधिकार का हनन है।

कांग्रेस ने कहा कि बेंगलुरु में वोट चोरी का पर्दाफाश होने के बाद, यह स्पष्ट है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में भी समझौता किया गया है। जब जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया जाता है।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाली की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की याचिका पर गुरुवार सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली एक पीठ इस मामले में हस्तक्षेपकर्ताओं में से एक द्वारा 'संविधान के अनुच्छेद 370 के संबंध में' दायर याचिका पर सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत में 14 अगस्त को सुनवाई के लिए जारी वाद सूची में इसका जिक्र किया गया है। अदालत उस याचिका पर सुनवाई करेगी जिसमें केंद्र सरकार द्वारा अदालत को दिए गए आश्वासन के अनुसार, उसे (केंद्र को) दो महीने के भीतर समयबद्ध तरीके से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश देने की मांग की गई है। इसजज़हूर अहमद भट और अन्य ने अक्टूबर, 2024 में अदालत में आवेदन दायर किया था। एक अन्य याचिका इरफान हाफिज लोन ने दायर की थी। याचिका में दावा किया गया था कि समयबद्ध तरीके से जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली

न करना संघवाद के विचार का उल्लंघन है, जो संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। याचिका में कहा गया है, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाए ताकि लोग अपनी व्यक्तिगत पहचान में स्वायत्तता का आनंद ले सकें और देश के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

याचिका में कहा गया है कि अगर जल्द से जल्द ऐसा निर्देश पारित नहीं किया गया तो इससे देश के संघीय ढांचे को गंभीर नुकसान होगा।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि भारतीय राजनीतिक इतिहास में संविधान संशोधन के बिना किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने और विधायिका सहित केंद्र शासित प्रदेश बनाने का कोई उदाहरण नहीं है।

इसमें यह भी कहा गया है कि किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने से संबंधित राज्य के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन होता है।

याचिका में कहा गया है, जम्मू-कश्मीर एक अलग राज्य है जिसने कई संघर्षों और कठिनाइयों का सामना किया है और इस क्षेत्र के विकास और इसकी अनूठी संस्कृति का जश्न मनाने में मदद के लिए एक मज़बूत संघीय ढाँचे की आवश्यकता है।

ग्यारह दिसंबर- 2023 के फैसले के कई महीने बीत जाने के बाद भी आज तक जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है, जो जम्मू-कश्मीर के निवासियों के अधिकारों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है और संघवाद के मूल ढाँचे का भी उल्लंघन कर रहा है।

उच्च समिति पहुंची आपदाग्रस्त धराली, किया मूल्यांकन

देहरादून, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के तहत आपदा प्रभावित क्षेत्र धराली में बुधवार को शासन की ओर से गठित उच्चस्तरीय समिति ने व्यापक निरीक्षण कर, पुनर्वास एवं आजीविका सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक पहलुओं का मूल्यांकन किया।

समिति के सदस्यों ने प्रभावित परिवारों, जन प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों से विस्तृत विचार-विमर्श कर उनके सुझाव संकलित किए। प्रभावित ग्रामीणों ने जांगला, लंका एवं कोपांग में विस्थापन की मांग रखते हुए केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण की तर्ज पर धराली का पुनर्निर्माण करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर आपदा पीड़ित कौशिक पंवार ने सेब उत्पादकों के लिए सड़क मार्ग के समीप सुरक्षित भंडारण के लिए शेड निर्माण कराए जाने की मांग रखी। जिलाधिकारी, (डीएम),उत्तरकाशी, प्रशांत आर्य ने आश्वासन देते हुए कहा कि सड़क मार्ग के बहाल होते ही शेड का निर्माण प्राथमिकता से कराया जाएगा।

समिति अध्यक्ष डॉ.सुरेंद्र नारायण पांडेय ने

कहा कि यह त्रासदी अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। केंद्र एवं राज्य सरकार शासन और प्रशासन इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में तात्कालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। क्षति की भरपाई के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार कर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

डीएम श्री आर्य ने बताया कि आपदा में क्षतिग्रस्त फसलों एवं सेब के वृक्षों का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। सड़क मार्ग बहाली का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। प्रभावित परिवारों को राहत धनराशि वितरित की जा चुकी है तथा समुचित मात्रा में खाद्य सामग्री एवं आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, सर्च एवं रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, युकाडा, डॉ.आशीष चौहान और अपर सचिव हिमांशु खुराना ने कहा कि विस्थापन के लिए प्रभावित परिवारों को उपयुक्त विकल्प प्रदान किए जाएंगे। जिनके आधार पर, विस्थापन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों का संपूर्ण विवरण तैयार कर शासन को भेजा जाएगा।

उत्तर प्रदेश में बदले स्कूली बच्चों को दंड देने के नियम

अब शारीरिक हिंसा नहीं कर सकेंगे अध्यापक

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

यूपी के प्राथमिक स्कूलों में बच्चों को दंड देने के मामले में बदलाव किया गया है। अध्यापक अब किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा नहीं कर सकेंगे। प्रदेश के निजी और सरकारी विद्यालयों में गुरु जी न तो बच्चों को फटकारेंगे, न छड़ी से पीटेंगे, न चिकोटी काटेंगे न चांटा मारेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से विद्यालयों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को किसी भी प्रकार के शारीरिक व मानसिक दंड न दिए जाने के निर्देश का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया गया है।

विभाग की ओर से राष्ट्रीय बालक अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से जारी निर्देश का हवाला देते हुए कहा है कि विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को किसी प्रकार की शारीरिक व मानसिक दंड न दिए जाने के विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए बच्चों को भी बताएं कि वे इसके विरोध में अपनी बात कह सकते हैं। इसे संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाएं। महानिदेशक शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से सभी बीएसए को निर्देश दिया गया है कि हर स्कूल जिसमें छात्रावास हैं, जेजे होम्स, बाल संरक्ष्ज्ञण गृह भी शामिल हैं, में एक ऐसी व्यवस्था की जाए, जहां बच्चे अपनी बात रख सकें। ऐसे संस्थानों में किसी एनजीओ की सहायता ली जा सकती है। हर स्कूल में एक शिकायत पेटिका भी होनी चाहिए, जहां छात्र अपनी शिकायत दे सकें। अभिभावक शिक्षक समिति शिकायतों की समीक्षा करें। शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जाए।

उन्होंने कहा है कि शिक्षा विभाग ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर ऐसी व्यवस्था करें कि बच्चों की शिकायत और कार्रवाई की समीक्षा की जा सके। आरटीई के नियमों का अनुपालन कराते हुए किसी बच्चे को शारीरिक दंड नहीं दिया जाएगा।

उसका मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाएगा। इसका उल्लंघन करने वालों पर अनुशासनिक कार्यवाही की जाएगी। किसी बच्चे के साथ जाति, धर्म, लिंग आधारित दुर्व्यवहार या भेदभाव भी नहीं किया जाएगा। इन आदेशों का सभी स्कूल सख्ती से पालन कराएंगे। बच्चों को झाड़ना, परिसर में दौड़ाना, चपत जमाना, घुटनों के बल बैठाना, यौन शोषण, प्रताड़ना, कक्षा में अकेले बंद कर देना, बिजली का झटका देना, अपमानित करके नीचा दिखाने, शारीरिक व मानसिक रूप से आघात पहुंचाना प्रतिबंधित कर दिया गया है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 14 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-224

प. बंगाल में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण से क्यों डर रहीं ममता?

एक करोड़ से ज्यादा फर्जी वोटर होने की आशंका

कोलकाता, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बिदक रही हैं। बिहार के बाद चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में ही मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम करने वाला है। इसीलिए बंगाल में सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पहले से ही विरोध प्रदर्शन का हथकंडा इस्तेमाल कर रही है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट विशाखापत्तनम के प्रोफसरों की टीम ने पश्चिम बंगाल की डेमोग्राफी (जनसंख्या) असंतुलन को लेकर जो शोध और सर्वे किया है, उसकी रिपोर्ट चौंकाने वाली है। उस रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में एक करोड़ से अधिक फर्जी वोटर होने की आशंका है। इन फर्जी वोटरों में अधिकांश बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए हैं।

उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची की खास समीक्षा की। इसमें 65 लाख से ज्यादा फर्जी मतदाता पाए गए। इस खुलासे ने भारतीय लोकतंत्र में फर्जी वोटिंग और राजनीतिक संरक्षण के जरिए वोटरों की घुसपैठ की गंभीरता को उजागर कर दिया है। बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान सामने आया कि 35 लाख मतदाता लापता हैं। यानि वे अपने पतों पर मिल नहीं रहे। संभव है कि वे हमेशा के लिए कहीं और चले गए। 22 लाख वोटर अब इस दुनिया में नहीं हैं यानि उनकी मौत हो चुकी है। 7 लाख वोटर एक से

ज्यादा जगहों पर नामांकित हैं और लगभग 1.2 लाख फॉर्म अभी लंबित हैं। कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियां खास तौर पर चुनाव आयोग के पुनरीक्षण अभियान का विरोध कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि आईआईएम संस्थानों द्वारा बिहार में किए शोध के बाद यह पहले ही बता दिया गया था कि बिहार में 70 लाख से अधिक फर्जी वोटर हो सकते हैं।

आईआईएम प्रोफेसरों के शोध और सर्वे में खुलासा

चुनाव आयोग की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया अब सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रही। इससे देशभर में अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम घुसपैठियों के खिलाफ चल रहे अभियानों को भी नई ताकत मिली है। जैसे ही बिहार में फर्जी वोटरों की पहचान हुई, वैसे ही कई राज्यों में अवैध घुसपैठियों को पहचानने, हिरासत में लेने और देश से बाहर भेजने की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही घोषणा कर रखी है कि वे बंगाल में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन (एनआरसी) लागू नहीं होने देंगी। उन्होंने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को हिरासत में लिए जाने का विरोध किया और उन्हें बंगाली प्रवासी बताया। इससे ममता बनर्जी की मंशा पूरी तरह उजागर हो चुकी है।

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक हलचल है। राज्य में एसआईआर कराया गया तो लाखों फर्जी मतदाता वोटर लिस्ट से हटाए जाएंगे। बांग्लादेश से अवैध रूप से आकर नकली दस्तावेजों के जरिए भारतीय पहचान बना चुके मतदाताओं के वोटर लिस्ट से हटाने की आशंका से ममता बनर्जी घबराई हुई हैं।

▶10 पर

मतदाता सूची पुनरीक्षण मतदाता हितैषी है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के चुनाव आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग की पुनरीक्षण प्रक्रिया को मतदाता हितैषी बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में मतदाताओं से मांगे गए दस्तावेजों की संख्या 11 है, जबकि मतदाता सूची के सारांश पुनरीक्षण में 7 दस्तावेजों पर विचार किया जाता था। यह दर्शाता है कि यह मतदाता हितैषी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए मतदाता के पास 11 दस्तावेजों का विकल्प है, जबकि पहले किए गए संक्षिप्त पुनरीक्षण में सात दस्तावेज मांगे गए थे, इससे यह साफ दिखता है कि प्रक्रिया मतदाताओं के लिए अनुकूल है। इससे पहले न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के चुनाव आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने ▶10 पर

संयुक्त राष्ट्र वार्षिक सभा के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे पीएम मोदी

पीएम मोदी ट्रंप से मिले तो मसला हल होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक सम्मेलन में शामिल होने न्यूयॉर्क जा सकते हैं। ऐसे में अभी से अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में आई गिरावट के बीच पीएम मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हो सकती है। ट्रंप के अलावा पीएम मोदी यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की सहित कई वैश्विक नेताओं के साथ भी उच्च स्तरीय बैठकें कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक उच्च-स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी वक्ताओं की सूची के हवाले से यह खबर आ रही है। यूएनजीए का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। उच्च-स्तरीय आम बहस 23 से 29 सितंबर तक चलेगी। इसमें ब्राजील पारंपरिक रूप से सत्र का पहला वक्ता होगा, उसके बाद अमेरिका का नंबर आएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 23 सितंबर को यूएनजीए मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। यह व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र सत्र को उनका पहला संबोधन होगा। महासभा के 80वें सत्र की उच्च-स्तरीय बहस के लिए वक्ताओं की प्रारंभिक सूची के हिसाब से भारत के शासनाध्यक्ष 26 सितंबर की सुबह सत्र को संबोधित करेंगे। इज़राइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के शासनाध्यक्ष भी उसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस को संबोधित करेंगे।

इस यात्रा से पहले रूस-यूक्रेन तनाव खत्म होने के आसार

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन और जेलेंस्की से बात की

पीएम मोदी ने इस साल फरवरी में वॉशिंगटन डीसी की यात्रा की थी। उस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत करने की योजना की घोषणा की थी। भारत और अमेरिका में व्यापार वार्ता चल ही रही थी कि ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। इसमें नई दिल्ली की ओर से रूस से तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी शामिल है, जो 27 अगस्त से लागू होगा। टैरिफ को भारत के विदेश मंत्रालय ने अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया था। भारत ने कहा, किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा।

▶10 पर

पाकिस्तान को शह देने की पुरानी गलतियां दोहरा रहा अमेरिका

बलूचिस्तान के लोगों को ट्रंप ने दिया झटका

वाशिंगटन, 13 अगस्त (एजेंसियां)। आतंकवाद को लेकर दोगली परिभाषाएं गढ़ने वाला अमेरिका पाकिस्तान को फिर से शह देकर अपनी पुरानी गलतियां दोहरा रहा है। अमेरिका इन गलतियों का खामियाजा अफगानिस्तान और पाकिस्तान में भुगत चुका है, लेकिन दूसरे सत्र में मानसिक संतुलन ठीक नहीं रख पा रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिर से उन्हीं पुरानी गलतियों पर अमेरिका को ला रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकवादी संगठन घोषित कर बलूचियों के साथ ठीक वैसा ही धोखा दिया है जैसा तालीबान के साथ दिया था।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और उससे जुड़ी मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित करने के पहले अमेरिका ने पाकिस्तान के तेल भंडार को विकसित करने का समझौता किया। बलूचिस्तान में पाकिस्तान का तेल और गैस भंडार है जिसका नए सिरे से दोहन करने की तैयारी है। बीएलए इस इलाके के आर्थिक शोषण का विरोध करता रहा है। अमेरिका ने 11 अगस्त को बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। इसकी घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने की। बलूच समूहों ने अमेरिकी आतंकवाद के टैग को खारिज करते हुए इसे आत्मनिर्णय की लड़ाई बताया है, क्योंकि ट्रंप के पाकिस्तान तेल समझौते से इस क्षेत्र में अमेरिका की और अधिक भागीदारी की आशंका बढ़ गई है, जो पहले से ही संसाधन दोहन और राजनीतिक अशांति से ग्रस्त है।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकवादी घोषित किया

पं. नेहरू के ढीलेपन से पाकिस्तान को मिला बलूचिस्तान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त दंड के पहले दौर की घोषणा के कुछ ही घंटे बाद पाकिस्तान के तेल भंडार को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए इस्लामाबाद के साथ एक नए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया। दिलचस्प यह है कि ट्रंप ने कहा कि किसी दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेच सकता है।

कूटनीतिक जगत के जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर द्वारा की गई काफी मिन्नतों के बाद ट्रंप ने बीएलए को आतंकी संगठन घोषित किया। बलूचियों का कहना है कि अमेरिका के पैर पकड़कर पाकिस्तान ने यह घोषणा हासिल की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि बीएलए को आतंकवादी संगठन घोषित करने का निर्णय 2019 में शुरू हुए एक के बाद एक आतंकी ▶10 पर

बेहूदगी पर उतारू हुआ पाकिस्तान

भारतीय राजनयिकों को पानी और गैस सप्लाई रोकी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिकों के लिए पानी और गैस की आपूर्ति रोक दी है। भारत ने भी पड़ोसी को जैसे को तैसा जवाब दिया है। पाकिस्तान ने राजनयिकों को मिलने वाले अखबार पर भी पाबंदी लगाई है। इस पर भारत ने भी पाकिस्तानी राजनयिकों को समाचार पत्रों की आपूर्ति बंद करने का फैसला लिया हैपाकिस्तान ने फिर नापाक हरकत करते हुए इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों के घरों में मिनरल वाटर, गैस और अखबार की आपूर्ति बंद कर दी है। स्थानीय गैस सिलिंडर के सप्लायरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलिंडर न बेचें। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है। पाकिस्तानी अधिकारी भारतीय राजनयिकों की निगरानी भी करवा रहे हैं। इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों के आवासों व दफ्तरों में अवैध प्रवेश की घटनाएं सामने आई हैं। इसे राजनयिकों और कर्मचारियों को डराने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तहत पाकिस्तान यह हरकतें कर रहा है। यह उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की साजिश का हिस्सा है। ▶10 पर

यासीन मलिक के ठिकानों पर छापा

सरला भट्ट बलात्कार एवं हत्याकांड की जांच तेज

श्रीनगर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में 1990 में हुई कश्मीरी पंडित सरला भट्ट की नृशंस हत्या का मामला एक बार चर्चा में है। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने इस मामले की जांच आगे बढ़ाई है। मंगलवार 12 अगस्त को श्रीनगर में एसआईए ने 8 जगह छापामारी की है। यह छापामारी जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के मुखिया यासीन मलिक और उसके साथियों के घरों पर की गई है।जेकेएलएफ ही 1990 में हुए कश्मीरी पंडितों के नरसंहार का जिम्मेदार है। सरला भट्ट को भी इसी आतंकी संगठन ने अपहरण और गैंगरेप कर हत्या कर दी थी। इस घटना को 35 साल बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सरला भट्ट को न्याय नहीं मिला है। एसआईए को

मामले की जांच सौंपे जाने के बाद तेजी आई है। एसआईए को जांच में सरला भट्ट की हत्या से जुड़े काफी सबूत मिले, जिसके आधार पर एसआईए की आगे की कार्रवाई शुरू की गई। 27 साल की सरला भट्ट जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में रहने वाली कश्मीरी पंडित थीं। उसका हिंदू होना ही गुनाह था। जब 1990 में घाटी में कश्मीरी पंडितों का जेहादियों ने नरसंहार किया, तब सरला भी उसका शिकार हुईं।

▶10 पर

डोभाल के बाद जयशंकर भी जाएंगे रूस

ट्रंप के दंभ को चुनौती दे रहे दो स्तंभ

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत और रूस के संबंधों में काफी करीबी देखी जा रही है। हाल ही में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस का दौरा किया था और मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ ही कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी। अब खबर आई है कि भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर भी जल्द ही रूस के दौरे पर जाएंगे और वहां रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव से मुलाकात करेंगे।रूसी विदेश मंत्रालय के जरिए यह खबर सार्वजनिक हुई कि भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव के बीच 21 अगस्त को मॉस्को में बैठक होगी। इस बैठक में अंतरराष्ट्रीय ढांचे के अंतर्गत कई अहम मुद्दों पर सहयोग को लेकर चर्चा होगी। साथ ही दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर भी बातचीत होगी। इस वर्ष के अंत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत यात्रा पर आ सकते हैं। ऐसे में दोनों नेताओं की मुलाकात में पुतिन के दौरे की तैयारियों पर भी बात हो सकती है। विदेश मंत्री जयशंकर का रूस दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब भारत और अमेरिका के संबंधों में थोड़ी तल्खी आई है। ▶10 पर

देश की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी देवी चौधुरानी का टीजर रिलीज

भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी की कहानी पर आधारित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'देवी चौधुरानी' का टीजर दुनिया भर में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जारी कर दिया गया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुभ्रजीत मित्रा द्वारा निर्देशित इस महाकाव्य फिल्म में स्राबंती चटर्जी देवी चौधुरानी के मुख्य किरदार में हैं, जबकि प्रसेंजीत चटर्जी रहस्यमयी विद्रोही नेता भवानी पाठक की भूमिका निभा रहे हैं।

यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक पल है, क्योंकि यह आईबी मंत्रालय द्वारा Waves 2025 में आधिकारिक इंडो-यूके सह-निर्माण का दर्जा पाने वाली पहली भारतीय फिल्म है। टीजर में प्रसेंजीत चटर्जी का यह संवाद, धातुओं में, तुम उल्का हो, दर्शकों के बीच पहले ही काफी लोकप्रिय हो चुका है। यह संवाद देवी के अटूट साहस और दृढ़ता को दर्शाता है, जो अपने समय से कहीं आगे की महिला थी।

प्रसेंजीत चटर्जी ने इस पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह गर्व का क्षण है कि बंगाल की कहानी, जो हमारी मिट्टी, भाषा और इतिहास से जन्मी है, दुनिया के सबसे बड़े मंच पर चमक रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लिए, देवी असाधारण, अडिग और अविस्मरणीय हैं।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की दंतकथा पर आधारित इस फिल्म में सब्यसाची चक्रवर्ती, अर्जुन चक्रवर्ती, दर्शना बैनिक जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत ग्रैमी-नामांकित पंडित बिक्रमा घोष ने दिया है। फिल्म के निर्माताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि 'देवी चौधुरानी' केवल बंगाल की नहीं, बल्कि पूरे भारत की कहानी है-यह प्रतिरोध, गरिमा और साहस की अदम्य गाथा है।

कैश वॉरेन से अलग होने के बाद अपने टूटे हुए दिल को संभालने में लगी हैं जेसिका अल्बा

हॉलीवुड एक्ट्रेस जेसिका अल्बा ने इस जनवरी में कैश वॉरेन से अपने 16 साल पुराने रिश्ते को विराम दिया था। दोनों ने तलाक ले लिया था। ऐसे में तलाक के बाद कैश से अलग रह रही जेसिका का कहना है कि वे अपने टूटे हुए दिल का ख्याल रख रही हैं और वो ब्रेकअप के बाद के हालात से अच्छे से उबर रही हैं।

अल्बा ने कहा, कैश से अलग होने के बाद उन्होंने सीखा कि जिंदगी को चलने दो जैसा वह चल रही है। अलग होने के बाद की जिंदगी के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि हर कोई इस बात से सहमत होगा कि आप बहुत सारी योजनाएं बनाने की कोशिश करते हैं, खासकर एक मां के रूप में, आप हमेशा योजना बनाने और चीजों को नियंत्रित करने की कोशिश करते रहते हैं। और मुझे लगता है कि आपको, खासकर समय के साथ, एहसास होता है कि जो आपके लिए है, वही असल में सामने आएगा और वही होगा। कभी-कभी, आपको बस जिंदगी को अपने आप चलते रहने देना होता है और उसका आनंद लेना होता है। चीजें अपने आप ठीक हो जाएंगी। इस प्रक्रिया पर भरोसा रखें।

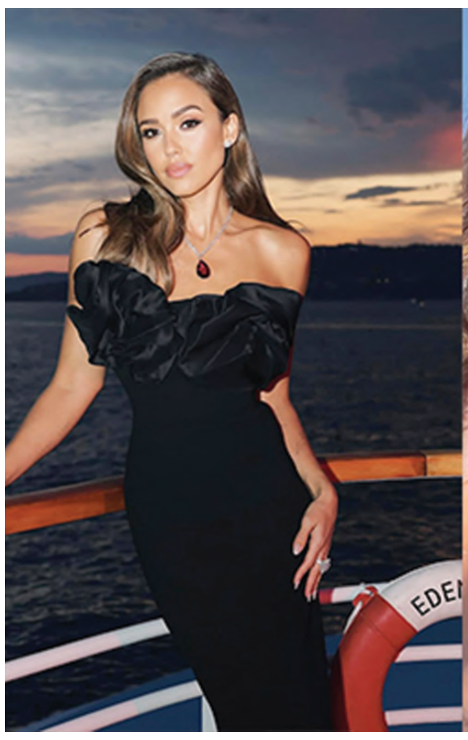

फीमेल फर्स्ट यूके की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रेकअप के कंफर्म होने के 6 महीने बाद 46 साल की प्रोड्यूसर को 'मार्वेल' स्टार डैनी रामिरेज़ के साथ मैक्सिको में छुट्टियां मनाते हुए देखा गया था। तब से दोनों को कई बार साथ देखा जा चुका है। जब कैश से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था, मैं उसके लिए खुश हूं। पर डैनी के लिए हूं या नहीं, बता नहीं सकता, लेकिन वो अच्छा आदमी लगता है।जब उनसे पूछा गया कि क्या वो किसी को डेट कर रहे हैं, तो उन्होंने ना कह दिया और मजाक में कहा, अगर आपके पास कोई हो तो जरूर बताइएगा।वहीं दूसरी तरफ 29 जुलाई 2025 को जेसिका और डैनी को एक दूसरे को सबके सामने ब्रेविरली हिल्स में किस करते हुए देखा गया था।

अपने बेटे को कान्हा रूप में देख भावुक हो उठीं श्रेया घोषाल यशोदा मां की तरह किया लाड

जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में देशभर में बड़े श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस खास मौके पर कई लोग अपने बच्चों को बाल कृष्ण के रूप में सजाते हैं और फोटोशूट कराते हैं। इस कड़ी में मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने भी अपने बेटे देव्यान के साथ फोटोशूट कराया, साथ ही हाल ही में रिलीज हुए उनके नए भजन 'ओ कान्हा रे' से जुड़ी बीटीएस झलक भी साझा की। श्रेया घोषाल ने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज और वीडियो पोस्ट किए। इन तस्वीरों और वीडियो में श्रेया घोषाल का बेटा देव्यान नन्हे श्रीकृष्ण के रूप में नजर आ रहा है। सिर पर मोर मुकुट, हाथ में बांसुरी, और चेहरे पर बाल गोपाल जैसी मासूम मुस्कान, देव्यान का यह रूप उनके चाहने वालों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। इस पर श्रेया ने बताया कि देव्यान को वीडियो में शामिल करने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन उनके पति ने उन्हें कान्हा के रूप में तैयार किया।

एक वीडियो में श्रेया नए भजन 'ओ कान्हा रे' की शूटिंग कर रही हैं। इस दौरान उनका बेटा कान्हा के रूप में दौड़कर उनके पास चला आता है। इस रूप में उसे देख वह ममता से भर उठती हैं और शूट के बीच यशोदा मां की तरह अपने बेटे को दुलार करने लगती हैं।

इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे लगता था कि मैं अपने बेटे के चेहरे के हर भाव को जानती हूं, लेकिन जब मैंने उसे छोटे कान्हा के रूप में देखा, तो मैं पूरी तरह से उसे देखकर चौंक गई। देव्यान की शूट में आने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन उसके पापा ने उसे छोटे कान्हा का कपड़ा पहनाया और जब वह शूटिंग फ्लोर पर आया, तो मेरा दिल एक पल के लिए रुक गया और मेरी आंखों से खुशी के आंसू छलक आए। उन्होंने आगे कहा, उस दिन मुझे ऐसा लगा जैसे श्रीकृष्ण खुद मेरे आसपास मौजूद हैं। मेरा दिल उस पल को हमेशा के लिए सहेज कर रखेगा।श्रेया का यह फोटोशूट और वीडियो न केवल उनके लिए यादगार है, बल्कि फैंस के लिए भी बेहद खास है।

उन्हें हर सम्मान मिलना चाहिए : मातृत्व के टास्क से अभिभूत हुईं कृष्णा श्रॉफ ने जताया माँऔ के प्रति सम्मान

छोरियां चली गांव' के हालिया एपिसोड में एक बेहद भावुक मोड़ आया जब कृष्णा श्रॉफ को एक ऐसा टास्क दिया गया जिसने उन्हें और दर्शकों दोनों को गहराई से छू लिया। इस टास्क में सभी लड़कियों को छोटे बच्चों की देखभाल करनी थी - यानी एक मां की ज़िम्मेदारियों को निभाना। कृष्णा को एक छोटे बच्चे की जिम्मेदारी दी गई और शुरुआत में उन्होंने इस टास्क को बड़े उत्साह के साथ अपनाया। लेकिन जैसे ही बच्चा लगातार रोने लगा और उन्हें चुप कराना मुश्किल हो गया, कृष्णा खुद को असहाय महसूस करने लगीं और अंततः बच्चे को उसकी मां को लौटा दिया। यह पल कृष्णा के लिए एक गहरी सीख बन गया, बच्चों की देखभाल और पालन-पोषण के लिए मातृत्व की सच्चाई और उसकी जिम्मेदारियों का एहसास।

भावुक होते हुए उन्होंने खुलकर अपनी भावना व्यक्त की: मेरे हिसाब से, माओं को सब कुछ मिलना चाहिए। उन्हें इस दुनिया का हर सम्मान, हर सराहना मिलनी चाहिए, उन्होंने भारी मन से कहा। उनकी यह सच्ची और भावनात्मक प्रतिक्रिया दर्शकों को उनके एक ऐसे पक्ष से रूबरू कराती है जिसे पहले शायद ही कभी देखा गया हो - एक ऐसा पक्ष जो मातृत्व की असली चुनौतियों से विनम्र और अभिभूत है। कृष्णा ने इस भावुक अनुभव में थोड़ा हास्य भी जोड़ते हुए स्वीकार किया कि उन्होंने हमेशा अपने बच्चे की ख्वाहिश की थी, लेकिन यह अनुभव उन्हें दोबारा सोचने पर मजबूर कर गया। उन्होंने हंसते हुए कहा कि अब उन्हें यकीन नहीं कि वह वाकई इसके लिए तैयार हैं। उनके ईमानदार और दिल से किए गए इस कबूलनामे ने एपिसोड में भावनात्मक गहराई ला दी, और सभी को उस निस्वार्थ प्रेम और शक्ति की याद दिला दी जो माँएँ हर दिन इस दुनिया को संभाले हुए है।

अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने सरकारी वाहन इस्तेमाल के दावे को बताया गलत

अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने आंध्र प्रदेश के भीमवरम में एक स्टोर लॉन्च इवेंट के दौरान सरकारी वाहन इस्तेमाल करने के दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि कार्यक्रम में आने-जाने के लिए आयोजकों ने ही वाहन की व्यवस्था की थी।निधि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बयान जारी करते हुए बताया, मैं सोशल मीडिया पर चल रही कुछ बातों को साफ करना चाहती हूं। इस इवेंट के दौरान, मुझे जो गाड़ी दी गई थी, वह आंध्र प्रदेश सरकार की थी, लेकिन वो गाड़ी इवेंट के लोकल आयोजकों ने ही मेरी सुविधा के लिए दी थी। मैंने उस गाड़ी को ना तो चुना था और ना ही मंगवाया था।

निधि ने आगे कहा, कुछ ऑनलाइन रिपोर्ट्स और पोस्ट्स में गलत तरीके से कहा जा रहा है कि वह गाड़ी सरकारी अधिकारियों ने मुझे भेजी थी। मैं साफ तौर पर कहना चाहती हूं कि यह दावा पूरी तरह से गलत है। मेरा इस मामले में किसी भी सरकारी अधिकारी से कोई संबंध नहीं है, और गाड़ी का सरकार से कोई लेना-देना नहीं था।अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने कहा, मैं दर्शकों की बहुत इज्जत करती हूं, और मेरे लिए यह जरूरी है कि सच्चाई सामने आए, ताकि कोई गलत जानकारी आगे न फैले। मैं फैन्स और शुभचिंतकों की तरफ से मिले प्यारा और सपोर्ट की आभारी हूं।

निधि के वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री की हालिया रिलीज फिल्म 'हरी हरा वीरा मल्लू' थी, जिसे ए. एम. ज्योतिकृष्णा और कृष जागर्लामुड़ी ने मिलकर बनाया है। फिल्म में बॉबी देओल और पवन कल्याण मुख्य भूमिकाओं में हैं और निधि ने 'पंचमी' नाम का रोल निभाया है। इसके साथ ही इसमें नरगिस फाकरी, नोरा फतेही और सत्यराज प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह पीरियड ड्रामा दो भागो में है। फिल्म का पहला पार्ट का नाम 'हरि हर वीरा मल्लू पार्ट-1- स्वार्ड वर्सेज स्पिरिट' है, तो वहीं, दूसरे का नाम हरि हर वीरा मल्लू भाग-2 युद्धक्षेत्र होगा। फिल्म का पहला पार्ट 'हरि हर वीरा मल्लू पार्ट-1- स्वार्ड वर्सेज स्पिरिट' 23 जुलाई को रिलीज हो गई है। फिल्म का संगीत मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर एम. एम. कीरवाणी ने दिया है, और सिनेमैटोग्राफी मनोज परमहंसा और ज्ञानशेखर वी.एस. ने की है।

वसुमान योग में विष्णु भगवान की मेष, कर्क तुला सहीत अन्य राशियों पर बनी रहेंगी कृपा

आज 14 अगस्त, गुरुवार के दिन चंद्रमा से तीसरे भाव में शुक्र और गुरु विराजमान होंगे, चंद्रमा मेष राशि में होंगे। इससे वसुमान योग बन रहा है। ऐसे में विष्णु भगवान मेष, कर्क, तुला और वृश्चिक राशि की जमकर कमाई कराने वाले हैं और इनका पूरा दिन उत्तम रहने वाला है। बिजनेस में कोई बड़ी डील फाइनल होने से मुनाफा कमाने के नए रास्ते खुलेंगे और कार्यक्षेत्र में आ रही रुकावटें भी दूर होने लगेंगी। रचनात्मक कार्यों में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और व्यापार में नया प्रोजेक्ट मिलने से बड़ा लाभ मिल सकता है। नौकरी करने वालों को भी कुछ नया करने का मौका मिलेगा और लाभ कमाने के अवसर भी प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और आर्थिक स्थिति भी मजबूत रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

मेष : बिजनेस में बड़ी डील होगी फाइनल

दिन उत्तम रहने वाला है और बिजनेस में आपकी कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है, जिससे लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। वहीं, समाज में भी मान-सम्मान प्राप्त होगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी और आपको किसी कार्यक्रम में शामिल होने का मौका भी मिल सकता है। परिवार के मामले में भी दिन खुशनुमा रहने वाला है और जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

वृषभ : कार्यक्षेत्र की उलझनें होंगी दूर

व्यापार के मामले में आप नई योजनाएं बना सकते हैं और कहीं यात्रा पर जाने का योग भी बन रहा है, जिससे आपको सुकून महसूस होगा। अगर आप किसी लंबे समय से किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यक्षेत्र में कुछ उलझने रहेंगी, लेकिन आप अपनी चतुराई से स्थिति को सामान्य बना लेंगे और पराक्रम में भी वृद्धि होगी। परिवार के शांतिपूर्ण माहौल बना रहेगा।

मिथुन : रचनात्मक कार्यों में बढ़ेंगे आगे

आप रचनात्मक कार्यों में ज्यादा समय व्यतीत कर सकते हैं और इससे लाभ कमाने के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आप उसी प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं, जिसमें आपको सबसे अधिक दिलचस्पी है। इससे मानसिक तनाव कम होगा और आप हर काम को पूरे उत्साह के साथ करेंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए आप नई योजनाएं भी बना सकते हैं और इसमें सीनियर का भी सहयोग मिलेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आपका दिन अच्छा बीतेगा।

कर्क : कार्यक्षेत्र में अधूरे काम होंगे पूरे

कारोबार और व्यापार के मामले में दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप जिस भी प्रोजेक्ट में पूरी मेहनत और लगन के साथ काम करेंगे उसमें सफलता जरूरी प्राप्त होगी। अगर लंबे समय से जरूरी काम अधूरे पड़े थे तो वे भी पूरे होने लगेंगे और कामकाज को लेकर मीटिंग भी हो सकती है। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहेगा और आपको अपने सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। निजी जीवन में जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

सिंह : कार्यस्थल पर विरोधियों से रहें सावधान

कामकाज के सिलसिले में आप ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। वहीं, आपको कार्यक्षेत्र में अपने कुछ सीनियर और विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत होगी। वरना ये आपके काम में रुकावट डालने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि, शाम होते होते परिस्थिति बेहतर होती जाएगी और आपका काम भी सामान्य गति से चलने लगेगा। परिवार के मामले में शांतिपूर्ण माहौल देखने को मिलेगा।

कन्या : कार्यक्षेत्र में विवादों से रहें दूर

कार्यक्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में आपको कटु वाणी का प्रयोग करने से बचना होगा और संयम के साथ फैसले लेने होंगे। अपने आसपास चल रहे किसी भी विवाद से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर आत्मविश्वास के साथ कोई भी काम करने से आपको लाभ जरूर मिलेगा और स्थिति भी बेहतर होती जाएगी। परिवार में किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है।

तुला : व्यापार में नया प्रोजेक्ट मिलने से होगा लाभ

दिन लाभदायक रहने वाला है। अगर कार्यक्षेत्र में लंबे समय से कामकाज को लेकर कोई समस्या या विवाद चल रहा था तो वह अब दूर हो सकता है। व्यापार में आपको कोई नया प्रोजेक्ट प्राप्त हो सकता है, जिससे मुनाफा कमाने के नए रास्ते खुलेंगे। लेकिन प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा। जल्दबाजी करने से नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक : दिनभर लाभ कमाने के मिलेंगे अवसर

कारोबार के मामले में आपका दिन बेहद भाग्यशाली रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में दिनभर लाभ कमाने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करते रहना होगा। नौकरी और व्यापार के मामले में कुछ बदलाव लाने या नया करने से आपको भविष्य में बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, जिससे आपको भी सुकून महसूस होगा।

धनु : जोखिम भरे फैसलों से लाभ की संभावना

कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी काम पूरी सावधानी के साथ करना होगा, अन्यथा परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बिजनेस के मामले में कुछ जोखिम भरे फैसले लेने से आपको भविष्य में बड़ा लाभ होने की संभावना है। नौकरी करने वाले लोग कुछ नए कामों दिलचस्पी दिखा सकते हैं। किसी नए मौके को पहचानने से लाभ मिल सकता है और परिवार में भी खुशियां आएंगी।

मकर : कार्यक्षेत्र में काम तेजी से होंगे पूरे

अगर आप पार्टनरशिप में बिजनेस चला रहे हैं, तो कोई बढ़ा फायदा मिलने की संभावना है। आपका काम तेजी से पूरा होगा और अधूरे काम भी पूर्ण होने लगेंगे। इसी के चलते आप परिवार में ज्यादा समय बिता सकते हैं और संतान को लेकर भी कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको कई काम एक साथ करने से बचना होगा, अन्यथा तनाव बढ़ सकता है।

कुंभ : व्यापार में लाभ कमाने के मिलेंगे मौके

व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आपको लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए प्रयास करते रहना जरूरी होगी। जल्दबाजी में फैसले लेने से परेशानी खड़ी हो सकती है। ऐसे में कार्यक्षेत्र में कोई भी फैसला सोच-समझकर ही लें। आपको स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है और परिवार के मामले में दिन सामान्य रहने वाला है।

मीन : कार्यक्षेत्र में मिल सकते हैं कई लाभ

कार्यक्षेत्र में आपका दिन लाभ दिलाने वाला हो सकता है और व्यापार में जोखिम उठाने से कुछ बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अगर आप किसी परेशानी का सामना कर रहे हैं, तो उसे धैर्य और अपनी मधुर वाणी से दूर कर सकते हैं। नौकरी करने वाले अपनी बुद्धिमानी से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप संकट में फंसे किसी व्यक्ति भी सहायता कर सकते हैं। परिवार में चल रही समस्याओं को शांति से बैठकर सुलझाना होगा।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में जानें कैसे हुई थी राधा-कृष्ण के शाश्वत प्रेम की शुरुआत

राधा-कृष्ण का प्रेम अपने आप में अनूठा है। आज भी जब प्रेम की मिसाल दी जाती है तो राधा और कृष्ण का नाम लिया जाता है। भगवान की इस दिव्य प्रेम लीला का वर्णन ब्रह्मवैवर्त पुराण में मिलता है जहां राधा-कृष्ण की पहली मुलाकात से लेकर उनके बीच के संवाद को विस्तार से बताया गया है। नटखट किशोर जी व्रज में भोली-भाली किशोरी जी से मिलते हैं और यमुना तट पर लीला करते हैं। मन ही मन श्रीकृष्ण को अपनामान चुकी राधा जी चुपचाप मिलने आती हैं। यह सिलसिला लंबा चलता है। ऐसे में जन्माष्टमी के मौके पर आइये जानते हैं राधा-कृष्ण के शाश्वत प्रेम की पवित्र कहानी।

वृषभानु और नंदजी के यहां बड़े हुए राधा-कृष्ण

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, नंदजी एक बार बाल गोपाल श्रीकृष्ण को वन में ले जाते हैं और वहां मौजूद राधाजी की गोद में दे देते हैं। इसके बाद राधाजी कान्हा जी को लेकर वन में जाती हैं और वहां श्रीकृष्ण बाल रूप से किशोर रूप में आते हैं। यहां पर ब्रह्माजी ने दोनों का वैदिक विधि से विवाह कराया। फिर श्रीकृष्ण भगवान बाल रूप में आए और राधाजी ने नंदजी को उन्हें सौंप दिया। इसके बाद योगमाया से राधा-कृष्णजी ने अपनी इन बातों को भुला दिया। और कान्हाजी नंदभवन में रहने लगे और राधाजी बाल्यावस्था में वृषभानु जी के यहां बड़ी होने लगीं।

यमुना तट पर हुई दोनों की पहली मुलाकात

समय बीतता गया, जब दोनों किशोरावस्था में पहुंचे। तो राधाजी को श्रीकृष्ण के बारे में पता चला तो उनके मन में सिहरन होने लगती। उनके कानों को कृष्ण-कृष्ण की ध्वनि प्यारी लगने लगती। वह उनकी बांसुरी की आवाज सुनती तो खुशी से झूम उठतीं। एक दिन राधाजी यमुना के किनारे पहुंचीं। नीली साड़ी पहने छोटी सी, गोरी सी, सुंदरी सी मां राधा रानी अकेले ही बैठी थीं कि कान्हा जी वहां पहुंचे। कान्हा जी ने उनसे पूछा कि वह कहां रहती हैं। तब उन्होंने उन्हें बताया कि वह बरसाने में रहती हैं। तब कान्हाजी ने उनसे उनके पिता का नाम पूछा। राधाजी बोलीं- वह अपने पिता का नाम नहीं ले सकती हैं। लेकिन उनके पिता का नाम बैल और सूर्य के नाम पर है और वो वहां के राजा हैं। तब कान्हाजी बोले, अच्छा तुम वृषभभानु जी की बेटी राधा हो।

राधाजी और कान्हा के बीच का पहला संवाद

तब राधा रानी आश्चर्य से पूछती हैं, तुम कौन हो जी और मेरा नाम कैसे जानते हो? कान्हा हल्के-हल्के मुस्कुराते हुए कहते हैं, तुम्हारा नाम भला ऐसा कौन होगा, जो न जानता हो, तुम्हारे रूप की ख्याति तो पूरे व्रज में फैली है। मेरा नाम कृष्ण है और मैं नंदजी का पुत्र हूं। ये सुनते ही राधा जी मन ही मन रोमांचित हो जाती हैं। तो वो कहती हैं, हां मैंने भी सुना है कि श्यामसुंदर बड़ा चोर है। तब हंसकर कान्हाजी पूछते हैं, मैंने तुम्हारा क्या चुराया जी, मुझे चोर बताती हो। राधाजी सहम जाती हैं और सिर्फ इतना कहती हैं कि अब मैं जाती हूं। तुरंत कान्हा राधा जी को रोक लेते हैं और कहते हैं, मैं मजाक कर रहा था। लोग मुझे माखन चोर कहते हैं, लेकिन मैं किसी का कुछ चुराता नहीं हूं। अब नाम पड़ गया है तो तुमने भी कहीं से सुना ही होगा।

राधाजी से फिर मिलने की जिद करने लगे कान्हा

इसके बाद कान्हा राधाजी को यमुना किनारे खेलने का प्रस्ताव देते हैं। राधाजी लजाते हुए कहती हैं, मुझे जाने दो, मेरी मां नाराज होंगी। फिर कभी आऊंगी। तुरंत कान्हा उनकी चुनरी पकड़ कर कहते हैं, खाओ मेरी कसम कि फिर आओगी। राधाजी कहती हैं, हां हां जरूर आऊंगी, मुझे छोड़ दो। कान्हा कल आने की जिद करते हैं और कहते हैं- गायों को चराने के बहाने आ जाना। राधाजी तब अपनी चुनरी झटक कर कहती हैं, तुम बहुत नटखट हो जी। ऐसे छेड़ोगे तो मैं न आऊंगी। इसके बाद राधा जी तेजी से चली जाती हैं। लेकिन गलती से राधाजी कान्हा का पीतांबर और कान्हा उनकी नीली चुनरी लेकर एक-दूसरे में हुए घर चले जाते हैं।

फिर यूं शुरू हुआ मुलाकातों का सिलसिला

घर पहुंचते ही मैया कान्हा जी से पूछती हैं, ये किसकी चुनरी ले आया? तब कान्हा जी भोली सूरत बनाकर कहते हैं, मैया एक गाय छोरी की चुनरी अपनी सींग में लेकर भाग गई। तो वो छोरी रोने लगी तब मैंने उसे अपना पीतांबर दे दिया। फिर मैं गाय से उसकी चुनरी छुड़ाकर ले आया। कल दे आऊंगा। वहीं राधा जी घर पहुंचीं तो उनकी मां ने डांटते हुए कहा, इतनी देर से कहां थी। और ये किसका पीतांबर है। मां की डांट सुनकर राधाजी रोने लगीं। और मां से कहा, मैं यमुना तट गई थी। गोपियों के साथ नहा रही थी। जब नहा के निकल ही रहे थे। तभी काला सांप आया और उसने पास की गोपी को डंस लिया। हड़बड़ी में मेरी चुनरी यमुनाजी में बह गई। तभी एक कारो सा छोरा आया।

उसने मुझे पीतांबर ओढ़ने के लिया दिया। और उसने गोपी के कान में न जाने क्या मंत्र फूंका वो तुरंत उठ गई। मां को शांत होते देख राधा जी ने पूछा, मां वो छोरा मुझसे बार-बार कहता मेरे घर खेलने आना। तब मां ने कहा वह नंदरायजी का छोरा कृष्ण है। बड़ा नटखट है। यशोदारानी से मेरा भायेला है। उनके घर जाने में कोई बात नहीं है। इसके बाद से कृष्ण और राधा जी की मुलाकात और शाश्वत प्रेम का सिलसिला शुरू हुआ। और दोनों निरंतर मिलने लगे।

पिठोरी अमावस्या 22 को जानिए सही तिथि और महत्व

पिठोरी अमावस्या भाद्रपद मास में आती है। पितृ पूजन, दान-पुण्य के लिए इसका विशेष महत्व है। भाद्रपद मास की अमावस्या तिथि पर आने वाली पिठोरी अमावस्या देशभर में मनाई जाती है। ये उत्तर भारत में कुशाग्रहणी अमावस्या के तौर पर मनाई जाती है। इसके साथ ही इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने का भी महत्व है।

भाद्रपद मास की अमावस्या तिथि 22 अगस्त को दोपहर 11.57 बजे लगेगी और 23 अगस्त को 11.37 बजे पूरी होगी। 22 अगस्त को अमावस्या मध्यकाल में लग रही है और उदया तिथि नहीं है, ऐसे में इस दिन पिठोरी अमावस्या मान्य होगी। इस दिन पितृ पूजन, तर्पण, श्राद्ध आदि का महत्व है। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलेगी। इसके साथ ही उनका आशीर्वाद भी मिलता है।

कुशाग्रहणी अमावस्या कब है

इसी तरह 23 अगस्त को सूर्योदय कालीन अमावस्या तिथि लग रही है। ऐसे में इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने, दान पुण्य करने का विशेष महत्व है। इसके साथ ही पितरों के नाम पर जरूरतमंदों को भोजन करा सकते हैं। 23 अगस्त की अमावस्या तिथि को कुशाग्रहणी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इस दिन कुश इकट्ठा करने का महत्व है। इस दिन जिनके माता या पिता नहीं होते हैं वे कुश इकट्ठा करते हैं और इसे घर पर लाते हैं। यही कुश पूरे साल पितृ पूजन में काम आता है। इसके अलावा साल के अन्य दिनों में कुश नहीं उखाड़ा जाता है।

पिठोरी अमावस्या का महत्व

पिठोरी अमावस्या पर पितरों का तर्पण करने, श्राद्ध करने का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से दुख दर्द दूर होते हैं। आपकी बाधाएं दूर होती हैं। शनिदेव की पूजा करने का भी महत्व होता है, क्योंकि अमावस्या तिथि शनिदेव को समर्पित होती है। वहीं पिठोरी अमावस्या के दिन गंगा नदी में स्नान करने पापों से मुक्ति मिलती है।

संतान सुख, संतान की रक्षा-सुरक्षा और दीर्घायु के लिए खास है पिठोरी अमावस्या

हिंदू कैलेंडर के अनुसार अमावस्या तिथि हर माह कृष्ण पक्ष के अंतिम तिथि को पड़ती है। लेकिन पिठोरी अमावस्या का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है, इसे कुशाग्रहणी पिठोरी अमावस्या भी कहा जाता है।

साथ ही इसे पोलाला अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है, जोकि भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि को होती है। वैसे तो अमावस्या तिथि पर स्नान-दान, पितरों का पिंडदान और तर्पण आदि जैसे कार्य करने का विधान है। लेकिन इन कार्यों के साथ ही पिठोरी अमावस्या मुख्य रूप से संतान की सुख-समृद्धि, सफलता और दीर्घायु की कामना के लिए भी किया जाता है।

अगस्त में पिठोरी अमावस्या का व्रत 22 अगस्त 2025 को रखा जाएगा। द्रिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद महीने के शुक्ल की तिथि 22 अगस्त को सुबह 11:55 पर लगेगी और 23 अगस्त सुबह 11:35 पर समाप्त हो जाएगी। पिठोरी व्रत प्रदोष मुहूर्त 22 अगस्त को शाम 06:53 से रात 09:06 तक रहेगा। मान्यता है कि पिठोरी अमावस्या पर जो माताएं संतान की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए व्रत रखकर पूजा-पाठ करती हैं उन्हें माता भगवती की कृपा प्राप्त होती है।

पिठोरी अमावस्या को क्यों कहते हैं 'कुशाग्रहणी'

भाद्रपद की इस अमावस्या को कुशाग्रहणी इसलिए भी कहते हैं, क्योंकि इस दिन पवित्र कुशा घास का संग्रहण और पूजन किया जाता है।

मत्स्य पुराण के अनुसार, भगवान विष्णु ने वराह अवतार लेकर हिरण्याक्ष का वध करके पृथ्वी को पुनः स्थापित किया। हिरण्याक्ष के वध उसके बाद विष्णुजी ने जब अपने शरीर पर लगे पानी को झाड़ा, तो उनके शरीर के कुछ बाल पृथ्वी पर गिरे और कुशा के रूप में बदल गए। तब से कुशा को पवित्र माना जाने लगा।

पिठोरी अमावस्या पर 64 योगिनियों की पूजा का महत्व

धार्मिक मान्यता है कि, भाद्रपद की पिठोरी अमावस्या पर मां पार्वती ने 64 योगिनियों के साथ मिलकर गणेश जी की पूजा की थी। इसलिए हर साल पिठोरी अमावस्या पर महिलाएं आटे से 64 योगिनियों की मूर्ति बनाकर उनकी पूजा करती हैं। माना जाता है कि, 64 योगिनियां देवी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं और उनकी पूजा से सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिठोरी अमावस्या पर 64 योगिनियों की पूजा और व्रत महिलाएं विशेषकर बच्चों के दीर्घ जीवन, उत्तम स्वास्थ्य और सफलता के लिए करती हैं।

पिठोरी अमावस्यापूजन विधि

दक्षिण भारत में पिठोरी अमावस्या को पोलाला अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन महिलाएं सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करती हैं और फिर साफ कपड़े पहनकर पूजा की तैयारी करती है। स्नान के बाद सबसे पहले सूर्य देव को जल चढ़ाएं। फिर पितरों का पूजन करें। पूजाघर में घी का दीप प्रज्वल्लित कर अपने बच्चों के नाम से व्रत रखने का संकल्प लें। शुभ प्रदोष मुहूर्त में मिट्टी की पिठौरियां (देवी माताओं की आकृति) बनाकर 64 योगिनियों और सप्तमातृका की पूजा करें और व्रत कथा सुनकर आरती करें। पूजा के बाद सभी में प्रसाद बांटे। पिठोरी अमावस्या पर विधिपूर्वक पूजा करने से संतान के जीवन में सदैव खुशहाली बनी रहती है।

इस दिन करें ये उपाय

पिठोरी अमावस्या के दिन गंगा में स्नान करने का विशेष महत्व है। अगर गंगा किनारे जाना संभव न हो तो घर पर ही नहाने के पानी में थोड़ा गंगा जल मिला लें। स्नान करने के बाद पुरुष सफेद कपड़े पहनकर पितरों का तर्पण और श्राद्ध करें। वहीं अपने पितरों के नाम ब्राह्मणों को भोजन कराएं। इस दिन भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व होता है।

संपादकीय

जवाबदेही चुनाव आयोग की

जवाबदेही चुनाव आयोग की है। यदि 'वोट चोरी' के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं और उस मुद्दे पर करीब 300 सांसद सडक़ पर हैं, तो यह कोई सामान्य परिस्थिति नहीं है। चुनाव आयोग कन्नी नहीं काट सकता और न ही विपक्षी नेता के हलफनामे का इंतजार कर सकता। संविधान ने निष्पक्ष और तटस्थ निर्वाचन का दायित्व चुनाव आयोग को सौंपा है, लिहाजा सम्यकु जवाबदेही भी उसी की है। आयोग को 'वोट चोरी' पर खुद स्पष्टीकरण देना चाहिए। औसत नागरिक न्यायपालिका, संसद और चुनाव आयोग के प्रति श्रद्धा और सम्मान के भाव रखता है। वे भाव खंडित नहीं होने चाहिए। हालांकि आयोग ने शनिवार को सर्वोच्च अदालत में हलफनामा देकर आश्वस्त किया है कि जो 65 लाख सवालिया मतदाता बिहार की मतदाता-सूची से बाहर किए गए हैं, उनके पक्ष सुने जा सकते हैं। अभी तक सूची में दर्ज योग्य और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे, तो उन्हें बाकायदा नोटिस जारी किए जाएंगे, उनके स्पष्टीकरण सुने जाएंगे, तब आयोग निर्णय लेगा कि वे पात्र मतदाता हैं अथवा नहीं। बिहार के संदर्भ में यह प्रक्रिया एक सितंबर तक जारी रहेगी। सर्वोच्च अदालत में मंगलवार और बुधवार को इस मामले पर सुनवाई तय की गई थी। उसके बाद ही कोई फैसला सामने आएगा, लेकिन चुनाव आयोग की फजीहत नहीं होनी चाहिए। जिस तरह के विशेषण, रूपक और उपमाएं आयोग के लिए मीडिया में इस्तेमाल की जा रही हैं, वे अशोभनीय और अमर्यादित हैं। यह अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। चुनाव आयोग पर 'भाजपाई' होने के जो आरोप चस्पां किए जा रहे हैं, आयोग उन पर न तो खामोश रहे और न ही आरोपों का खंडन करे। उसे आरोपित मामलों में कार्रवाई करनी चाहिए और देश के सामने सार्वजनिक करना चाहिए कि 'वोट चोरी' के आरोप कितने तथ्यात्मक हैं और कितने पूर्वाग्रही हैं? विपक्ष ने आरोप लगाए हैं कि एक ही पते पर 80,100 या उससे अधिक मतदाता बनाए गए हैं। ऐसी खबरें देश के कई राज्यों से आ रही हैं। आयोग को स्पष्टीकरण देना चाहिए, लेकिन इसकी सामाजिक और कामकाजी पृष्ठभूमि भी जाननी चाहिए। वैसे हम बता दें कि देश में 45 करोड़ से अधिक लोग प्रवासी हैं। उन्हें पुराने घर का पता छोड़ कर नए ठिकाने का पता जोडऩा पड़ता है। यह प्रक्रिया असंगठित क्षेत्र के कामगारों और मजदूरों के लिए बहुत कठिन है। मतदाताओं के नाम कटने और जोडऩे की गतिविधियां और समीक्षाएं होती रही हैं। भारत में 95 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं। महानगरों में 30 लाख से अधिक लोग ऐसे हैं, जिनके पास एक निश्चित पता नहीं है। वोटर आई कार्ड पाने के लिए वे उस व्यक्ति पर निर्भर रहते हैं, जो उन्हें 'घर का पता' इस्तेमाल करने की अनुमति देता है। देश में निर्माण-स्थल पर काम करने वाले करीब 1 करोड़ मजदूर उसी स्थल पर रहते हैं अथवा आसपास रहते हैं या ठेकेदार के किसी पते पर रहने को विवश हैं। क्या उन्हें मताधिकार प्राप्त नहीं है? ऐसे लोगों का स्थायी या पुश्तैनी पता कैसे हो सकता है? हमारा दावा यह नहीं है कि एक ही पते पर कई मतदाताओं के कार्ड बनाने की प्रक्रिया में धांधलेबाजी नहीं है। राजनीतिक दल अपना वोट बैंक पुख्ता करने के लिए ऐसा करते रहे हैं, लेकिन समग्रता में यह मामला बेहद संवेदनशील है। चुनाव आयोग को भी समझना चाहिए। हमारा मानना है कि इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

> चुनाव आयोग कन्नी नहीं काट सकता और न ही विपक्षी नेता के हलफनामे का इंतजार कर सकता। संविधान ने निष्पक्ष और तटस्थ निर्वाचन का दायित्व चुनाव आयोग को सौंपा है, लिहाजा सम्यकु जवाबदेही भी उसी की है। आयोग को 'वोट चोरी' पर खुद स्पष्टीकरण देना चाहिए। औसत नागरिक न्यायपालिका, संसद और चुनाव आयोग के प्रति श्रद्धा और सम्मान के भाव रखता है। वे भाव खंडित नहीं होने चाहिए। हालांकि आयोग ने शनिवार को सर्वोच्च अदालत में हलफनामा देकर आश्वस्त किया है कि जो 65 लाख सवालिया मतदाता बिहार की मतदाता-सूची से बाहर किए गए हैं, उनके पक्ष सुने जा सकते हैं। अभी तक सूची में दर्ज योग्य और पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे, तो उन्हें बाकायदा नोटिस जारी किए जाएंगे, उनके स्पष्टीकरण सुने जाएंगे, तब आयोग निर्णय लेगा कि वे पात्र मतदाता हैं अथवा नहीं। बिहार के संदर्भ में यह प्रक्रिया एक सितंबर तक जारी रहेगी। सर्वोच्च अदालत में मंगलवार और बुधवार को इस मामले पर सुनवाई तय की गई थी। उसके बाद ही कोई फैसला सामने आएगा, लेकिन चुनाव आयोग की फजीहत नहीं होनी चाहिए। जिस तरह के विशेषण, रूपक और उपमाएं आयोग के लिए मीडिया में इस्तेमाल की जा रही हैं, वे अशोभनीय और अमर्यादित हैं। यह अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। चुनाव आयोग पर 'भाजपाई' होने के जो आरोप चस्पां किए जा रहे हैं, आयोग उन पर न तो खामोश रहे और न ही आरोपों का खंडन करे।

कुछ अलग

महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट

महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मोदी वैबिनेट ने मंगलवार को वुछ अहम पैसले लिए जिनकी जानकारी सूचना एवं प्रासारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देते हुए कहा कि चार नईं सेमीकण्डक्टर की मंजूरी दी गईं है, इससे पहले भी सरकार 6 परियोजनाओं को मंजूरी दे दी जा चुकी है। ये चार प्रोजेक्ट ओडिशा, आंध्र प्रादेश और पंजाब में स्थापित होंगे। इन पर 4,594 करोड़ रुपए का निवेश होगा। भारत में जैसे-जैसे इलेक्ट्रानिक्स का महत्व बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सेमीकण्डक्टर का महत्व भी बढ़ता जा रहा है। भारत इस वक्त कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन और इलेक्ट्रानिक उपकरणों की माव्रेट का लीडर बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में जरूरी है कि सेमीकण्डक्टर के क्षेत्र में वह खुद ही आत्मनिर्भर बने। सच तो यही है कि भारत ने जबसे इलेक्ट्रानिक उत्पाद के क्षेत्र में विकास किया है, सेमीकण्डक्टर के लिए उसकी निर्भरता अमेरिका, ताइवान और दक्षिण कोरिया पर थी। लेकिन भारत सरकार की वैबिनेट ने सेमीकण्डक्टर के महत्व का एहसास करते हुए दिसम्बर 2021 में इंडिया सेमीकण्डक्टर मिशन को स्वीवृति दी और 76000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ देश की इस महत्वाकांक्षी योजना को एक बार फिर आगे बढ़ाने का प्रायास किया गया है।

आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा

हवा-पानी की आज़ादी के बिना आज़ादी अधूरी

ललित गर्ग

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे "आज़ादी" को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आज़ादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आज़ादी मिली है? आज़ादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ़ झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज़ बनती जा रही है। 'हवा-पानी की आज़ादी' का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है। जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बर्बादी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है। दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 'बहुत खराब' या 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को ज़हरीला बना रहे हैं। भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे- "अब भी खरे हैं तालाब।" आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने 'अटल भूजल योजना', 'नल से जल' और 'नदी पुनर्जीवन' जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफ़ी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आज़ादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज़ सिर्फ़ चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए। आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है। आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आज़ादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोज़गारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है।

> धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे "आज़ादी" को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है।

देश दुनिया से

अमरीकी दादागिरी का कड़ा जवाब

अमेरिका भारत के खिलाफ टैरिफ वॉर के जरिये दादागिरी दिखाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया है। इसका मतलब है कि अब भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लग गया। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ वाले आदेश पर दस्तखत भी कर दिए हैं। यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा, जबकि पहला 25 फीसदी वाला टैरिफ 7 अगस्त से लागू होगा। अब सवाल है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ बम क्यों फोड़ा, आखिर उनकी क्या मजबूरी है, इसका भारत पर क्या असर होगा और अब भारत का अगला कदम क्या होगा? सबसे पहले जानते हैं कि अमेरिका ने अभी क्या किया है। डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि भारत अपने दोस्त रूस से यारी खत्म करे। उससे तेल न खरीदे। इसके लिए अमेरिका ने प्रेशर पॉलिटिक्स का सहारा लिया है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का आदेश जारी किया। इस फैसले के पीछे भारत की ओर से रूस से तेल खरीद जारी रखना बताया गया है। वाइट हाउस का कहना है कि यह कदम यूक्रेन युद्ध के चलते रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को और प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया है। सत्य यह है कि अमेरिका अपनी शर्तों पर भारत के साथ ट्रेड डील चाहता है। वहीं, भारत अपने छोटे किसानों के हितों के लिए अमेरिका के मनमाने को ट्रेड डील को मानने को तैयार नहीं है। भारत नहीं चाहता कि ऐसे किसी ट्रेड डील से भारत के छोटे किसानों और कारोबारियों को घाटा हो। इसी प्रेशर पॉलिटिक्स के तहत डोनाल्ड ट्रंप बार-बार टैरिफ की धमकी से भारत को मजबूर करना चाहते हैं। यही वजह है कि पहले उन्होंने 25 फीसदी का टैरिफ लगाया था। अब उन्होंने इसे बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया। डोनाल्ड ट्रंप जब से सत्ता में आए हैं, वह रूस-यूक्रेन जंग को खत्म कराने की जद्दोजहद में लगे हैं। वह हर कोशिश कर चुके हैं, मगर सफलता नहीं मिली। ऐसे में मजबूरी में उन्होंने रूस को तोडऩे के लिए भारत को अपना हथियार बनाया है। यह जगजाहिर है कि भारत अपने दोस्त रूस से तेल खरीदता है। ट्रंप का मानना है कि तेल से होने वाली कमाई का इस्तेमाल रूस युद्ध में कर रहा है। यही वजह है कि ट्रंप को लगता है कि अगर रूस से भारत तेल नहीं खरीदेगा तो उसकी कमर टूट जाएगी और पुतिन युद्ध में सरेंडर कर देंगे। मगर हकीकत में ऐसा कुछ नहीं है। भारत साफ कर चुका है कि वह अपनी जरूरतों के हिसाब से रूस से तेल खरीदता है। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ पर भारत ने कहा कि अमेरिका का यह कदम अनुचित, अविवेकपूर्ण और तर्कहीन है। अमेरिका के इस कदम का असर भारत की अर्थ व्यवस्था पर व्यापक तौर पर पडऩे की संभावना है। 50 फीसदी टैरिफ का असर कपड़ा, समुद्री उत्पाद और चमड़ा निर्यात जैसे क्षेत्रों पर बुरा असर पडऩे की आशंका है। जिन क्षेत्रों को इन शुल्कों से नुकसान होगा, उनमें कपड़ा/परिधान, रत्न और आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते, पशु उत्पाद, रसायन, बिजली और यांत्रिक मशीनरी शामिल हैं। निर्यातकों के अनुसार, इस कदम से अमेरिका को भारत के 86 अरब डॉलर के निर्यात पर गंभीर असर पड़ेगा। दवा, ऊर्जा उत्पादों (कच्चा तेल, परिष्कृत ईंधन, प्राकृतिक गैस, कोयला और बिजली) महत्वपूर्ण खनिज और इलेक्ट्रॉनिक्स इत्यादि की एक विस्तृत श्रृंखला पर ये टैरिफ लागू नहीं होंगे। अमेरिका ने जिन देशों पर टैरिफ लगाए हैं, उनमें सबसे अधिक भारत और ब्राजील पर ही हैं। जी हां, भारत और ब्राजील 50 फीसदी टैरिफ वाले देशों की कैटेगरी में हैं। अमेरिका ने म्यांमार पर 40 प्रतिशत, थाईलैंड और कंबोडिया पर 36 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 35 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, चीन और श्रीलंका पर 30 प्रतिशत, मलेशिया पर 25 प्रतिशत, फिलीपींस और वियतनाम पर 20 प्रतिशत टैरिफ यानी शुल्क लगाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस को तोडऩे के चक्कर में भारत से पुठपंगा ले रहे हैं। वैसे भी ट्रंप की यह चाल भारत पर अपनी दादागिरी का दबाव बनाने की ही है। भारत इससे कैसे निपटे यह अब अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत के पास अभी वक्त व कुछ विकल्प हैं। भारत अब ट्रेड डील पर अमेरिका से बातचीत कर सकता है और इस टैरिफ को कम करवा सकता है। 21 दिनों की मोहलत में भारत और अमेरिका आपस में बातचीत करके बीच का रास्ता निकाल सकते हैं। दूसरा विकल्प यह होगा कि भारत इसे विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ में इस टैरिफ को चुनौती दे। तीसरा विकल्प राजनीतिक है। भारत को अब रूस और चीन के साथ मिलकर अपनी तिकड़ी को मजबूत करना चाहिए। रूस हमारा आजमाया हुआ दोस्त है और चीन के साथ हमारी सांस्कृतिक सांझ है। वैसे भी चीन अमेरिका का विरोधी है और विरोधी का विरोधी दोस्त होता है। ताजा हालात यह है कि अमेरिका के टैरिफ के जवाब में भारत ने भी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। माना जा रहा है कि भारत भी अमेरिका से आने वाले सामान पर समान टैक्स लगा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के बाद इस बात को लेकर काफी चर्चा हो रही थी कि भारत क्या कदम उठाएगा। अब भारत ने अमेरिका से बदला लेने का प्लान बना लिया है। भारत, अमेरिका से आने वाले कुछ सामानों पर टैक्स लगाने की तैयारी कर रहा है। यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि अमेरिका ने भारत से आने वाले स्टील और एल्यूमीनियम पर 50 फीसदी तक ड्यूटी बढ़ा दी है। क्या सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है।

आप का नजरिया

मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में डाल रहे हैं ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के देशों के लिए एक अजीब सी पहेली बनते जा रहे हैं। चीन और रूस जैसे अमेरिका के धुर विरोधियों की बात तो छोड़िए यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप के मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी उन्हें समझ नहीं पा रहे हैं। भारत को हर हाल में झुकाने की ऐसी जिद अमेरिकी राष्ट्रपति के सर पर सवार हो गई है कि वो तमाम राजनयिक शिष्टाचार और प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए सीधे पाकिस्तान आर्मी चीफ से बात कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें बार-बार अमेरिका भी बुला रहे हैं। दो महीने के दौरान, पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ने दो बार अमेरिका जाकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की है। जाहिर है कि दोनों के बीच चल रही बातचीत इतनी गंभीर और खुफिया है कि टेलीफोन पर करने की बजाय ट्रंप आमने-सामने की बात करने के लिए उन्हें सीधे अपने देश ही बुला लेते हैं। जबकि पाकिस्तान में एक निर्वाचित सरकार है, जिसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। ट्रंप अमेरिका को पाकिस्तान को प्राथमिकता देने वाले पुराने दौर में वापस ले जा रहे हैं जिसका अंजाम अमेरिका को 9/11 के भयानक आतंकवादी हमले के रूप में झेलना पड़ा था। वो इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि पाकिस्तान का साथ देने का मतलब आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों को ही ताकत देना है। मुनीर ने हाल ही में बीजिंग जाकर चीनी नेताओं से भी मुलाकात की थी। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान भी चीन ने पाकिस्तान को भरोसेमंद साझेदार बताते हुए हर तरह से सहयोग देने की बात कही थी। आपको बता दें कि, पाकिस्तान को मिलने वाले 80 प्रतिशत से ज्यादा हथियार चीन से ही आते हैं। मिसाइल से लेकर परमाणु क्षमता तक, पाकिस्तान की हर कामयाबी के पीछे चीन का ही हाथ माना जाता है। जाहिर सी बात है कि ऐसे में ट्रंप पाकिस्तान के आर्मी चीफ को बढ़ावा देकर या यूं भी कह सकते हैं कि भड़का कर पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, आतंकवादी संगठनों और चीन के एक ऐसे गठजोड़ को मजबूती दे रहे हैं जो न केवल भारतीय उपमहाद्वीप बल्कि एशिया सहित पूरी दुनिया की शांति को भंग कर देगा। भारत ने परमाणु हथियारों के लिए 'नो फर्स्ट यूज़' की नीति घोषित कर रखी है वहीं अमेरिका की धरती पर जाकर पाकिस्तान के सेना प्रमुख खुलेआम भारत को परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे हैं। भारत के खिलाफ बयान देते-देते मुनीर अब भारत के उद्योगपतियों को भी धमकाने लगे हैं। इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि व्यापार को अपनी विदेश नीति का अभिन्न अंग बना चुके ट्रंप के इशारे पर ही मुनीर ने मुकेश अंबानी को लेकर भड़काऊ बयान दिया है। सारी हदों को पार करते हुए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने भारत के सबसे बड़े उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी का जिक्र करते कहा कि उन्होंने पहले भी 'सूरह फ़ील' के साथ अंबानी की तस्वीर ट्वीट करवाई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि पाकिस्तान अगली बार क्या करेगा। आपको बता दें कि 'सूरह फील' इस्लामी इतिहास में उस घटना को दर्शाता है, जिसमें अल्लाह ने दुश्मन के हाथियों की फौज पर पक्षियों से पत्थर बरसवाए थे। मुकेश अंबानी भारत के सबसे बड़े उद्योगपति और एशिया के सबसे अमीर कारोबारियों में से एक हैं। अमेरिका में पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय को संबोधित करने के दौरान मुकेश अंबानी का नाम और उनकी तस्वीर दिखाकर असीम मुनीर ने ट्रंप के इशारे पर यह बताने की कोशिश की है, कि पाकिस्तान का निशाना सिर्फ सैन्य ठिकाने या इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक प्रतीक और भारत के दिग्गज कारोबारी भी हो सकते हैं। अमेरिका की धरती से ऐसे भड़काऊ बयान देकर असीम मुनीर ये संदेश भी देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पूरा समर्थन हासिल है। यह अपने आप में किसी विडंबना से कम नहीं है कि एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी जताते हुए दुनिया भर में पांच युद्धों को रोकने एवं सुलझाने का दावा कर रहे हैं, रूस-यूक्रेन लड़ाई को रोकने के लिए 15 अगस्त को पुतिन के साथ बैठक करने जा रहे हैं और दूसरी तरफ पाकिस्तान को भड़का कर दुनिया को विश्व युद्ध की तरफ ढकेल रहे हैं।

दृष्टि कोण

विश्व हिन्दू परिषद के विभिन्न आन्दोलन

विश्व हिन्दू परिषद देश धर्म संस्वृति के लिए काम करने वाला संगठन है, इसके द्वारा समय-समय पर तमाम अभियान और आन्दोलनों को चलाया गया है। हम देखे की परिषद के द्वारा अस्पृश्यता निवारण के लिये बड़ा जन आन्दोलन हिन्दू समाज के भीतर चलाने का काम किया। विश्व हिन्दू परिषद ने अपनी स्थापना से ही हिन्दू-हिन्दू भाईं-भाईं और हिन्दवः सोदरा सव्रे, न हिन्दू पतितों भवेत। जिसका अर्थ है सब हिन्दू आपस में सहोदर है कोईं यहाँ पतित नही, कोईं निमन्न नहीं, कोईं उच्च नहीं हम सब एक पूर्वज की संतान है हम सब हिदू है। भारत के इतिहास में हिन्दू समाज पर प्रहार समय समय पर होता रहा है मुस्लिम शासन काल में अस्पृश्यता का वर्णन हमे सर्व प्रथम दिखता है, जब मलेक्छ और हिन्दू इस प्रकार दो पहचानो को हम देखते है। इसके बाद भारत में वाल्मीकि जाति और चमड़े के बहुतायत प्रयोग आदि का भी कम ही वर्णन है, मेगस्थनीज़, फ़ाहियान, हेनसांग कितने ही विदेशी यात्रियों ने भारत की समाज व्यवस्था पर लिखा परंतु किसी ने भी अस्पृश्यता का कोईं वर्णन नहीं किया। इसका अर्थ अस्पृश्यता का हिन्दू समाज से कोईं लेना-देना नहीं है। सर्वप्रथम कार्यं को जाति का रूप देने का वुवृत्य अंग्रेजी सरकार द्वारा किया गया वरन्‌-उससे पूर्व कार्यं व्यक्ति की योग्यता पर आधारित था ना की किसी जन्म पर। त्रग्वेद में चार वर्णो का उल्लेख हमे मिलता वही महाभारत में भगवान वृष्ण के मुख से निकले शब्द चातुर्वर्ष्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः। तस्य कर्तारमपि मां विद्धयकर्तारमव्ययम्‌? भगवान कहते है यह चार वर्ण मेरे द्वारा बनाये गए है, जिनका आशय गुणों, कर्मो से है ना की किसी जन्म से। इस तरह कर्म पर आधारित व्यवस्था को जन्म के आधार पर स्थापित करने का दुष्कर कार्यं परतंत्रता के काल खण्ड में हुआ। विश्व हिन्दू परिषद मानता है, कि अलग-अलग काल खण्डों में तथा वैदिक काल, स्मृति काल और बाद के कालो में अस्पृश्यता को लेकर भी जो-जो कहा गया है, वह उस काल परिस्थिति की रचना थी। परंतु आज हम जिस युग में रह रहे इसमें इन सब में संशोधन की आवश्यकता है, सामाजिक संबंध समानता और भ्रातृत्व पर आधारित होने चाहिए। परिषद यह भी मानता है कि युगानुरूप संहिताए बदली नहीं जा सकती ऐसा कहना व्यर्थ है। विश्व हिन्दू परिषद धर्माचायरे और धर्मगुरुओं से संपर्व कर उनके बीच में इन विषयों पर संज्ञान लेने का आग्रह करते है। अस्पृश्यता निवारण की दृष्टि से परिषद ने अनुसूचित समाज की बस्तियों में सेवा के कईं प्रकल्पों को प्रारंभ किया, इन बस्तियों में संतों की पदयात्राएँ निकाली, समरसता भोज सहज भाव से अपने बन्धुओं में भोजन, उनके गृह कार्यंव्रामों मे सम्मिलित होना। 1970 में पंढरपुर महाराष्ट्र के अधिवेशन में अस्पृश्यता पर विशेष चर्चा हुईं, श्रृंगेरी, और द्वारिका शंकराचार्यो के द्वारा अस्पृश्यता प्रतिबंध की बात कही गईं। कहीं इसे इस अधिवेशन में रखा गया। विश्व हिन्दू परिषद का ही प्रयास था, जब काशी में 80 के दशक में गौरक्ष पीठ के संत अवैधनाथ जी के नेतृत्व में तमाम संतों के साथ डोम राजा के यहाँ भोजन किया गया। इसी काल में मीनाक्षीपुरम मंदिर में दलितों के प्रवेश को निषेध किया गया था। इसके चलते कईं परिवारों ने ईंसाईं रिलीजन को स्वीकार करने की बात की तभी परिषद एवं अवैधनाथ जी के प्रयासो के परिणाम स्वरूप मीनाक्षीपुरम की यह घटना होते-होते रुक गया। दलित समाज को मंदिर में प्रवेश भी सुनिाति हुआ। विश्व हिन्दू परिषद कहती है कि हम किसी भी असमानता के भाव को नहीं मानते सभी हिन्दू सहोदर है और हमारा ध्येय इस हिन्दू समाज में एकत्व भाव को जागृत करना, इसलिए परिषद कहता है मम दीक्षा हिन्दू रक्षा, मम मंत्र समानता। इसी प्रकार से गौरक्षा आन्दोलन को लेकर हम सभी जानते है की गऊ माता हिन्दुओं के लिए सदैव से एक प्रमुख मानबिदु रहा है। धरमिक दृष्टि से ही नहीं सांस्वृतिक और आर्थिक दृष्टि से भी वह हिन्दुओं के लिए पूजनीय और वन्दनीय रही है। भारत में हिन्दू समाज सनातन काल से गाय माता को पूजनीय मान कर उनकी पूजा आराधना करता है। विश्व हिन्दू परिषद ने अपनी स्थापना के बाद प्रथम विश्व हिन्दू सम्मेलन में प्रस्ताव पारित करके गोरक्षा पर विशिष्ट ध्यानकर्षण किया गया था। गौरक्षा के साथ- साथ हमारे प्रेरणा पुंजो के लिए संघर्ष परिषद्‌ ने किया श्री राम जन्मभूमि मुत्ति हेतु एक जन अभियान परिषद ने लिया 23 मार्च, 1983 में उत्तर प्रदेश के शहर मुजफ्फरनगर में आयोजित हिन्दू सम्मेलन से, सम्मेलन में कांग्रेस के नेता तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री दाऊदयाल खन्ना जी ने रामजन्मभूमि, अयोध्या, वृष्ण जन्मभूमि, मथुरा तथा वाराणसी के काशी विश्वनाथ की मुत्ति का आह्वान किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव रहेगा पारिवारीक झगड़े बढ़ सकते हैं कहासुनी होगी और सहयोगियों के साथ विवाद संभव है. आपको विनम्रता एवं धैर्य के साथ मसलों को निपटाना होगा संपत्ति सम्बंधित मामलों में सावधानी से निपटने की आवश्यकता है और इस संबंध में आपको एक ठोस कदम उठाना चाहिए. स्त्री वर्ग की सेहत कुछ चिंता का कारण बन सकती है. यह समय किसी नए कारोबार मे निवेश के लिए श्रेष्ठ नही हैं, सेहत बढीया रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को संतुलित भोजन लेने की आवश्यकता हैं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपके काम समय से पूरे होंगे. साथ ही आपको अपनी मेहनत का फल भी अवश्य मिलेगा. आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा. कुछ लोगों को आप का व्यक्तित्व प्रभावित करेगा ऑफिस में सहकर्मी आपकी मदद के लिये तैयार खड़े रहेंगे. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा . हराचारा गौशाला मे दान करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आय के स्त्रोत बढेंगे धन लाभ हो सकता है. ऐसे काम करना होगा जो लंबे समय तक फायदा देगा कई तरह के रोचक विचार और योजनाएं आज बन सकती हैं. अविवाहित लोगों का विवाह भी तय हो सकता है. आप बुद्धि से अपने काम पूरे करवा सकते हैं. आज आप खुद को साबित करके दिखा देंगे. दोस्तों और परिवार से सहयोग मिलनेके योग हैं. कोई अच्छी खबर भी आज आपको मिल सकती है. आप खुश हो जाएंगे । बच्चों का सहयोग रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज क्रोध के आवेश मे आकर घरेलू मसले आप उलझाएंगे दिमाग़ को ठंडा रखें ऐसे व्यवहार से काम करने की क्षमता को भी ख़राब कर देंगे. धन की स्थिति कमजोर दिखाई देगी, इसे मजबूत बनाने का प्रयास करें. आज आप घर के कामों में व्यस्त रहेंगे. इस वजह से बाहर जाना मुश्किल होगा. धन खर्च की मात्रा बढ़ेगी. आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद साबित होगा. सुबह घर मे गोबर की धूप प्रज्वलित करें मानसिक शान्ति होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिश्रित रहेगा आप मे से कुछ के लिए अति शुभ परिणामदायक हो सकता है.किसी के लिए तकलीफ़े पैदा हो सकती हैं आप लंबित असाइनमेंट को पूरा करने में सक्षम होंगे. सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए कुछ विशेष उपलब्धि संभव है. कारोबारी के लिए समय शुभ है. नए संघों का गठन भी किया जा सकता है, जो लाभकारी होंगे. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय आपको अच्छा लाभ देगा. पारिवारिक संबंध और बातचीत अच्छी रहेगी और घर मे उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन का काम फटाफट पूरा होगा आप रिलैक्स फील करेंगें । छात्रों के लिए दिन उत्साह वर्धक रहेगा पहले की तुलना मे अच्छे और संतोष जनक परिणाम आएंगे . वकालत करनेवालो के लिए दिन तनाव मे गुजरेगा परिश्रम अधिक होगा. करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे. आप जिससे भी मदद की उम्मीद करेंगे, उससे आपको समय पर मदद मिल जायेगी. कौवे को रोटी का तुकडा डालें , चीटियों को आटा डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज रुके हुए पूरे काम हो जाएंगे अधिक परिश्रम की आवश्यकता नहीं हैं शाम का वक्त फ्री होगा भविष्य की योजना बनाए फायदा हो सकता है. आज आप अच्छा महसूस करेंगे. सामूहिक और सामाजिक काम के लिए दिन अच्छा है. परिवार के ज्यादातर काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ समय बिताएंगे. धन लाभ हो सकता है. उधार दिया गया पैसा आपको मिल सकता हैं भैरव मंदिर मे कालाउडद चढाए तेलका दीपक प्रज्वलित करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिवार की जरुरते पूरी करेंगे बच्चों के लिए भविष्य निधि सुरक्षित करें । अपने दफ्तर में बिल्कुल संतुलित व्यवहार करें. आपकी इनकम बढ़ने के भी चांस ज्यादा है. प्रेम में इमोशन प्रभावी रहेगा. मानसिकता को बदलने की बेहत जरूरत है. उन्नति में बाधा आएगी. आपका मन काम में लगेगा. ससुराल जाने का प्रोग्राम बनेगा आप को सम्मान और प्यार दोनो मिलेगा छात्रो को जरुर निराशा मिलेगी मन कुछ उदास रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज खर्चा अधिक होगा परन्तु कुछ आप को लिमिट तय करनी पडेगी क्योंकि आमदनी सीमित रहेगी. मानसिक तनावों को हावी ना होने दें. विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की अपनी क्षमता का प्रयोग करें. अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. जल्दबाजी में कोई काम ना करें. नये लोगों के साथ अनजान जगह जाने से बचें घात सम्भव हैं अथवा अनावश्यक किसी परेशानी में पड़ जाएं. विरोधियों पर भरोसा नही करना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन कमजोर ही रहेगा. आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए. किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा. बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कुछ कम रूचि ले सकते हैं. बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए. ऑफिस में सीनियर आपके काम से खुश होकर आपको कुछ गिफ्ट कर सकते हैं. खुद को फिट रखने के लिए आपको योग करना चाहिए.अपनी किमती वस्तु को बहुत सम्हाल कर रखें ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को मजबूती से और धैर्य से काम लेंना होगा .पुश्तैनी जमीन प्रॉपर्टी के कामों से भी धन लाभ होने के योग बन रहे हैं. कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो आपके सामने कुछ और काम आ सकते हैं. रोजमर्रा के कामकाज ज्यादा ही रहेंगे. थोड़े समय में सब ठीक हो जाएगा. धैर्यरखें। आगे बढ़ने के लिए आपको कुछ नया सीखना होगा. सेहत स्वास्थ्य तंदुरुस्त रहेगा चिंता मुक्त रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बहुत इमोशनल होनी की जरुरत नही हैं दिमाग से सोच समझकर ही किसी भी निर्णय को अन्तिम रुप देना होगा करियर में आगे बढने के बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे. शिक्षा, बिजनेस, नौकरी या महत्वपूर्ण कागजात को बडी ही सूझबूझ से इस्तेमाल मे लेना होगा यात्रा के योग भी बन रहे हैं आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा. आप अपने रोजमर्रा के काम में ही बिजी रहेंगे. कबूतर को दाना डालें और मंदिर मे श्री फल अर्पण करें ।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 अगस्त 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 02:09 तक
नक्षत्र : रेवती प्रातः 09:06 तक
योग : शूल दोपहर 01:12 तक
करण : गर सायं 03:17 तक
चन्द्रराशि : मीन प्रातः 09:06 तक
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , पंचक 09:06 तक, चातुर्मास व्रती को भाद्रपद में दही खाना वर्जित है , हल-चन्द्र षष्ठी चांद छठ चन्द्रोदय रात्रि 10:18 , भद्रा रात्रि 02:08 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

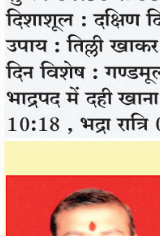

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जल संसाधन विभाग की परियोजनाओं को तय समय में पूरा करें: भजनलाल

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को पानी के क्षेत्र में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा अपने कार्यकाल की शुरूआत से ही विभिन्न महत्वपूर्ण जल एवं सिंचाई परियोजनाओं की पहल की गई है जिससे प्रदेशवासियों को जल की उपलब्धता बढ़ सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस सबंध में गत दो वर्षों में बजट में की गई विभिन्न घोषणाओं को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए काम में तेजी लाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रगति रिपोर्ट भेजी जाए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जल संसाधन विभाग, इंदिरा गांधी नहर विभाग एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में पानी एक मूलभूत आवश्यकता है। जल की निर्बाध आपूर्ति से आमजन का जीवन सुगम होगा। ऐसे में, हमारी सरकार द्वारा जल स्रोतों का विकास कर उनकी संग्रहण क्षमता बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंचाई एवं पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नदियों के पानी को व्यर्थ नहीं बहने दिया जाए। पानी का पूरा उपयोग होगा तो किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ दिया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राम जलसेतु लिंक परियोजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। जिससे राज्य की एक बड़ी आबादी को निर्बाध जल की आपूर्ति होगी। ऐसे में, इस परियोजना को प्राथमिकता से लेते हुए अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग कर चरणबद्ध एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण परियोजना की क्रियान्विति में अधिकारी अनावश्यक देरी ना करें। धरातल पर काम दिखना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को इस परियोजना की प्रगति रिपोर्ट हर 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय में भेजने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राणा प्रताप सागर बांध-ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर बांध में जल अपवर्तन लिंक की डीपीआर तैयार करने के लिए कार्यादेश जारी किया जा चुका है। साथ ही, बीसलपुर बांध से बाणगंगा और रूपारेल नदी को जोड़े जाने संबंधी डीपीआर तैयार करने के लिए भी कार्यादेश जारी किया जा चुका है। बैठक में परियोजना के तहत मेज बैराज-बूंदी, डूंगरी बांध व राठौड़ बैराज तथा ईसरदा बांध से रामगढ़ बांध, जवाईपुरा एवं बीसलपुर बांध से मोर सागर-अजमेर के कार्यों सहित विभिन्न कार्यों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित के किसी भी कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा गैर-जिम्मेदार कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी फील्ड में जनता के बीच जाकर सक्रिय होकर काम करें। सरकार द्वारा आवश्यक संसाधनों में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। साथ ही, परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए केन्द्र से भी लगातार समन्वय बनाए रखें। शर्मा ने इंदिरा गांधी नहर विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी मुख्य नहर की बुर्जी पर बने हुए चार प्राकृतिक डिप्रेशन को जलाशयों में परिवर्तित के कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही, जलाशयों के लिए भूमि अवाप्ति के कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाए। मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी नहर परियोजना की लिफ्ट नहरों की समीक्षा करते हुए कहा कि फव्वारा सिंचाई पद्धति को विशेष रूप से विकसित किया जाए।

राजस्थान के दौसा में रफ्तार का कहर

खाटूश्याम से लौटते श्रद्धालुओं की पिकअप को कंटेनर ने मारी टक्कर, 11 की मौत

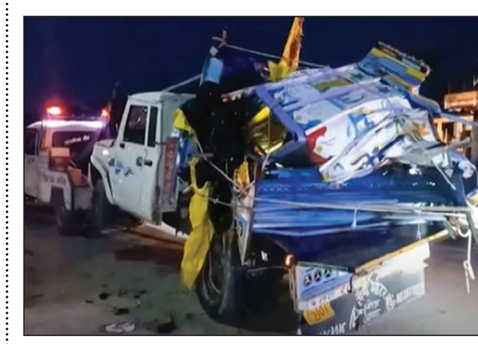

दौसा, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में बुधवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11 लोगों की जान चली गई। सभी मृतक उत्तर प्रदेश के एटा जिले के रहने वाले थे और खाटूश्यामजी के दर्शन करके घर लौट रहे थे। हादसे में 7 मासूम बच्चे और 4 महिलाएं अपनी जान गंवा बैठे। पुलिस के अनुसार यह हादसा सुबह करीब 3:30 बजे सैंथल थाना क्षेत्र के बापी गांव के पास हुआ। श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को पीछे से तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप में सवार अधिकांश लोग सड़क पर गिर गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर दिल दहला देने वाला नजारा था। सड़क पर जगह-जगह खून फैला हुआ था, चारों तरफ जूते-चप्पल और श्रद्धालुओं के सामान बिखरे पड़े थे। पिकअप में 22 से ज्यादा लोग सवार थे, जिनमें से 10 ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि एक घायल ने जयपुर के सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में इलाज के दौरान जान गंवा दी।मृतकों में पूर्वी (3), प्रियंका (25), दक्ष (12), शीला (35), सीमा (25), अंशु (26) और सौरभ (35) शामिल हैं। चार अन्य मृतकों की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है।

दौसा के जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया। एसएमएस में भर्ती घायलों में लक्ष्य (5), नैतिक (6), रीता (30), नीलेश कुमारी (22), प्रियंका (19), सौरभ (28), मनोज (28) और एक अन्य व्यक्ति शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

सीएम ने द पर लिखा दौसा में भीषण सड़क हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत दु:खद है।जिला प्रशासन को घायलों का त्वरित एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। दौसा में हुए सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत पर राजस्थान के मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा, ... जिस जगह यह हादसा हुआ, वहाँ कई दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि वह कुछ राशि दे ताकि इस जगह का पुनर्निर्माण किया जा सके

पुलिस ने कंटेनर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में बताया गया है कि हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुआ।

हर घर तिरंगा अभियान : जोधपुर ग्रामीण दक्षिण में 38,000 तिरंगों का वितरण

जोधपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के तहत भाजपा जोधपुर ग्रामीण दक्षिण जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान का भव्य आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी के नेतृत्व में जिले की चार विधानसभाओं-लूणी, बिलाड़ा, भोपालगढ़, और औसियां-में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने हिस्सा लिया।

हाल ही में केंद्र सरकार के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से लोगों में देशभक्ति का उत्साह और बढ़ गया है, जिसका असर इन तिरंगा यात्राओं में साफ देखने को मिला। हर उम्र के लोग तिरंगा लेकर उत्साह के साथ शामिल हुए।

इस अभियान को बूथ स्तर तक पहुँचाने के लिए भाजपा जोधपुर ग्रामीण दक्षिण संगठन ने 20 मंडलों में व्यापक तैयारी की। जिलाध्यक्ष भाटी के मार्गदर्शन में मंडल अध्यक्षों की टीम ने घर-घर जाकर कुल 38,000 तिरंगा झंडों का वितरण किया। इसके साथ ही, तिरंगों को सम्मानपूर्वक उतारने और सुरक्षित रखने के लिए भी दिशानिर्देश जारी किए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 14 और 15 अगस्त को जोधपुर में रहेंगे। 14 अगस्त को दोपहर 3 बजे गांधी मैदान से तिरंगा यात्रा और विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस रैली का शुभारंभ होगा, जो जालोरी गेट तक जाएगी। इस आयोजन में जोधपुर ग्रामीण दक्षिण जिले से हजारों कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

आचार्य वर्धमान सागर जी ने दी धर्म देशना, विनय और तप पर किया विशेष उपदेश

टोंक, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजकीय अतिथि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी टोंक के श्री आदिनाथ जिनालय, नसिया जी में संघ सहित विराजित हैं। 16 कारण पर्व के अवसर पर उन्होंने अपने उपदेश में भावना, विनय और तप के महत्व पर प्रकाश डाला। आचार्य श्री ने बताया कि 16 कारण भावनाओं से तीर्थंकर नाम कर्म प्रकृति का बंधन होता है। उन्होंने कहा कि भावना संसार के जन्म-मरण का कारण और निवारण दोनों हो सकती है, इसलिए आत्मा के शुद्ध परिणामों के अनुसार ही भावना रखनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देव, शास्त्र और गुरु की विनय दर्शन, ज्ञान, चारित्र और तप के साथ करनी चाहिए। आचार्य श्री ने विनय को मोक्ष का द्वार बताते हुए कहा कि विनय से ही जीवन का निर्माण होता है और एक दिन मोक्ष की प्राप्ति संभव है।

आचार्य श्री ने 6 अंतरंग और 6 बाह्य तपों का भी विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने समझाया कि जिस प्रकार अग्नि में तपकर सोने की अशुद्धियां दूर होती हैं, उसी तरह तप से कर्मों की मलिनता दूर होती है। स्वाध्याय तप पर जोर देते हुए उन्होंने 1974 का एक प्रसंग सुनाया, जिसमें दीक्षा गुरु शिष्यों के स्वाध्याय में बाधा न पड़े, इसलिए दूसरे रास्ते से जाते थे। उन्होंने समाज के सभी लोगों से आग्रह किया कि वे गुरु या अन्य किसी की साधना में विघ्न न डालें।

इससे पहले, 88 वर्षीय क्षपक मुनि श्री चिन्मयसागर जी ने श्रावक और साधु को धर्म के दो हिस्से बताया। उन्होंने श्रावक के छह आवश्यक कर्तव्यों-देव दर्शन, अभिषेक, पूजन और स्वाध्याय-की विवेचना की। उन्होंने यह भी बताया कि चार दानों में आहारदान का विशेष महत्व है और उत्तम श्रावक साधु को आहार देने के बाद ही भोजन करता है। मुनि श्री चिन्मयसागर जी ने छह माह से अधिक समय से अनेक खाद्य सामग्री का त्याग कर एक दिन छोड़कर केवल दूध और जल पर साधना कर रहे हैं, जिसकी समाज ने सराहना की। सीकर से आए श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलन और चरण प्रक्षालन कर आचार्य श्री का स्वागत किया।

फर्जी वोटरों पर श्वेत पत्र लाए चुनाव आयोग, पूरा डाटा होने के बाद भी गड़बड़ियां क्यों : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने चुनाव आयोग से फर्जी वोटरों के मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। दुष्यंत चौटाला ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में हाल ही में शुरू की गई वोटर लिस्ट की सफाई की प्रक्रिया पहले क्यों नहीं की गई? पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव को टारगेट करके वोटर लिस्ट से फर्जी वोट हटाने की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन यह काम लोकसभा चुनाव से पहले क्यों नहीं हुआ? उन्होंने कहा कि फर्जी वोटरों की समस्या सिर्फ एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में इसका असर दिखेगा। बुधवार को दुष्यंत चौटाला सिरसा और हिसार जिले के दौरे के दौरान पत्रकारों से रूबरू थे।

दुष्यंत चौटाला ने आगे कहा कि एक ही वोटर आईडी नंबर पर दो या तीन जगह वोटर कार्ड पाए जाने की घटनाएं गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के पास पूरा डेटाबेस होने के बावजूद ऐसी गड़बड़ियां क्यों हो रही हैं? यह एक बड़ा सवाल है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जेजेपी मांग करती है कि चुनाव आयोग इस मुद्दे पर जनता के सामने श्वेत पत्र जारी करे और फर्जी वोटरों के मामले की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच करे।

केंद्र सरकार ने माना कैंसर फैला रही है घग्घर नदी : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने लोकसभा में हरियाणा में कैंसर का गंभीर मुद्दा उठाया तो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने भी अपने जवाब में माना कि हरियाणा में घग्घर नदी के प्रदूषित जल कैंसर फैला रही है। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार ने हरियाणा के कैंसर के जो आंकड़े दिए है वे विश्वसनीय नही लगते क्योंकि घग्घर नदी के साथ लगते कई गांव ऐसे है जहां हर घर में कैंसर रोगी है। साथ ही जो एसटीपी दिखाई गए है क्या वे चालू है या नहीं ये नहीं बताया गया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा की ओर से कहा गया है कि हरियाणा में कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या और उपचार सुविधाओं की स्थिति को लेकर लोकसभा में कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से कई अहम सवाल पूछे।

कुमारी सैलजा ने अपने प्रश्न में हरियाणा में कैंसर मरीजों की संख्या, विशेष कैंसर वार्डों की उपलब्धता, घग्गर नदी के प्रदूषित जल से कैंसर फैलने की संभावना, नदी की सफाई की योजना और बीपीएल परिवारों के लिए विशेष सहायता के बारे में जानकारी मांगी।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत

हरियाणा को नशा मुक्त करना सरकार का कृतसंकल्प : सैनी

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है, जिसमें युवाओं, महिलाओं, बच्चों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, संत-महात्माओं और सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब युवा शक्ति नशे की गिरफ्त से मुक्त होगी, तब भारत को निश्चित तौर पर विकसित राष्ट्र बनने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

मुख्यमंत्री आज पंचकूला में नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर पांच वर्ष पहले 15 अगस्त, 2020 को भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 'नशा मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत की गई थी। इस अभियान का उद्देश्य देश को एक स्वस्थ, समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करना तथा लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक और एकजुट करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हरियाणा को भी नशा मुक्त करने का संकल्प लिया है, जिसके तहत पिछले दिनों साइक्लोथॉन का भी आयोजन किया गया, जिसमें लाखों की संख्या में युवाओं ने भाग लिया और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। नशा मुक्त भारत अभियान ने नशे के खिलाफ एक व्यापक जन-आंदोलन खड़ा किया है। इस आंदोलन से युवा, महिलाएं, बच्चे, शिक्षण संस्थाएं और स्वयंसेवी संस्थाएं जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में संत-महात्मा और खाप पंचायतें भी अपना सहयोग व समर्थन दे रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने दुनिया को अपनी सामरिक शक्ति का परिचय दिया है। खेलों के क्षेत्र में हमारे युवा बड़ी कामयाबी हासिल कर रहे हैं। हमारा देश कई मामलों में आत्मनिर्भर हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने का लक्ष्य रखा है। विकास की इस रफ्तार में राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हरियाणा भी विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति को बनाए रखने और इसे बढ़ाने के लिए हमें युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें रचनात्मक कार्य में लगाना होगा। इस अभियान को शुरू करने का मूल उद्देश्य भी यही है। इस अभियान ने पिछले पांच वर्षों में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने व समाज को नशे की बुरी आदतों से मुक्त करने की प्रेरणादायक यात्रा तय की है।

मुख्यमंत्री योगी ने प्रारंभ की तिरंगा-यात्रा

भारत माता और महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता का भाव है तिरंगा यात्रा

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश आजादी के 78 वर्ष पूरे कर रहा है।

आजादी के इस अमृत काल में हर भारतीय के मन में संविधान, राष्ट्रीय प्रतीकों, राष्ट्रीयता, क्रांतिकारियों-महापुरुषों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव और प्रगाढ़ हो। यह हर जन, हर घर तक पहुंचे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा के माध्यम से इसे हम सभी देख रहे हैं। तिरंगा यात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति हमारी कृतज्ञता भी है। हर गांव, नगर, जनपद में तिरंगा यात्रा इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यूपी में भी हर घर तिरंगा, सेल्फी विद तिरंगा से जुड़ रहे हैं। देश और सैनिकों के सम्मान तथा आन-बान-शान का प्रतीक

तिरंगा हर भारतीय के घर में लहराया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान (13-15 अगस्त) का शुभारंभ किया। राष्ट्रभक्ति के गीतों की धुनों के बीच मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया, फिर अपने आवास से यात्रा को रवाना किया।

सीएम ने युवाओं का अभिनंदन करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के शौर्य, पराक्रम, सामर्थ्य और शक्ति को दुनिया ने देखा है। इसे लेकर जब दुनिया अचंभित है तो हर भारतीयों का दायित्व बनता है कि भारत का सम्मान ऊंचा बनाए रखें। सीएम ने अपील की कि 140 करोड़ भारतवासी स्वयं के स्वार्थों की तिलांजलि देकर राष्ट्रमाता के चरणों में समर्पित होकर तिरंगा को हर घर पर लगाकर देश की आजादी के इस समारोह में भागीदार बनें। सीएम ने कहा कि सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करने का कुत्सित प्रयास करने वालों तथा समाज, क्षेत्र, भाषा, जाति समेत अनेक वादों के नाम पर बांटने वाले तत्वों को बेनकाब करें।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया 2047 तक का विराट लक्ष्य विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत सभी के सामने है। सीएम ने कहा कि उनके संकल्पों के साथ जुड़कर विकसित उत्तर प्रदेश-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के उनके मार्गदर्शन को अपने जीवन का हिस्सा व मंत्र बनाएंगे। समारोह में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, विधायक नीरज बोरा, जया देवी, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, उमेश द्विवेदी, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, भाजपा नेता नीरज सिंह आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों और जनप्रतिनिधियों के साथ हाथ में तिरंगा लेकर भारत मां की जयकार, वंदे मातरम की गूंज के साथ यात्रा का नेतृत्व किया। सीएम ने अपने आवास से तिरंगा यात्रा को रवाना भी किया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट गाइड्स, युवाओं आदि के साथ सेल्फी भी ली। तिरंगा यात्रा को देख लग रहा था कि लखनऊ की सड़कों पर समूचा भारत उमड़ पड़ा है।

सपा सांसद बर्क के अवैध निर्माण पर कोर्ट सख्त

30 दिन का अल्टीमेटम, फिर चलेगा बुल्डोजर

संभल, 13 अगस्त (एजेंसियां)। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उनके मकान पर अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। प्रशासन ने बिना नक्शा पास कराए बने मकान के हिस्से को हटाने का आदेश दिया है और 30 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलेगा।

जियाउर्रहमान बर्क पर आरोप है कि उन्होंने अपने मकान का कुछ हिस्सा बिना नक्शा पास कराए बनाया। एसडीएम कोर्ट ने जांच के बाद पाया कि मकान का 1 मीटर गहरा और 14 मीटर लंबा हिस्सा अवैध है।

कोर्ट ने इसे हटाने का आदेश दिया और बर्क को 30 दिन का समय दिया। साथ ही, धारा 9 के तहत 1.35 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। अगर बर्क इस हिस्से को नहीं हटाते, तो प्रशासन बुलडोजर चलाकर इसे ध्वस्त करेगा। एसडीएम विकास चंद्र ने साफ कहा कि आदेश का पालन न होने पर सख्त कार्रवाई होगी।

यह पहली बार नहीं है जब जियाउर्रहमान बर्क विवादों में हैं। पिछले साल संभल में हिंसा के बाद उनका नाम चर्चा में आया था। तब उन पर हिंसा भड़काने के आरोप लगे थे, जिसके बाद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। इसके अलावा, अवैध निर्माण का यह मामला पहले से ही एसडीएम कोर्ट में चल रहा था। प्रशासन ने पहले भी उनके मकान को लेकर नोटिस जारी किया था और जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। कमिटी की रिपोर्ट के आधार पर ही कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। संभल प्रशासन इस मामले में कोई ढील नहीं दे रहा। कोर्ट ने साफ निर्देश दिए हैं कि तय समय में अवैध निर्माण नहीं हटा तो बुलडोजर कार्रवाई होगी। यह मामला अब स्थानीय लोगों के बीच भी चर्चा का विषय बन गया है।

अपराधियों और भूमाफिया से साठगांठ में नौकरशाह शामिल

एसआईटी ने तैयार की सात पुलिसकर्मियों की फाइल

कानपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कानपुर में कमिश्नरी पुलिस के सात पुलिसकर्मियों की फाइल एसआईटी ने तैयार कर ली है। इनके अपराधियों और भूमाफिया से साठगांठ होने के सबूत मिले हैं। इनमें इंस्पेक्टर, दरोगा, प्रोन्नत होकर आईपीएस बने दो अफसर और पीपीएस अधिकारी भी शामिल हैं। यह लिस्ट बुधवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय भेजी गई।

अधिवक्ता अखिलेश दुबे, दीनू उपाध्याय और अन्य के साथ मिलकर प्रॉपर्टी संबंधी कार्य करने की शिकायतें आई थीं। अभी कई पुलिसकर्मी ऐसे हैं जिनपर भूमाफिया से संपर्क रखने के आरोप हैं। शहर की पुलिस की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। पहले अपराधियों के साथ साठगांठ के आरोप लगते थे। अब भूमाफियाओं के साथ इनके संबंध की बात सामने आई है। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के पास लोगों की कई शिकायतें आई थीं। इन शिकायतों को जांच के लिए उन्होंने एसआईटी के पास भेजा।

एसआईटी की जांच में सात पुलिसकर्मी ऐसे मिले हैं, जो स्वयं चकेरी, कल्याणपुर, सचेंडी, नौबस्ता, महाराजपुर, बिठूर, उन्नाव, कानपुर देहात में जमीन संबंधी कार्य कर रहे हैं। उनकी फाइल तैयार हो गई है।

पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने बताया कि ऐसे पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसआईटी से रिपोर्ट मांगी गई है। बुधवार या बृहस्पतिवार से कार्रवाई का सिलसिला शुरू होगा। यह पुलिसकर्मी नियमित रूप से भूमाफिया और अपराधियों के संपर्क में रहे हैं। राजपत्रित अधिकारियों की रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि सबसे पहले कमिश्नरी के पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

यूपीपीएससी ने तीन पूर्व अधिकारियों के खिलाफ दी सीबीआई जांच की मंजूरी

प्रयागराज, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अपर निजी सचिव (एपीएस) भर्ती परीक्षा-2010 में हुई धांधली के मामले में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने अपने तीन पूर्व अफसरों के खिलाफ सीबीआई को जांच शुरू करने की अनुमति प्रदान कर दी है। यह जानकारी आयोग की ओर से दाखिल जवाबी हलफनामे में सामने आई है।

आयोग की भर्ती परीक्षाओं की जांच कर रही सीबीआई ने एपीएस भर्ती-2010 में हुई धांधली के मामले में चार अगस्त 2021 को एफआईआर दर्ज की थी और तत्कालीन सिस्टम एनालिस्ट गिरीश गोयल, तत्कालीन अनुभाग अधिकारी विनोद कुमार सिंह और तत्कालीन समीक्षा अधिकारी लाल बहादुर पटेल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा-17 ए के तहत के लिए जांच की अनुमति मांगी थी।

आखिरकार सीबीआई निदेशक के चेतावनी भरे पत्र के बाद आयोग ने चार साल बाद तत्कालीन अफसरों की जांच करने की अनुमति दे दी है। प्रदेश सरकार ने चार सितंबर 2018 को आयोग की एपीएस भर्ती परीक्षा-2010 में बरती गई अनियमितताओं की सीबीआई से जांच कराने की संस्तुति की थी। सीबीआई की प्रारंभिक जांच में आयोग के कुछ तत्कालीन अफसरों के खिलाफ भर्ती में अनियमितता बरतने के पुख्ता प्रमाण मिले थे। नियुक्ति विभाग ने तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दे दी थी लेकिन अपने अफसरों के विरुद्ध जांच की अनुमति नहीं दी थी।

ऐसे में सीबीआई ने चार अगस्त 2021 को मामले में एफआईआर दर्ज करा दी थी। उसमें तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक का नाम तो था लेकिन आयोग के अफसरों के नामों का खुलासा नहीं किया गया था। जांच को आगे बढ़ाने के लिए सीबीआई लगातार आयोग से अनुमति मांग रही थी और शासन से भी हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया जा रहा था लेकिन आयोग अनुमति नहीं दे रहा था। इस पर सीबीआई निदेशक ने 26 मई 2025 को मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश को पत्र लिखकर जांच की अनुमति दिलाने की मांग की थी और 30 दिन में अनुमति न मिलने की स्थिति में जांच को बंद करने की चेतावनी दी थी। सीबीआई निदेशक का पत्र मिलने के बाद शासन ने सक्रियता दिखाते हुए आयोग से जवाब-तलब किया। जिसके बाद आयोग ने दिनांक 25 जून 2025 को सीबीआई को पत्र भेजकर अनुमति दी।

एपीएस भर्ती के तहत दूसरे चरण में शॉर्ट हैंड व टाइप टेस्ट होता है। परीक्षा में पांच फीसदी तक की गलती अनुमन्य थी। साथ ही पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थी न मिलने की स्थिति में आयोग अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए अतिरिक्त तीन फीसदी गलती (कुल आठ फीसदी) को अनुमन्य करते हुए अन्य अभ्यर्थियों को भी मौका दे सकता था।

मथुरा से आए स्कूली छात्रों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

मंत्री संदीप सिंह ने छात्रों से की बात और दिए सवालों के जवाब

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मथुरा जिले के परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर, वृन्दावन से विधानसभा पहुंचे छात्र बुधवार को उस समय गदगद हो उठे, जब बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने उनके सवालों का धैर्यपूर्वक और बेबाकी से जवाब दिया। विधानसभा की कार्यवाही और संसदीय बारीकियों से परिचित होने आए बच्चों की आंखों में भविष्य को लेकर गहरी जिज्ञासा थी, जबकि मंत्री संदीप सिंह के शब्दों में समाधान की स्पष्टता झलक रही थी। उनके सौम्य व्यवहार से छात्रों के चेहरों पर आश्वस्ति का भाव साफ नजर आ रहा था।

पूरी बातचीत में मंत्री संदीप सिंह बच्चों की हर जिज्ञासा को शांत करते रहे और उन्हें यह भरोसा भी दिलाते रहे कि उनकी सोच, सवाल और सपनों को सरकार गंभीरता से सुन रही है और उस पर काम कर रही है। सबसे पहले, परिषदीय विद्यालयों के पाठ्यक्रम को लेकर उठे सवाल पर मंत्री संदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि पाठ्यक्रम तैयार करने का कार्य भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय का है, जहां विशेषज्ञ इस पर काम करते हैं। पहले हम एससीईआरटी के माध्यम से पाठ्यक्रम बनाते थे, लेकिन अब एनसीईआरटी को फॉलो किया जा रहा है। परिषदीय विद्यालयों के बच्चे भी अब एनसीईआरटी के मानक पाठ्यक्रम से पढ़ रहे हैं।

जर्जर स्कूल भवन और मर्जर पर सवाल आया तो मंत्री ने छात्रों को बताया कि किसी भी स्कूल को बंद नहीं किया गया है। जर्जर भवनों को तोड़कर नए स्कूल बनाने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही सभी जर्जर विद्यालय नया रूप ले लेंगे। एक छात्र ने मुगलों का इतिहास पढ़ने के साथ ही जिले के इतिहास और स्थानीय महान व्यक्तित्वों की जानकारी पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग रखी। इस पर उन्होंने कहा कि हम जिलावार इतिहास और व्यक्तित्व पर आधारित एक किताब तैयार कर रहे हैं, जिसे जल्द ही कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को पढ़ाया जाएगा। भविष्य में इसे पाठ्यक्रम में भी जोड़े जाने की योजना है।

आरक्षण के सवाल पर उन्होंने साफ किया कि आरक्षण राष्ट्रीय स्तर की नीति है, जिसे कोई भी राज्य बदल नहीं सकता। हम इसके मानकों का पूरी तरह पालन कर रहे हैं।

नई शिक्षा नीति से जुड़े सवाल पर मंत्री ने बताया कि कक्षा एक में प्रवेश के लिए बच्चे की न्यूनतम आयु छह वर्ष तय की गई है। इससे पहले उसे प्री-प्राइमरी में पढ़ाया जायेगा, ताकि वह पहली कक्षा में जाने के लिए तैयार हो सके। विभिन्न बोर्डों के आसान व यूपी बोर्ड के कठिन प्रश्न-पत्रों पर उठे सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पेपर बनाने का कार्य समिति करती है, इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता।

श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास गठन का अध्यादेश विधानसभा से मंजूर

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा ने बुधवार को बांके बिहारी मंदिर निर्माण अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। अब मंदिर का न्यास चढ़ावा, सम्पत्ति और प्रशासन से जुड़ी सभी जिम्मेदारियां संभालेगा। सदन में बुधवार सुबह 11 बजे विकसित भारत, विकसित यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर लगातार 24 घंटे की चर्चा शुरू हुई। इसमें सरकार विभागवार उपलब्धियां और विजन रख रही है, जबकि विपक्ष के सवालों का दौर भी जारी है। इस दौरान सत्र में बांके बिहारी कॉरिडोर आर्डिनेंस विधेयक भी पास हो गया है।

अध्यादेश स्पष्ट करता है कि मंदिर के चढ़ावे, दान और सभी चल-अचल सम्पत्तियों पर न्यास का अधिकार होगा। इसमें मंदिर में स्थापित मूर्तियां, मंदिर परिसर और प्रसीमा के भीतर देवताओं के लिए दी गई भेंट/उपहार, किसी भी पूजा-सेवा-कर्मकांड-समारोह-धार्मिक अनुष्ठान के समर्थन में दी गई सम्पत्ति, नकद या वस्तु रूपी अर्पण, तथा मंदिर परिसर के उपयोग के लिए डाक/तार से भेजे गए बैंक ड्राफ्ट और चेक तक शामिल हैं। मंदिर की सम्पत्तियों में आभूषण, अनुदान, योगदान, हुंडी संग्रह सहित श्री बांके बिहारी जी मंदिर की सभी चल एवं अचल सम्पत्तियां सम्मिलित मानी जाएंगी।

सरकार ने कहा है कि न्यास का गठन स्वामी हरिदास की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। स्वामी हरिदास के समय से चली आ रही रीति-रिवाज, त्योहार, समारोह और अनुष्ठान बिना किसी हस्तक्षेप या परिवर्तन के जारी रहेंगे। न्यास दर्शन का समय तय करेगा, पुजारियों की नियुक्ति करेगा और वेतन, भत्ते/प्रतिकर निर्धारित करेगा। साथ ही भक्तों और आगंतुकों की सुरक्षा तथा मंदिर के प्रभावी प्रशासन और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी न्यास पर होगी।

न्यास गठन के बाद श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रसाद वितरण, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए अलग दर्शन मार्ग, पेयजल, विश्राम हेतु बेंच, पहुंच एवं कतार प्रबंधन कियोस्क, गौशालाएं, अन्नक्षेत्र, रसोईघर, होटल, सराय, प्रदर्शनी कक्ष, भोजनालय और प्रतीक्षालय जैसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। न्यास में 11 मनोनीत और 7 पदेन सदस्य होंगे। मनोनीत सदस्य वैष्णव परंपराओं/संप्रदायों/पीठों से 3 प्रतिष्ठित सदस्य (जिनमें साधु-संत, मुनि, गुरु, विद्वान, मठाधीश, महंत, आचार्य, स्वामी सम्मिलित) हो सकते हैं। सनातन धर्म की परंपराओं/संप्रदायों/पीठों से 3 सदस्य (उसी श्रेणी के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व) हो सकते हैं। सनातन धर्म की किसी भी शाखा/संप्रदाय से 3 सदस्य (प्रतिष्ठित व्यक्ति/शिक्षाविद/विद्वान/उद्यमी/वृत्तिक/समाजसेवी) हो सकते हैं। गोस्वामी परंपरा से 2 सदस्य- स्वामी हरिदास जी के वंशज; एक राज-भोग सेवादारों और दूसरा शयन-भोग सेवादारों का प्रतिनिधि.सभी मनोनीत सदस्य सनातनी हिंदू होंगे। उनका कार्यकाल 3 वर्ष का होगा।

पदेन सदस्य में मथुरा के जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद के सीईओ, बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ और राज्य सरकार का नामित प्रतिनिधि शामिल होंगे। यदि कोई पदेन सदस्य सनातन धर्म को नहीं मानने वाला/गैर-हिंदू हुआ, तो उसकी जगह उससे कनिष्ठ अधिकारी को नामित किया जाएगा।

वेस्टइंडीज ने पाक को 203 रनों से दी करारी शिकस्त, खत्म किया 34 साल का इंतजार

तरौबा,13 अगस्त (एजेंसियां) ।

वेस्टइंडीज ने मंगलवार को पाकिस्तान को करारी शिकस्त देते हुए 34 साल बाद वनडे सीरीज अपने नाम कर ली। तीसरे और आखिरी वनडे में कैरेबियाई टीम ने 295 रन का लक्ष्य देकर मेहमानों को मात्र 92 रन पर समेट दिया और 203 रनों से जीत दर्ज की, जो पाकिस्तान के खिलाफ उनका अब तक का सबसे बड़ा वनडे अंतर है। इस जीत के नायक रहे तेज़ गेंदबाज़ जेडन सील्स, जिन्होंने 8.2 ओवर में 6 विकेट झटके। यह पुरुष वनडे क्रिकेट में किसी वेस्टइंडीज गेंदबाज़ के संयुक्त रूप से दूसरे सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हैं। वहीं, कप्तान शाई होप ने नाबाद शतक (100*) जमाते हुए टीम को मुश्किल हालात से बाहर निकाला। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए वेस्टइंडीज ने शुरुआती 43 ओवर तक धीमी बल्लेबाज़ी की और 200 रन के पार नहीं पहुंच पाए थे। लेकिन 44वें ओवर में होप ने मोहम्मद नवाज़ को लगातार दो छक्के लगाकर रफ्तार पकड़ी। इसके बाद होप और जस्टिन ग्रीव्स ने अंतिम 7 ओवरों में 100 रन जोड़ते हुए स्कोर 294/5 तक पहुंचा दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। सील्स ने पहले ओवर में सैम अयूब को आउट किया और फिर अब्दुल्ला शफीक को भी बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। तीसरा झटका उन्होंने मोहम्मद रिज़वान को दिया, जिनकी ऑफ बेल गेंद से हल्के से छूकर गिर गई। इसके बाद उन्होंने बाबर आज़म को एलबीडब्ल्यू कर पाकिस्तान को 23/4 पर ला दिया।

बाकी बल्लेबाज़ों में कोई भी टिककर नहीं खेल पाया। सलमान अली आगा और हसन नवाज़ ने कुछ समय जरूर बिताया, लेकिन रनगति लगातार बढ़ती रही। गुडाकेश मोती और रोस्टन चेज़ ने बीच के ओवरों में दबाव बनाए रखा। अंततः सील्स ने नसीम शाह और हसन अली को भी चलता किया, जबकि आखिरी रन आउट के साथ पाकिस्तान की पारी 92 पर सिमट गई।

न्यूज ब्रीफ

आईओए ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली को मंजूरी दी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को यहां अपनी विशेष आम बैठक (एसजीएम) के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए देश की बोली को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी। भारत ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद को मेज़बान शहर बनाते हुए पहले ही रुचि पत्र जमा कर दिया है, लेकिन भारत को अंतिम बोली के लिए 31 अगस्त से पहले प्रस्ताव जमा करने होंगे। कनाडा के इस दौड़ से बाहर हो जाने के बाद भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावना बढ़ गई है। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेलों के अधिकारियों का एक दल हाल ही में अहमदाबाद आया और आयोजन स्थलों का निरीक्षण किया और गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात की। इस महीने के अंत में राष्ट्रमंडल खेलों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल पहुंचने की उम्मीद है। राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा नवंबर के अंतिम सप्ताह में ग्लासगो में मेज़बान देश का फैसला करेगी। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी की थी ।

भारतीय ए महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली जीत दर्ज की

ब्रिसबेन। भारतीय ए महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी पहली जीत दर्ज की है। उसने बुधवार को इयान हीली ओवल में खेले गए पहले वनडे मैच में ताहलिया मैकग्राथ की ऑस्ट्रेलिया ए की टीम को तीन विकेट से हरा दिया। यह जीत भारत ए के लिए खास रही, क्योंकि इससे पहले टीम तीनों टी20 मैच हार चुकी थी। 215 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए ने 42 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर लिया। यास्तिका भाटिया ने 59 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि शैफाली वर्मा (36) और धारा गुज्जर (31) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। राघवी बिष्ट 25 रन बनाकर नाबाद रहीं और मध्य ओवरों में ऑस्ट्रेलिया ए के वापसी के प्रयास को नाकाम करते हुए भारत को जीत दिलाई। इससे पहले भारत ए की कप्तान राधा यादव ने तीन विकेट लिए, जबकि तितास साधु और मिन्नू मणि ने दो-दो विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम 214 रनों पर ढेर हो गई। अनिका लियरोयड 92 रन बनाकर नाबाद रहीं, लेकिन उनके साथी रन बनाने में नाकाम रहे। रेचल ट्रेनमैन (51) ने मुख्य सहयोग दिया, लेकिन वह रन आउट हो गईं। दोनों टीमें अब 15 और 17 अगस्त को इसी मैदान पर दो और वनडे मैच खेलेंगी। इसके बाद 21 अगस्त से एलन बॉर्डर फील्ड में एक अनौपचारिक चार दिवसीय टेस्ट मैच होगा।

एथलेटिक्सः गुलवीर सिंह ने हंगरी में 3000 मीटर में अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में किया सुधार

नई दिल्ली। भारतीय मिडिल और लॉन्ग डिस्टेंस धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित हंगेरियन एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों की 3000 मीटर स्पर्धा में अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। गुलवीर ने 7 मिनट 34.49 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर फिनिश किया। केन्या के मैथ्यू किपसांग ने 7 मिनट 33.23 सेकंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान हासिल किया।गुलवीर का इस इवेंट में पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7 मिनट 38.26 सेकंड था, जो उन्होंने फरवरी 2025 में बोस्टन यूनिवर्सिटी डेविड हेमरी वेलेंटाइन इनविटेशनल में बनाया था। 27 वर्षीय गुलवीर 5000 मीटर और 10,000 मीटर में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। हाल ही में उन्होंने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इन दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते थे। गुलवीर ने 5000 मीटर में 13 मिनट 01.00 सेकंड के प्रवेश मानक से बेहतर प्रदर्शन कर आगामी विश्व चैंपियनशिप (टोक्यो) के लिए क्वालीफाई किया।

सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द की , एक सप्ताह में सरेंडर करने के आदेश

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसियां) ।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार को करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार की जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया है। सुशील जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मुख्य आरोपी हैं। शीर्ष अदालत की एक पीठ ने सागर के पिता अशोक धनखड़ की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा सुशील को दी गई जमानत रद्द करते हुए उन्हें एक सप्ताह में सरेंडर करने के लिए कहा है। सागर के पिता ने सुशील को जमानत दिये जाने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। सागर की हत्या 4 मई 2021 को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग क्षेत्र में हुए झगड़े में हुई थी। इस दौरान उनके दो दोस्तों पर भी हमला हुआ था। आरोप है कि यह हमला सुशील कुमार और उनके साथियों ने संपत्ति विवाद के कारण किया गया। सागर हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल में उसकी मौत हो गयी थी। वहीं उसके साथी भी गंभीर रुप से घायल हुए।

इस मामले के बाद सुशील कुमार फरार हो गये थे। उन्हें दिल्ली पुलिस ने 23 मई 2021 को मुंडका इलाके से गिरफ्तार किया था। तब सुशील एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी की स्कूटी पर रकम लेने पहुंचे थे। गिरफ्तारी के बाद उनसे उन्हें रेलवे की नौकरी से निलंबित कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। अक्टूबर 2022 में कई धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत उनपर आरोप तय किए गए।

दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में सुशील को साजिश का मास्टरमाइंड बताया। पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने कुश्ती जगत में अपना दबदबा कायम करने के लिएही ये हमला करवाया। वहीं सुशील ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि वे पहले ही साढ़े तीन साल जेल में रहे हैं। मुकदमे में अब तक 222 में से केवल 31 गवाहों के बयान दर्ज हुए हैं। इन्हीं आधारों पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मार्च 2024 में उन्हें जमानत दी थी, जिसे शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया है। गौरतलब है कि सुशील कुमार ने बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने लंदन ओलंपिक 2012 में रजत पदक जीता था। वहीं एशियाई खेलों में उनके नाम स्वर्ण पदक है। इसके अलावा भी इस पहलवान के नाम कई कुश्ती स्पर्धाओं में पदक हैं।

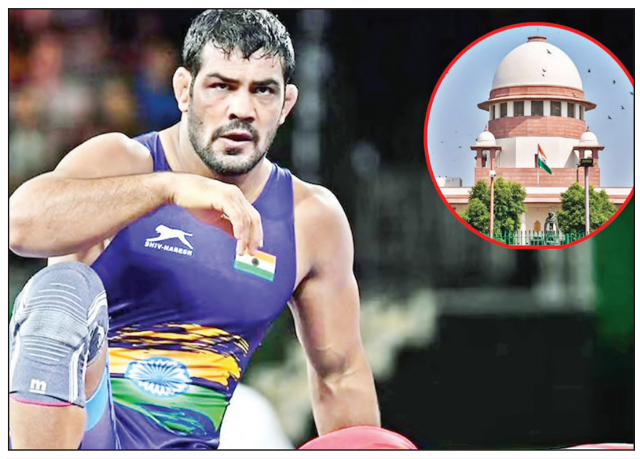

शमी के भारत-वेस्टइंडीज सीरीज से वापसी करने की उम्मीदें

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं हालांकि इससे पहले उन्हें दिलीप ट्रॉफी में अपनी फिटनेस साबित करने के साथ ही बेहतर प्रदर्शन भी करना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई के अधिकारी ने , शमी का टेस्ट करियर खत्म नहीं हुआ है. लेकिन अब सबकुछ उनकी फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करेगा। 28 अगस्त से शुरु हो रही दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन पर हमारी नजरें रहेंगी। उन्होंने कहा, 'हमें उनकी फिटनेस देखनी होगी वे रणजी मैचों में एक स्पेल में तीन-चार ओवर गेंदबाजी करते थे और मैदान से बाहर चले जाते थे इसलिए यह देखना होगा कि उनका शरील लंबे स्पेल के लिए कितना तैयार हुआ है। यह उनके साथ सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है।' शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मैच दो साल पहले खेला था। इसके बाद उन्होंने एकदिवीसय में वापसी तो की पर इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में उन्हें जगह नहीं मिली थी। शमी ने अंतिम बार टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खेला था, जो जून 2023 में खेला गया था। शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस मैच में 4 विकेट लिए थे। इसके बाद शमी को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के लिए आराम दिया गया था। वह चोटिल होने के कारण 5 टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाए। जब भारतीय टीम जून में इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गई तब बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने शमी से बात की थी पर उन्हें अपनी फिटनेस पर भरोसा नहीं था। इसी कारण उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया था।

कप्तान शुभमन के दिलीप ट्रॉफी में खेलने से अच्छा संकेत जाएगा : गावस्कर

मुम्बई,13 अगस्त (एजेंसियां) ।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल सहित कई अन्य खिलाड़ियों के घरेलू क्रिकेट में खेलने के फैसले की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा है कि घरेलू क्रिकेट में शुभमन के खेलने से अन्य क्रिकेटरों को भी एक अच्छा संकेत जाएगा। गावस्कर ने बांग्लादेश दौरा स्थगित होने के बाद उसकी जगह टीम को श्रीलंका नहीं भेजने के क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले को भी सही कदम बताया है। श्रीलंकाई बोर्ड ने भारतीय टीम को दौरे पर भेजने का प्रस्ताव दिया था पर बोर्ड ने स्वीकार नहीं किया।

बीसीसीआई के श्रीलंका टीम न भेजने के फैसले को भी सही बताया

गावस्कर ने लिखा, यह अच्छा है। बांग्लादेश का दौरा अगले साल तक के लिए स्थगित होने के बाद भी बीसीसीआई टीम को सफेद गेंद सीरीज के लिए इस महीने श्रीलंका भेजे जाने के लालच में नहीं आया। ऐसा करके बोर्ड ने घरेलू क्रिकेट को महत्व दिया है जो एक सकारात्मक बात है। अब अधिकतर बड़े खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसमें शुभमन उत्तरी क्षेत्र की कप्तानी करेंगे। यह इस टूर्नामेंट के लिए बहुत अच्छा रहेगा। इस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध होकर कप्तान ने टीम के दूसरे सदस्यों को भी इसमें खेलने के स्पष्ट संकेत दे दिये हैं।

दलीप ट्रॉफी इस महीने से शुरू हो रही है। इसके साथ ही इस साल के घरेलू सत्र की शुरुआत होगी। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार जब जब कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम न हो और फिटनेस का मसला न हो तो सभी क्रिकेटरों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा।

अंपायर धर्मसेना भी हुए सिराज के प्रशंसक

कोलंबो। श्रीलंकाई अंपायर कुमार धर्मसेना ने भी भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की प्रशंसा की है। धर्मसेना भारत- इंग्लैंड सीरीज में अंपायर थे। ओवल टेस्ट में जिस प्रकार सिराज ने जैक क्रॉली को धीमी यॉर्कर पर बोल्ड किया था उसकी सभी ने प्रशंसा की थी पर धर्मसेना सबसे अधिक प्रभावित अंतिम विकेट के तौर पर गस एटकिंसन को की गयी गेंद पर हुए थे। उनका कहना है कि वह इस प्रकार की गेंदबाजी देखकर वह अपने को खुशकिस्मत मान रहे हैं। सिराज ने अपनी यॉर्कर से एटकिंसन का ऑफ स्टंप उड़ा दिया था। उसकी एक तस्वीर को सोशल मीडिया में भेजते हुए धर्मसेना ने लिखा, बहुत भाग्यशाली हूं कि सबसे अच्छी जगह से इस गेंद को देखा। ओवल टेस्ट के अंतिम दिन गस एटकिंसन के आउट होने के साथ ही भारतीय टीम ने मुकाबला जीत लिया था। एटकिंसन गंभीर रूप से चोटिल क्रिस वोक्स के साथ इंग्लैंड को जीत के करीब ले जा रहे थे। एटकिंसन 17 रन बनाकर खेल रहे थे और उन्होंने एक छक्का भी लगाया था। सिराज ने अंतिम ओवर की पहली ही गेंद पर एंटकिंसन का ऑफ स्टंप गिराकर भारतीय टीम को जीत दिला दी। सीरीज का दूसरा 5 विकेट हॉल। आखिरी टेस्ट में वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। सिराज ने सीरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट झटके। उनके लिए यह इंग्लैंड दौरा बहुत ही खास और यादगार रहा।

ईडी के सामने पेश हुए सुरेश रैना

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसियां) ।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना बुधवार को ऑनलाइन बेटिंग ऐप (अवैध सट्टेबाजी) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। ईडी ने रैना को पूछताछ के लिए नोटिस दिया था। जिसके बाद ही वह पूछताछ के लिए ईडी मुख्यालय पहुंचे। रैना इस ऑनलाइन बेटिंग ऐप के ब्रांड एंबेसडर हैं और ईडी इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। पुलिस ने यह भी पाया है कि ये ऐप्स सीधे तौर पर कानूनों का उल्लंघन करते हैं।

ईडी के अनुसार रैना का नाम इस मामले में उनके कुछ विज्ञापनों और एंडोर्समेंट्स के कारण जोड़ा जा रहा है। ईडी की टीम ने पूछताछ में रैना से ऑनलाइन ऐप के साथ उनके संबंधों, एंडोर्समेंट डील और किसी भी वित्तीय लेन-देन की पूरी जानकारी मांगी है। यह पूछताछ 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' के तहत हुई।

जांच में यह सामने आया है कि जब ऐप यूजर द्वारा पेमेंट की जाती थी तो रोजाना रिसीवर का नाम और ब्यौरा बदल जाता था, लेकिन बाद में पैसा ऑनलाइन ऐप अकाउंट में पहुंच जाता था। इसी कारण ईडी को संदेह हुआ। इस ऐप के जरिए पैसा विदेश भेजा जा रहा था।

इस प्रकार से जुड़े मामलों में रैना के अलावा कई अन्य हस्तियों के नाम भी सामने आए हैं। ईडी की जांच का दायरा कई करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी तक फैला हुआ है। जांच एजेंसी इन प्लेटफॉर्म्स के सभी प्रमोटर्स और उनसे जुड़े तमाम लोगों से पूछताछ कर रही है।

वहीं यह प्लेटफॉर्म अपने को कौशल-आधारित खेलों की मेजबानी करने वाला प्लेटफॉर्म बताता है, पर इनमें ऐसे एल्गोरिथम का इस्तेमाल किया गया है, जो मौजूदा भारतीय कानूनों के तहत उन्हें जुए की श्रेणी में रखते हैं। ऑन लाइन ऐप ने भी रैना को गेमिंग एम्बेसडर बनाते हुए उन्हें जिम्मेदारर एंबेसडर बताया था।

वहीं ईडी की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि रैना के खिलाफ कोई सीधा आपराधिक मामला दर्ज किया गया है या उनसे फिलहाल सिर्फ जानकारी के लिए पूछताछ की गई है। इससे पहले भी ही कई मशहूर हस्तियों का नाम सामने आ चुका है जिनसे पूछताछ हुई है। सोमवार को एक्टर राणा दग्गुबाती फिल्म की व्यस्तताओं के कारण 23 जुलाई को जारी अपने समन को स्थगित करने की मांग के बाद हैदराबाद में ईडी के सामने पेश हुए थे। मई में तेलंगाना पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के प्रचार से कथित संबंध के आरोप में दग्गुबाती और प्रकाश राज समेत 25 प्रसिद्ध अभिनेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ और भी लोगों को नोटिस जारी किए जा सकते हैं। ईडी एफआईआर में कई अन्य हस्तियों के वित्तीय लेनदेन और डिजिटल ट्रेल्स की भी जांच कर रही है, जिनमें अभिनेता मांचू लक्ष्मी, निधि अग्रवाल, अनन्या नागल्ला और टेलीविजन एंकर श्रीमुखी शामिल हैं।

रोजर बिन्नी का सितंबर तक बीसीसीआई अध्यक्ष रहना तय

मुम्बई,13 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी 70 साल के हो गये हैं। ऐसे में बोर्ड के नियमों के अनुसार उनके आगे अध्यक्ष रहने का फैसला बोर्ड की अगले माह होने वाली आम वार्षिक बैठक (एजीएम) के जरिये तय होगा। इस प्रकार वह सितंबर तक तो अध्यक्ष बने रहेंगे। नियमों के अनुसार राष्ट्रीय खेल विधेयक के पारित होने के बाद अब बोर्ड अध्यक्ष के पद पर 75 साल की उम्र तक रहा जा सकता है। बिन्नी साल 2022 में सौरव गांगुली की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष बने थे। अगर बीसीसीआई की राज्य इकाइयों उनके नाम पर तैयार होती हैं तो बिन्नी 75 वर्ष की आयु तक बोर्ड अध्यक्ष रह सकते हैं।

वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया, 'बिन्नी सितंबर में होने वाली बोर्ड बैठक तक पद पर बने रहेंगे। उन्हें नया कार्यकाल मिलेगा या नहीं, यह इस बात से तय होगा कि बीसीसीआई के सदस्य और उससे जुड़े अन्य लोग क्या फैसला लेते हैं। बीसीसीआई राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में आएगा पर सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम बोर्ड पर लागू नहीं होगा क्योंकि उसे केन्द्र सरकार से कोई अनुदान नहीं मिलता। बीसीसीआई की कानूनी टीम भी अब विधेयक का अध्ययन कर रही है। वहीं एक बोर्ड अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रीय खेल विधेयक अभी-अभी पारित हुआ है, इसलिए हमारे पास कोई भी फैसला लेने से पहले इसका अध्ययन करने और चर्चा करने के लिए कुछ समय है।' उन्होंने साथ ही कहा, 'निश्चित रूप से विधेयक में चर्चा के लिए अन्य बिंदु भी हैं और सीनियर खिलाड़ियों व कोचिंग स्टाफ सहित सभी हितधारकों से परामर्श किया जाएगा।

डीपीएल 2025 : ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने पुरानी दिल्ली 6 को आखिरी ओवर में हराया

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार रात खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे संस्करण के एक रोमांचक मुकाबले में ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरानी दिल्ली 6 को पांच विकेट से हराया। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राइडर्स ने धमाकेदार शुरुआत की। ओपनर अर्पित राणा और सुजल सिंह ने पहली गेंद से ही दबदबा बनाया और 149 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। अर्पित ने 52 गेंदों पर आतिशी 87 रन बनाए, जबकि सुजल ने 46 गेंदों पर 59 रन की पारी खेली। हालांकि, 17वें ओवर में मैच ने करवट ली जब पुरानी दिल्ली 6 के गेंदबाजों ने ताबड़तोड़ प्रहार करते हुए दोनों सेट बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा और स्कोर 149/0 से 160/5 कर दिया। लेकिन नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने आए मयंक रावत ने नाबाद 22 रन (10 गेंद) बनाकर टीम को 19.4 ओवर में जीत दिलाई। इससे पहले, पुरानी दिल्ली 6 ने 182/8 का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। प्रणव पंत ने 41 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली, जबकि समार्थ सेठ (35 रन, 23 गेंद) और कप्तान वंश बेदी (28 रन, 11 गेंद) ने तेजतर्रार योगदान दिया।

आईटीआर की डेडलाइन खत्म होने के बाद भी बिना जुर्माना भरे कर सकेंगे टीडीएस रिफंड का दावा

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसियां)।

इनकम टैक्स टीडीएस और पीएफ में लोगों को समझने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कुछ लोग टीडीएस को ही पीएफ समझते हैं, तो कुछ को पता ही नहीं होता है कि टीडीएस एक इनकम टैक्स की तरह ही है। यही नहीं सबसे बड़ी दिक्कत तब आती है जब इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की तारीख निकल जाती थी और लोग टीडीएस रिफंड का दावा करते थे, लेकिन इसमें या तो आप पर जुर्माना लगता था या फिर आपको

नया इनकम टैक्स विधेयक लोकसभा में पास, करदाताओं को मिलेगी राहत

पैसा नहीं मिल पाता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी दिक्कतों को दूर करने के लिए सरकार नया इनकम टैक्स बिल लेकर आ रही है, जिससे करदाताओं को बड़ी राहत मिलेगी। यह नया इनकम टैक्स बिल बेहद आसान होगा, ताकि आम जनता इसे समझ सके। बता दें इनकम टैक्स विधेयक लोकसभा में पास हो गया है। संसद ने मंगलवार को नए आयकर विधेयक को पारित कर दिया है। अब इस बिल को राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। यह नया विधेयक करीब 64 साल पुराने आयकर विधेयक 1961 की जगह लेगा। एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने बताया कि देर से आईटीआर भरने वालों के लिए नए बिल में राहत दी गई है जैसे- अभी तक पुराने बिल में ड्यू डेट के बाद इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने पर रिफंड नहीं मिलता था। अब नए बिल में कोई भी व्यक्ति जिसका टीडीएस कटता है और उसने पिछले चार सालों में अगर इनकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं किया है, तो अब वह इसे फाइल कर सकता है। उसका उसे पूरा रिफंड मिलेगा, उसके ऊपर कोई जुर्माना भी नहीं लगेगा। अब आप देर से आईटीआर फाइल करके भी अपना रिफंड पा सकेंगे। बता दें 1961 के आयकर विधेयक में करदाताओं को इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की डेडलाइन निकल जाने के बाद रिफंड नहीं मिलता था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक करोड़ से ...

8 अगस्त को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी से इस बात के लिए स्पष्टीकरण मांग लिया कि उन्होंने उन्होंने चुनाव आयोग को यह क्यों लिखा कि पश्चिम बंगाल एसआईआर के लिए तैयार है। बंगाल में आखिरी बार वर्ष 2002 में एसआईआर हुआ था और उसी के आधार पर 2004 की मतदाता सूची तैयार की गई थी। अब जब 22 साल बाद फिर से एसआईआर की तैयारी है, लेकिन उसकी पेशबंदी में विरोध शुरू हो गया है।

7 अगस्त 2025 को प्रकाशित रिसर्च पेपर (इलेक्टोरल रॉल इन्फ्लेशन इन वेस्ट बंगालः अ डेमोग्राफिक रीकंसट्रक्शन ऑफ लेजिटिमेट वोटर काउंट्स) यह दिखाता है कि पश्चिम बंगाल की 2024 की वोटर लिस्ट में लगभग 1 करोड़ फर्जी नाम हो सकते हैं। यह 13.69 प्रतिशत का वोटर इन्फ्लेशन है। यह रिसर्च आईआईएम विशाखापत्तनम के डॉ. मिलन कुमार, एसपी जैन और डॉ. विधु शेखर ने किया है। उन्होंने सरकारी आंकड़ों जैसे कि वोटर लिस्ट, जनगणना और सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया और हर चरण पर रक्षात्मक तरीका अपनाया, ताकि अनुमान नीचे रहे। शोध पत्र में कहा गया है, हम सभी पात्र युवाओं के पूर्ण पंजीकरण को मानते हैं, उच्च उत्तरजीविता संभावनाओं को लागू करते हैं, और हालिया वृद्धि के बजाय दशकीय रुझानों के आधार पर प्रवासन का मॉडल तैयार करते हैं। इससे हमें वैध मतदाता आबादी का एक निम्न-सीमा अनुमान लगाने में मदद मिलती है। फिर हम इस आंकड़े की तुलना 2024 के लिए चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित आधिकारिक मतदाता सूची से करते हैं।

यह शोध 2024 तक पश्चिम बंगाल में वैध मतदाता आबादी के अनुभवजन्य अनुमान तीन चरणों में प्रस्तुत करता है: (1) 2004 की मतदाता सूची से बचे लोगों का अनुमान, (2) 1986 और 2006 के बीच जन्मे नए मतदाता समूहों से जुड़ाव, और (3) शुद्ध स्थायी प्रवास के लिए समायोजन। इसके बाद शोधकर्ताओं ने मतदाता सूची में अनुमानित अधिशेष की गणना करने के लिए परिणामों का संश्लेषण किया। 2004 की मतदाता सूची में 4.74 करोड़ पंजीकृत मतदाता दर्ज थे। शोध में इस जनसंख्या को छह आयु समूहों में विभाजित किया गया और 2001 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करते हुए, आयु-विशिष्ट 20-वर्षीय उत्त-रजीविता दरों का उपयोग किया गया। इन अनुमानों से 2004 की मतदाता सूची के अनुसार, अनुमानित 3.74 करोड़ जीवित मतदाता प्राप्त होते हैं।

इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि 2004 और 2024 के बीच लगभग 3.01 करोड़ नए पात्र व्यक्ति नामांकित होंगे। इसके बाद, शोध ने 2001 और 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करके स्थायी बाहरी और आंतरिक प्रवास का अनुमान लगाया। विश्लेषण में पाया गया कि 2001 और 2011 के बीच पश्चिम बंगाल में प्रवासियों की कुल संख्या में गिरावट आई है। 2001 और 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करते हुए तथा सीएजीआर के माध्यम से अनुमान लगाते हुए शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि इस अवधि के दौरान पश्चिम बंगाल से कुल 17.86 लाख व्यक्तियों का स्थाई प्रवास हुआ।

विश्लेषण के अनुसार, वैध मतदाताओं की अनुमानित संख्या (2024) 6,57,06,849 है, जबकि आधिकारिक मतदाता सूची (2024) के अनुसार मतदाताओं की संख्या 7,61,24,780 है। यह अनुमानित 1,04,17,931 मतदाताओं का अधिशेष दर्शाता है, जो प्रतिशत के हिसाब से 13.69 प्रतिशत है। शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने जानबूझकर ऊंची सर्वाइवल रेट, ज्यादा पंजीकरण और धीमी माइग्रेशन रेट मानी, ताकि कम से कम फर्जीवाड़ा दिखे, फिर भी इतना बड़ा अंतर मिला। इसका मतलब है कि असल वोटर इन्फ्लेशन इससे भी ज्यादा हो सकता है।

इस रिसर्च के अनुसार, इतने ज्यादा फर्जी नाम होने से चुनावों की निष्पक्षता पर खतरा पैदा होता है, क्योंकि कई सीटों पर जीत का अंतर इससे छोटा होता है। इसका फायदा धोखाधड़ी, फर्जी वोटिंग और राजनीतिक गड़बड़ी में उठाया जा सकता है। रिसर्च सुझाव देता है कि वोटर लिस्ट को आधार, सिविल रजिस्ट्रेशन और माइग्रेशन डेटा से जोड़ा जाए। एल्गोरिदम से ऑटोमेटिक चेकिंग हो जैसे 100 साल से ऊपर के हजारों वोटर, एक ही व्यक्ति के कई रजिस्ट्रेशन आदि और हर तीन महीने में जनसांख्यिकीय ऑडिट हो।

पश्चिम बंगाल और ऐसे राज्य जहां पिछले कई सालों से एसआईआर नहीं हुई है, वहां घर-घर जाकर वोटर वेरिफिकेशन होना चाहिए। पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट में 2024 में 13.69 प्रतिशत यानी 1 करोड़ से ज्यादा फर्जी नाम हो सकते हैं। यह चुनाव की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाता है और जरूरी है कि सरकार व चुनाव आयोग इस पर तुरंत और सख्त कदम उठाए।

मतदाता सूची...

वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की इस दलील के बावजूद कि आधार को स्वीकार न करना अनुचित था, लेकिन अन्य दस्तावेजों के विकल्प भी दिए गए थे, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि प्रक्रिया वास्तव में सबको साथ में लेकर चलने वाली है। इससे पहले 12 अगस्त को शीर्ष अदालत ने कहा था कि मतदाता सूची में नागरिकों या गैर-नागरिकों को शामिल करना या बाहर करना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर में आधार और मतदाता कार्ड को नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं करने के अपने रुख को दोहराया।

पीएम मोदी ट्रंप...

हालांकि, संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बहस के लिए वक्ताओं की सूची अभी प्रारंभिक है। अगले कुछ हफ्तों में कार्यक्रमों और वक्ताओं में बदलाव की संभावना है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वर्ष का सबसे व्यस्त राजनयिक सत्र माना जाने वाला यह सम्मेलन हर साल सितंबर में शुरू होता है। इस साल यह सत्र इज़राइल-हमास युद्ध और यूक्रेन संघर्ष के बीच आयोजित हो रहा है।

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले ही यह सवाल उठने लगा है कि पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे या नहीं। विशेषज्ञों का आकलन है कि पीएम मोदी की (संभावित) मुलाकात में व्यापारिक मुद्दों को सुलझाने से लेकर एक टैरिफ पर सहमति बनाना शामिल होगा। भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ विवाद सुलझने में कई पहलुओं की भूमिका होगी। इनमें रूस यूक्रेन युद्ध और दूसरा भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौता शामिल है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत की नजर 15 अगस्त को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात पर है।

ट्रंप और पुतिन के बीच मुलाकात के पहले ही पीएम मोदी ने व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से बात की है। भारत ने दोनों देशों के नेताओं को यह बात बता दी है कि संघर्ष का समाधान ही भारत के हित में है। व्यापारिक समझौते के पहलू की बात करें तो भारतीय और अमेरिकी वार्ताकार समझौते पर पहुंचने के करीब थे लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वार्ताकारों के बीच हुए समझौते से खुश नहीं थे। ऐसे में वार्ताकारों को सौदे की शर्तों पर आगे चर्चा करनी होगी और उन्हें नई शर्तें पेश करनी होंगी क्योंकि रेड लाइन खींच दी गई है। दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार के नए लक्ष्य यानि मिशन 500 पर केंद्रित हैं, जिसका लक्ष्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से भी ज़्यादा बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है।

ध्यान देने वाली बात यह भी है कि इसी साल फरवरी में पीएम मोदी ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। दोनों ही इस बात पर भी सहमत हुए थे कि ट्रेड की महत्वाकांक्षा को साकार करने के लिए उन्हें नए निष्पक्ष व्यापार नियमों की आवश्यकता होगी और उन्होंने इसी साल पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत करने की योजना की घोषणा भी की थी। एक व्यापक बीटीए को संपन्न करने के लिए अमेरिका और भारत ने माल और सेवा क्षेत्र में द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत और गहरा करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की सहमति जताई थी। इसके अलावा दोनों ही एक दूसरे के बाजार तक पहुंच को विस्तार देने के साथ ही टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने तथा सप्लाई चेन को मजबूत करने पर सहमति हुए थे।

6 महीने पहले जो सहमति हुई थी वह पूरा प्लान ही अब मुश्किल दौर से गुज़र रहा है। अधिकारियों और वार्ताकारों को सितंबर के आखिरी हफ़्ते तक मुद्दों को सुलझाकर किसी समझौते पर पहुंचना होगा। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा में सभी ज़रूरी बातों पर सहमति बनने की उम्मीद है। अब इस यात्रा को निर्धारित करने के लिए, पहले कदम के तौर पर, भारतीय पक्ष ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के लिए एक भाषण समय निर्धारित करने का अनुरोध किया है। फिलहाल यह 26 सितंबर की सुबह के लिए निर्धारित किया गया है। ट्रंप 23 सितंबर को भाषण देंगे।

बलूचिस्तान के...

हमलों और हाल में कराची और ग्वादर में आत्मघाती हमलों के आधार पर लिया गया है।

बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने इस निर्णय की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बलूच आतंकी नहीं, बल्कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के शिकार हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, बलूच नेताओं को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के हिरासत में लिया गया है। महरंग बलूच, बेबर्ग जेहरी जैसे कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया गया है। इधर पाकिस्तान सरकार ने बलूचिस्तान में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं और सार्वजनिक रूप से लोगों के एक जगह इकट्ठे होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम बलूचों की आवाज दबाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। ऐसी अनेक रिपोर्ट हैं कि बलूच नेताओं को जेलों में बिना आरोप के रखा गया है, जहां से उन्हें जमानत तक नहीं लेने दी जा रही है, उन्हें उनके परिवारों से मिलने नहीं दिया गया है।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी साल 2000 के दशक में अस्तित्व में आई थी। यह संगठन पाकिस्तान से बलूचिस्तान की स्वतंत्रता की मांग करता है। इस संगठन की फिदायीन इकाई, मजीद ब्रिगेड नौजवान बलूचों को कड़ा प्रशिक्षण देकर फिदायीन हमलों के लिए तैयार करती है। इसका नाम बलूच स्वतंत्रता सेनानियों लांगो और मजीद के नाम पर रखा गया है। बलूच समुदाय से शरी बलूच, सुमैया कलंदरानी जैसी महिलाएं भी मजीद ब्रिगेड में शामिल हैं, जो बलूच आंदोलन में एक नया मोड़ आने का संकेत देता है।

बलूच नेता मीर यार बलूच ने कहा है कि बलूच लोगों ने कभी अमेरिकी हितों पर हमला नहीं किया। इसके उलट, पाकिस्तान ने आतंकवादियों को पनाह दी और अमेरिका विरोधी रैलियां आयोजित कीं। इस ओर पाकिस्तान का दोहरा रवैया रहा है। बलूच कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को बढ़ावा देता है, लेकिन बलूचों को आतंकी घोषित कर लोकतांत्रिक आवाज को दबाना चाहता है।

उधर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के हमलों ने चीन को भी चिंतित किया हुआ है। पिछले दिनों जाफर एक्-सप्रेस के अपहरण ने चीन को आतंकवाद विरोधी सहयोग की पेशकश करने पर मजबूर किया था। बलूचिस्तान में पाकिस्तान का दमन और अमेरिका द्वारा बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकी संगठन घोषित करना एक जटिल अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य बन गया है। जहां पाकिस्तान इसे अपनी कूटनीतिक जीत मानता है, वहीं बलूच कार्यकर्ता इसे अन्यायपूर्ण और दोहरे मानदंडों का उदाहरण बताते हैं। बलूच आंदोलन अब सिर्फ एक इलाकाई विद्रोह नहीं, बल्कि मानवाधिकार, लोकतंत्र और अंतरराष्ट्रीय न्याय मांगता आंदोलन बन चुका है।

बलूचिस्तान वो इलाका है जो पाकिस्तान को ईरान और अफगानिस्तान से जोड़ता है। बलूचिस्तान को अलग देश बनाने की मांग होती है। ये पाकिस्तान का सबसे बड़ा हिस्सा है। पाकिस्तान ने बलूचियों के साथ काफी दुर्व्यवहार किया जाता रहा है। पाकिस्तानी फौज की दमनकारी नीति, आर्थिक और सामाजिक शोषण की वजह से बलूचिस्तानी की आजादी की मांग को लेकर बलूच लिबरेशन आर्मी का गठन किया गया। इससे जुड़ा माजिद ब्रिगेड भी है। 1948 में पाकिस्तान ने इस प्रांत को अपने में मिला लिया था। ये पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, लेकिन आबादी सबसे कम है। 2023 की जन-गणना के मुताबिक पाकिस्तान की आबादी करीब 24 करोड़ है, लेकिन बलूचिस्तान की आबादी मात्र 1.5 करोड़ है।

बलूच 1948 से ही पाकिस्तान से आजादी की मांग करते आ रहे हैं। उनके राजा को धोखा देकर पाकिस्तान ने इलाके पर कब्जा किया था। दरअसल जब भारत का बंटवारा हुआ और प्रांतों को भारत या पाकिस्तान या फिर आजाद रहने का विकल्प दिया गया तो बलूचिस्तान ने फैसला नहीं लिया था कि उसे किसके साथ जाना है या अलग मुल्क बन कर रहना है। स्थिति का फायदा उठाकर पाकिस्तान ने राजा अहमद यार खान को मजबूर किया कि वह पाकिस्तान में अपने रियासत कलात का विलय कर दें। हालांकि इसके खिलाफ पहला विद्रोह 1948 में ही हो गया था।

तिलक देवाशर की किताब द बलूचिस्तान कोरंड्रम के अनुसार, कलात के खान ने अंग्रेजों से कहा था कि वह आजाद रहना चाहते हैं। इसको लेकर दस्तावेज भी अंग्रेजों द्वारा भेजे गए कैबिनेट मिशन को दिए थे। मजे की बात यह है कि इस काम में मोहम्मद अली जिन्ना ने उनकी सहायता की थी। जिन्ना कलात के खान के वकील थे। कलात के खान और कलात के प्रधानमंत्री तथा विदेश मंत्री की 1947 में बलूचिस्तान के भविष्य को लेकर बैठक हुई थी। हमद यार खान ने कहा कि पाकिस्तान में शामिल होना जनता के विरोध के कारण चुनौतीपूर्ण था। इसके अलावा भारत वाले विकल्प को पाकिस्तान की चिंताओं पर नकार दिया गया था।

अहमद यार खान ने दावा किया कि नेहरू उनसे नफरत करते थे और कांग्रेस ने कभी उन पर भरोसा नहीं किया। कलात के विदेश मंत्री डगलस येट्स फेल ईरान में शामिल होने के पक्ष में थे। उन्होंने इसे बलोच एकता के लिए फायदेमंद करार दिया था। गौरतलब है कि बड़ी बलोच आबादी ईरान में रहती है। हालांकि, कलात के खान अफगानिस्तान में भी शामिल होने के पक्ष में थे लेकिन इस पर भी नहीं बात बन पाई। अंत में लंदन वाला विकल्प भी नकार दिया गया। इसके बाद कलात के खान के पास कोई विकल्प शेष नहीं बचे थे। इसी बीच पाकिस्तान ने लासबेला, मकरान और खरान को मिला लिया। अब कलात बीच में फंस गया और उसके पाकिस्तान में मिलने के सिवा कोई चारा न रहा। बलूच के पाकिस्तान में मिलने में नेहरू के ढीलेढाले रवैये का अहम रोल था।

बलूचियों का कहना है कि पाकिस्तानी सरकार ने अब तक सिर्फ इस प्रांत को लूटा है और लोगों की उपेक्षा की है। मिनरल्स से भरपूर इस प्रांत में कोयला,सोना, तांबा, गैस की बहुतायत है। फिर भी पाकिस्तान जैसे भिखारी देश का ये सबसे गरीब इलाका है। आज भी पाकिस्तान का सबसे बड़ा बंदरगाह ग्वादर इसी क्षेत्र में है। ये चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपीईसी के लिए काफी अहम है। बलूचिस्तान के सुई इलाके में 1950 के ही दशक में गैस का पता चला था। इस गैस की लूट मचा दी गई। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में इस गैस की सप्लाई नहीं दी बल्कि पंजाब और सिंध तक पहुंचाई। यहां तक कि 1990 का दशक आते-आते यह गैस लगभग खत्म हो गई। इसके बाद पाकिस्तान के हुक्मरानों ने बलूचिस्तान में जमीन बेच दी। वर्तमान में बलूचिस्तान का ग्वादर बंदरगाह और एयरपोर्ट चीन के अधीन है। स्थानीय लोग इसका विरोध करते हैं।

बलूचिस्तान में अयस्क और खनिज भरे हुए हैं। पाकिस्तान ने यह भी चीन को लगभग बेच दिए हैं। इससे भी बलोच लोगों में गुस्सा है। बलूचिस्तान में स्कूल, अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी पाकिस्तान ने नहीं पहुंचाई हैं। ऐसे में विद्रोह के लिए लोग मजबूर हो रहे हैं। बलोच महिलाएं भी इस विद्रोह में शामिल हैं। इन महिलाओं को पाकिस्तानी फौज ने अत्याचार का शिकार बनाया है। पाकिस्तान द्वार कब्जा कर लिए जाने के बाद बलूचियों ने अलग राष्ट्र की स्थापना के लिए संघर्षरत रहे हैं। इनका कहना है कि प्रांत के संसाधनों का बड़ा हिस्सा उनके प्रांत के काम आना चाहिए। 2000 के दशक में बलूचिस्तान की आजादी की मांग को लेकर बीएलए यानी बलूच लिबरेशन आर्मी की स्थापना की गई। बलूच राष्ट्रवादी नेता नवाब खैर बख्श मर्री के बेटे बलाच मर्री ने इसकी स्थापना की।

बलूचिस्तान में विद्रोह को दबाने के लिए पाकिस्तानी फौज ने प्रदर्शन करने वाले निर्दोष बलूचों पर हवाई हमले किए। उनपर गोलियां बरसाईं। 2006 में बलूच के बड़े नेता नवाब अकबर बुगती की हत्या पाकिस्तानी फौजी शासक परवेज मुशर्रफ ने करवा दी। उनके शव तक को परिवार को नहीं सौंपा। इसके बाद बलोच और भी भड़क गए। पाकिस्तानी सरकार एक के बाद एक बलूची नेताओं की हत्या करने लगे। एक साल बाद बलूची नेता बलाच मरी की भी हत्या कर दी गई। पाकिस्तानी हुक्मरान ने बीएलए पर प्रतिबंध लगा दिया। ये विद्रोह 2005 में उस वक्त और ज्यादा भड़क गई जब बलूचिस्तान में तैनात एक फौज के मेजर ने एक बलोच लड़की के साथ बलात्कार किया। उस पर कार्रवाई करने के बजाय परवेज मुशर्रफ ने उसे बचाया और बलोच लोगों को धमकाया।

बीएलए प्रतिबंध के बावजूद पूर्ण स्वतंत्रता की मांग को लेकर संघर्ष कर रहा है। बशीर जैब बलूच बीएलए ने फिलहाल नेतृत्वकर्ता माने जाते हैं। संगठन में महिलाओं को भी शामिल किया गया है। माजिद ब्रिगेड का नेतृत्व हम्माल रेहान के हाथों में है। संगठन की ट्रेनिंग में रहमान गुल बलूच का अहम रोल है। वो पाकिस्तानी फौज के पूर्व अधिकारी हैं। बीएलए चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपीईसी का विरोधी है। संगठन का मानना है कि ये आर्थिक शोषण के लिए बनाया गया है। इसलिए पाकिस्तान में हुए कई हमलों को बीएलए ने अंजाम दिया है। 2024 में कराची हवाई अड्डा और ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण के परिसर में हमला शामिल है। 2025 में क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक कर बीएलए ने किया था। 2018 में पाकिस्तान स्थित चीन के वाणिज्य दूतावास पर हमले की जिम्मेदारी संगठन ने ली थी। बलूचिस्तान में 5 बार बड़े विद्रोह की आग भड़क चुकी है। अगर 1980-90 का दशक छोड़ दिया जाए तो अब तक लगातार हर दशक में बलूच विद्रोही उठ खड़े हुए हैं। वर्तमान में बलूचिस्तान में चल रही लड़ाई की चिंगारी 2005 में भड़की थी। तब से पाकिस्तानी फौज के साथ बलूच लिबरेशन आर्मी की टक्कर होती रहती है।

ट्रंप के दंभ को...

यह तल्खी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद हुई है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने और यूक्रेन युद्ध को कथित तौर पर बढ़ावा देने के चलते भारत पर टैरिफ लगाया है। साथ ही अमेरिकी सरकार इन दिनों पाकिस्तान के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने में जुटी है। ऐसे में भारत भी अपने सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के रूस दौरे पर दोनों देशों के बीच सैन्य तकनीक सहयोग से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी। भारत स्थित रूसी दूतावास ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी थी। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजन-ाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई।

सरला भट्ट...

सरला कश्मीर के सौरा स्थित शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में नर्स के रूप में कार्यरत थीं। आतंकी उन्हें उठाकर ले गए। पांच दिन बाद सड़क पर उनका शव पड़ा मिला था।

वह 14 अप्रैल 1990 का दिन था, जब सरला भट्ट एसकेआईएमएस के हब्बा खातून हॉस्टल से आतंकियों ने उनका अपहरण कर लिया। सरला भट्ट का पांच दिन तक कुछ पता नहीं लगा। उनके साथ गैंगरेप किया गया। उन्हें बुरी तरह टॉर्चर किया गया। 19 अप्रैल 1990 को उनका क्षत-विक्षत शव सड़क पर पड़ा मिला था। सरला भट्ट के शव के पास एक नोट भी मिला था, जिसमें उन्हें पुलिस का मुखबिर बताया गया था। इस मामले में निगीन पुलिस थाने में एफआईआर (संख्या 56/1990) दर्ज की गई थी। हालांकि, एफआईआर में हिंदू नर्स के साथ रेप का कोई जिक्र तक नहीं है। इस बर्बर मामले में जेकेएलएफ के पूर्व नेता पीर नूरुल हक शाह उर्फ एयर मार्शल का भी नाम सामने आया था। एसआईए को जब सरला भट्ट मामले की जांच सौंपी गई तो जेकेएलएफ का सरगना यासीन मलिक और उसके साथियों के खिलाफ काफी सबूत मिले। इसी के आधार पर एसआईए ने यासीन मलिक और उसके गुर्गों के घरों पर छापेमारी की है। यासीन मलिक अभी दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद है।

राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) ने अदालत से यासीन मलिक को फांसी की सजा सुनाने की मांग कर रखी है। यासीन मलिक पर 1990 में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार में शामिल होने के भी आरोप हैं। सरला भट्ट केवल एकलौता नाम नहीं है, जिनकी बर्बरता से हत्या की गई। 1980-90 तक ऐसे 700 कश्मीरी पंडितों की घाटी में हत्या कर दी गई। ये हत्या कश्मीरी पंडितों के बीच दहशत फैलाने के लिए की गई थी। आतंकी सरेआम हिंदू महिलाओं को घर से उठा ले जाते थे, कई मां-बाप के सामने उनके बच्चों की हत्या हुई, हिंदुओं का मकान चुनकर निशाना बनाया जाता था। इन सब से परेशान होकर उस समय लगभग 3.5 लाख कश्मीरी पंडितों ने घाटी से पलायन किया।

साल 2024 तक कश्मीर घाटी में केवल 728 गैर-प्रवासी पंडित ही बचे हैं। जबकि 2021 में 808 परिवार थे। यानि, कश्मीर पंडितों की हत्या और उनका पलायन अब भी जारी है। द कश्मीर फाइल्स भी कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्याचार और उनके पलायन को दर्शाने वाली फिल्म थी, जिसमें घाटी की असलियत दिखाई गई थी।

भारतीय राजनयिकों...

ऑपरेशन सिंदूर से पहले विक्रेता गैस सिलिंडर व बोतलबंद पानी की आपूर्ति भारतीय उच्चायोग में करते थे, पर अब वे ऐसा करने में हिचकिचा रहे हैं और ज्यादातर बार मना कर देते हैं। पाकिस्तानी कंपनी सुई नॉर्दर्न गैस पाइपलाइन लिमिटेड ने भारतीय उच्चायोग परिसर में लगी पाइपलाइन में गैस की आपूर्ति रोक दी है। भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों को अधिक पैसे चुकाने के बावजूद सिलिंडर मिलने में दिक्कतें पैदा की जा रही हैं। 2019 में भारत की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भी इस्लामाबाद में भारतीय राजनयिकों को ऐसी ही परेशानियां झेलनी पड़ी थीं।

पाकिस्तान के गैस, पानी और अखबार रोकने का फैसला वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमेटिक रिलेशंस (1961) का उल्लंघन है। कन्वेंशन के आर्टिकल 25 के मुताबिक, मेजबान देश को राजनयिक मिशन के सुचारू काम के लिए सभी सुविधाएं देनी होती हैं। पाकिस्तान ने जानबूझकर ये बुनियादी सप्लाई रोककर मिशन के काम और राजनयिकों की रोजमर्रा की जिंदगी में रुकावट डाली। पाकिस्तान की हरकतें सीधे तौर पर दबाव का माहौल बनाने की कोशिश है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 14 अगस्त, 2025

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
गो माता की महिमा - वेदों का सार
वेद बिना मति नहीं
गाय बिना गति नहीं
नित्य गोसेवा करें...
Scan for Donation
जय गो माता - जय गोपाल
सीए मुरली मनोहर पलोड़ 9849467807
ओमप्रकाश अग्रवाल 9246532277

'श्री शिवमहापुराण कथा' का भव्य शुभारंभ

पंडित प्रदीप जी मिश्रा ने प्रथम दिवस में शिवभक्ति का महत्व बताया

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ पूरन सन्स् फार्म्स, गगन पहाड़, शमशाबाद में भव्य धार्मिक माहौल के बीच हुआ। प्रथम दिवस के प्रवचन में पूज्य पंडित प्रदीप जी मिश्रा (सीहोर वाले) ने शिवमहापुराण की महत्ता, नवग्रहों का जीवन पर प्रभाव, और भक्ति से जीवन में आने वाले सकारात्मक परिवर्तन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। हर-हर महादेव के जयकारों के बीच कथा की शुरुआत मंगलाचरण और शिव आरती से हुई। प्रथम दिवस पर ब्रिजगोपाल - दीपाली भूतडा

गौरव, अलोक भूतडा ने आरमी में शामिल हुए।

इस अवसर पर पंडित जी ने कहा कि शिव का स्मरण जीवन की सबसे बड़ी सिद्धि है।

नवग्रह हमारे कर्मों के आधार पर फल देते हैं, लेकिन शिव आराधना से इनके दोष शांत हो जाते हैं।

पहले दिन की कथा में पंडित जी ने श्रोताओं को भगवान शिव के परिवार, कैलाश पर्वत की महिमा, और भक्ति मार्ग की सरलता का भावपूर्ण वर्णन किया।

प्रवचन के दौरान कई बार श्रोता मंत्रोच्चार में शामिल होते रहे, जिससे वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक हो उठा।

आयोजकों ने बताया कि यह कथा सात दिनों तक प्रतिदिन आस्था चैनल पर सीधा प्रसारित होगी और प्रत्येक दिन अलग-अलग प्रसंग के माध्यम से नवग्रह और शिवमहिमा का वर्णन किया जाएगा।

कसाईखाने जा रहे 46 गौवंश को मिला नया जीवन, ध्यान फाउंडेशन ने बचाया

यादगिरीगुट्टा, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर हर महादेव के जयघोष के साथ, ध्यान फाउंडेशन श्याम बाबा नंदिशाला ने एक बड़ा और सराहनीय कार्य किया है। फाउंडेशन ने कसाईखाने जा रहे 46 गौवंश को बचाया और उन्हें एक सुरक्षित आश्रय प्रदान किया।

इन गायों को कसाई की छुरी से बचाकर, उन्हें ध्यान फाउंडेशन श्याम बाबा नंदिशाला में लाया गया है, जिसे अब उनका हमेशा के लिए घर माना जा रहा है। इस नेक कार्य के माध्यम से फाउंडेशन ने गौ-रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया है।फाउंडेशन ने इस हरि कार्य में सभी गौ-प्रेमियों से जुड़ने और मदद करने की अपील की है। गौ-माता की सेवा और उनके भोजन के लिए लोग दान कर सकते हैं या स्वयंसेवकों के रूप में सहयोग कर सकते हैं।ध्यान फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल गौवंश के जीवन को बचाने का है, बल्कि समाज में गौ-रक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का भी है।

हाईलाइफ प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

फैशन और ग्लैमर का अनोखा संगम

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के सबसे बड़े फैशन और लाइफस्टाइल एग्जिबिशन ब्रांड हाई-लाइफ एग्जिबिशन का ग्लैमर एडिशन हैदराबाद में शुरू हो गया है। यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी 13, 14 और 15 अगस्त, 2025 तक एचआईसीसी, नोवोटेल, हाईटेक सिटी में आयोजित की जा रही है।

प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन हाई-लाइफ एग्जिबिशन के प्रबंध निदेशक और सीईओ एबी डोमिनिक ने किया। उनके साथ अभिनेत्री श्रावंती, कामक्षी, रूपा, ब्रमरम्बिका, फैशन प्रेमी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

यह प्रदर्शनी फैशन, लाइफस्टाइल, त्योहारों और शादी की खरीदारी के लिए सबसे प्रसिद्ध और पसंदीदा ब्रांडों में से एक है। ग्लैमर एडिशन में रचनात्मक फैशन वियर, फेस्टिव वियर, ब्राइडल वियर, डिजाइनर वियर, एक्सेसरीज और आभूषणों का शानदार संग्रह प्रदर्शित किया गया है।

एबी डोमिनिक ने इस अवसर पर कहा कि हाई-लाइफ एग्जिबिशन हमेशा से ही एक पसंदीदा ब्रांड रहा है। उन्होंने बताया कि इस विशेष ग्लैमर एडिशन में 350 से अधिक डिजाइनर भाग ले रहे हैं, जो ग्राहकों को एक अद्वितीय खरीदारी का अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, हम त्योहारों, फैशन और लग्जरी का एक असाधारण मिश्रण एक ही छत के नीचे प्रस्तुत करने के लिए उत्साहित हैं।

हाईलाइफ प्रदर्शनी को देश की सबसे बड़ी प्रदर्शनी इसलिए माना जाता है, क्योंकि इसमें शीर्ष फैशन लेबल, मशहूर डिजाइनर और कलात्मक संग्रह शामिल होते हैं, जो इसे फैशन प्रेमियों के लिए एक अनिवार्य गंतव्य बनाते हैं।

मारवाड़ी युवा मंच, सिकंदराबाद ने जीवन दाता वंदन उत्सव मनाया

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़ी युवा मंच, सिकंदराबाद शाखा ने रविवार, 10 अगस्त, 2025 को स्वामी नारायण मंदिर, रसूलपुरा में 'जीवन दाता वंदन उत्सव' का आयोजन किया। शाखा मंत्री पन्नालाल भाटी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष पंकज राठौड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में 121 माता-पिता को सम्मानित कर उनका आशीर्वाद लिया गया। यह एक अनूठा सेवा कार्य था, जिसका उद्देश्य माता-पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना था।

इस अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जी एम जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ समाज सेवक मीठालाल जी जैन और वरिष्ठ सदस्य नारायण चावड़ा भी मौजूद थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में रोहित कुमार मायछ, सुरेंद्र पोकरणा, हरिप्रसाद शर्मा, संजय गुप्ता, कृष्ण कुमार लोहार, अशोक चावड़ा, जीतू चावड़ा, मदन सिंह शेखावत, कैलाश वैष्णव, मंगलाराम चौधरी, हरीश माली, राजेश व्यास, नवीन मालवीय, नरेश खत्री, रमेश प्रजापत, घीसाराम चौधरी, नवरत्न रामावत, दिनेश पूरी, गजेंद्र शर्मा, महेंद्र राव, सुरेश राव, रमेश जांगीड़, मुकेश चौधरी, बालकिशन निमावत, श्याम अग्रवाल, किशन प्रजापत, रामअवतार टांक, महेंद्र माली, धर्मेंद्र सिंह, ओमप्रकाश राठौड़, महेंद्र प्रजापत, पवन टांक, सुभाष सेन, अशोक सेन, प्रकाश सेन, महेंद्र सेन, किशोर सोलंकी और रामपाल चौधरी का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत में, शाखा के संयोजक कैलाश वैष्णव ने सभी अतिथियों और सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राधे राधे ग्रुप और लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद ने दृष्टिहीन बच्चों की सेवा में योगदान दिया

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद और लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को बेगमपेट स्थित देवनार स्कूल फॉर द ब्लाइंड में एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दृष्टिहीन बच्चों के लिए विभिन्न सामग्री भेंट की गई और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के प्रायोजक लायन श्री नीरज अग्रवाल, श्रीमती इशिता अग्रवाल और उनके परिवार की ओर से बच्चों के लिए केले, सेब, अमरूद, बिस्किट, कचौड़ी, जलेबी, पानी के पैकेट और महिलाओं के लिए सैनिटरी नैपकिन प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, आगामी 15 अगस्त समारोह के लिए स्कूल को दो ड्रील ड्रम भेंट किए गए।

इस आयोजन में दृष्टिहीन बच्चों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन लड़कों और तीन लड़कियों को प्रत्येक को 1100 रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, ताकि उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहन मिले।

कार्यक्रम में राधे राधे ग्रुप से राम प्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर, श्रीमती मंजू अग्रवाल, संजय अग्रवाल, मनीष गुप्ता और लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद से फर्स्ट वाइस गवर्नर लायन सुरेश जगनानी, अध्यक्ष लायन देवेंद्र झावर, कोषाध्यक्ष लायन मनोज मित्तल, लायन अनिल बोहरा के साथ-साथ प्रायोजक परिवार के सदस्य श्रीमती मधु अग्रवाल, सुची गुप्ता, और ध्रुव गुप्ता उपस्थित थे।यह आयोजन राधे राधे ग्रुप और लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद की सामाजिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दोनों संगठनों ने मिलकर दृष्टिहीन बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस तरह के प्रयास न केवल सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी योगदान देते हैं।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नित्य अन्नप्रसाद सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप, द्वारा बुधवार, 13 अगस्त, 2025 को बेगमबाजार स्थित गौशाला के पास, पुल की माता मंदिर में नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया गया।भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष की चतुर्थी/पंचमी तिथि के शुभ अवसर पर यह सेवा सुबह 7:31 बजे से शुरू हुई। इस धार्मिक कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंदों को भोजन प्रदान करना था।राधे राधे ग्रुप के सदस्यों ने इस सेवा कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया, जो ।।ॐ श्री अन्नपूर्णा देव्यै नमः।। के मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। इस प्रकार, समूह ने जरूरतमंदों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के -सतीश गुप्ता,जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,राम प्रकाश गोयल, रवि अग्रवाल,अनिल अग्रवाल,गोविंद भाई,रीतेश गुप्ता, सुरेश डालमिया,नरेश बंसल,सुनील भाई, पन्नालाल जी,नमन अग्रवाल,अरुण भाई,लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल,मीना अग्रवाल,आशीष,किशन पाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मंथन क्लब : प्रेम, हंसी और हीलिंग का एक अनूठा संगम

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में एक नया और अनूठा क्लब 'मंथन' लॉन्च किया गया है, जो प्रेम, हंसी और हीलिंग के सिद्धांतों पर आधारित है। यह क्लब लोगों को एक साथ लाकर जीवन के तनावों से मुक्ति पाने और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है।'मंथन' के संस्थापकों ने बताया कि इस क्लब की स्थापना का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा समुदाय बनाना है जहाँ लोग बिना किसी संकोच के अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकें। क्लब की गतिविधियाँ ध्यान, योग, कॉमेडी सेशन और भावनात्मक उपचार पर केंद्रित हैं।क्लब के संस्थापकों के अनुसार, आज की तेज-तर्रार जिंदगी में लोग अक्सर अकेलेपन और तनाव का शिकार हो जाते हैं। 'मंथन' एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहाँ लोग हंसना, प्रेम करना और अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना सीख सकते हैं।

40वीं पुण्यतिथि हार्दिक श्रद्धांजलि

श्री सुरेशचंदजी बोहरा
(सुपुत्र : स्व. श्री बुधराजजी-मदनबाई बोहरा)
आपकी मधुर स्मृतियाँ कभी विस्मृत नहीं हो पायेंगी।
जीवन के अंतिम क्षण तक हमें आपकी याद आयेगी।।
स्मरण कर आपका, श्रद्धासुमन अर्पित करते है।
पुण्य स्मरण : शोभाबाई बोहरा (धर्मपत्नी) उपेन्द्र-जयमाला, विशाल-नेहा
लब्धी, अदिती, विराज, पर्व एवं समस्त सालेचा बोहरा परिवार
पूनम-धर्मेन्द्रजी, दक्ष मुणोत * उन्नती-मायनजी बागरेचा
फर्म : बुधराज सुरेश उपेन्द्र विशाल विराज पर्व बोहरा
ईस्ट मारेड्डपल्ली, सिकन्दराबाद फोन : 9392332225
सुसुराल पक्ष : माणकचंद नवरतनमल कुशालचंद रमेशचंद रविकुमार
छत्तीसा बोहरा परिवार, पॉट मार्केट, सिकन्दराबाद
फोन : 78938 75361, 93910 59004
SWASTIK EVENTS
DELIVERING SATISFACTION
BY VISHAL BHORA JAIN
swastikevents.hyd@gmail.com
swastikeventindia.com
+91 9550002225, 9000002225
NEW NAVKAAR
Abids. Cell : 8247021022

शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मिधानि में हिंदी कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए, आज दिनांक 13.08.2025 को हिंदी कार्यशालाओं की श्रृंखला में चौथी मासिक एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला संपन्न हुई। यह हिंदी कार्यशाला मिधानि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में आयोजित की गई।प्रारंभ में उद्यम के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) ने प्रतिभागियों का हिंदी कार्यशाला में स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए बताया कि कार्यालय के दैनिक कार्यों में हिंदी के उपयोग में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने, सरल और व्यावहारिक तरीकों पर विचार-विमर्श करने तथा उपयोगकर्ताओं की झिझक समाप्त करने के उद्देश्य से हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि इन कार्यक्रमों में मानक हिंदी लिपि, व्यावहारिक व्याकरण, प्रशासनिक और तकनीकी शब्दावली का प्रयोग, व्यावहारिक अनुवाद, आलेखन एवं टिप्पण, राजभाषा नीति जैसे महत्वपूर्ण विषय सम्मिलित हों।

उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे कार्यशाला के विभिन्न सत्रों का भरपूर लाभ लें और राजभाषा से संबंधित कार्यान्वयन में प्रबंधन की अपेक्षाओं तथा आवश्यकताओं को पूर्ण करने का प्रयास करें। राजभाषा नीति और उसमें कर्मचारियों की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रकट करते हुए उन्होंने राजभाषा नीति से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम, 1976 की जानकारी प्रदान की। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार द्वारा कार्यालयों में राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु क्या-क्या प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को राजभाषा से जुड़े लक्ष्यों की जानकारी दी और हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रथम सत्र में डॉ. एस. रवि चंद्र, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने भाषा-संप्रेषण का प्रभावशाली साधन विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि वक्ता और श्रोता के बीच संभाषण तभी सफल माना जाएगा जब वक्ता द्वारा कही गई बात या दी गई सूचना अपेक्षित अर्थ में श्रोता तक पहुँचे। इसके लिए वक्ता को चाहिए कि वह श्रोता को समझ में आने वाली भाषा में बात करे, परिचित उदाहरणों द्वारा समझाए तथा संभाषण के दौरान उचित और स्वागतयोग्य शब्दावली का प्रयोग करे। शब्द चयन तथा आवाज के आरोह-अवरोह से शब्दों के अर्थ संदर्भानुसार अभिधा, व्यंजना और लक्षणा में परिवर्तित होते रहते हैं।हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाएँ भारतीय भाषिक परंपरा की समृद्ध धरोहर हैं। यद्यपि हिंदी आर्यभाषा परिवार से और तेलुगु द्रविड़ भाषा परिवार से संबंधित है, फिर भी दोनों में कई सामान्य शब्द, भाव और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव दिखाई देते हैं। हिंदी और तेलुगु में पारस्परिक अनुवाद से भाषायी समन्वय को बढ़ावा दिया जा सकता है। कार्यालयीन हिंदी का व्याकरण सरल, स्पष्ट और नियमबद्ध है, जिससे प्रशासनिक कार्य में एकरूपता आती है। प्रशासनिक शब्दावली में प्रयुक्त मानकीकृत शब्द जैसे प्रस्तावना, आदेश, सूचना, अनुमोदन आदि से कार्यपत्रों की भाषा औपचारिक और प्रभावी बनती है।कार्यालयीन कामकाज में प्रयुक्त प्रशासनिक शब्दावली और संक्षिप्त नेमी टिप्पणियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रशासनिक शब्दावली के निर्माण तथा उसके अनुप्रयोग के विभिन्न संदर्भों से प्रतिभागियों को परिचित कराया गया। साथ ही, उन्होंने कार्यालयीन भाषा की शब्दावली के प्रयोग का अभ्यास भी कराया।कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी. वी. रत्नाकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक (एनयूएस), श्री विकास कुमार आज़ाद और डाक अनुभाग के कर्मी श्री जयपाल का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यशाला का समापन प्रतिभागियों द्वारा राजभाषा में कार्य करने की शपथ के साथ हुआ।

श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन आज से

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान श्री कृष्ण की भक्ति और महिमा का गुणगान करने के लिए हैदराबाद में एक भव्य श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह कथा गुरुवार, 14 अगस्त, 2025 से शुरू होकर बुधवार, 20 अगस्त, 2025 तक चलेगी।

इस पावन कथा का वाचन प्रतिवादी भयंकर, श्रीधाम मठाधीश्वर, जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी डॉ. राघवाचार्य महाराज (श्री रामलला सदन देवस्थान ट्रस्ट, अयोध्या) अपने मुखारविंद से करेंगे।

कथा श्री गोकुल धाम, तियारा बैंक्वेट, द प्लैटिनम, हिमायतनगर में प्रतिदिन दोपहर 3:30 बजे से रात्रि 7:30 बजे तक रहेगी।

इस धार्मिक आयोजन के आयोजक मधुसूदन-ललिता मोदानी हैं। इस पुण्य कार्य में सुखदेव मधुसूदन मोदानी का विशेष सहयोग है। यह कथा भक्तों को भगवान कृष्ण की लीलाओं और उपदेशों को सुनने का अवसर प्रदान करेगी।

श्रीधाम मठाधीश्वर, जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री स्वामी डॉ. राघवाचार्य जी महाराज (श्री रामलला सदन देवस्थान, रामकोट, अयोध्या) के भाग्यनगर (हैदराबाद) आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया।इस अवसर पर कैलाश नारायण भंगड़िया, मधुसूदन मोदानी, ओमप्रकाश फोफलिया, कमल किशोर मोदानी, रामकुमार लोहिया, सूरज प्रकाश तोषनीवाल और मोहित मोदानी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने महाराज श्री का अभिनंदन किया।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा ने गायत्री परिवार के प्रतिनिधियों का स्वागत किया

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा बुधवार को ऋषि श्रृंग भवन पर एक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार से दक्षिण भारत के प्रभारी परमानन्द द्विवेदी के आगमन पर उनका अभिनंदन किया गया।सभा ने द्विवेदी जी के साथ-साथ गायत्री परिवार, हैदराबाद के प्रमुख हरिसिंग राजपुरोहित का भी शाल और माला पहनाकर सम्मान किया।इस स्वागत कार्यक्रम में रामदेव नागला, गोकुलचंद उपाध्याय, भगवान ओझा, रामगोपाल उपाध्याय, राधेश्याम-आओला, हुकमीचंद सीखी और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पार्षद राकेश जायसवाल ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा बांटा

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत, बुधवार को भाजपा जामबाग डिवीजन, गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में तिरंगा झंडा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने किया।यह अभियान पूरे जामबाग डिवीजन में चलाया गया, जिसमें भाजपा के सभी नेता, कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।इस दौरान उपस्थित नेताओं में पार्षद राकेश जायसवाल, राजकुमार, अमर सिंह, मयूर कालेकर, महिंदर, रामकृष्ण और हरिनाथ शामिल थे। इन नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर नागरिकों को तिरंगा झंडा वितरित किया और उन्हें इस राष्ट्रीय पर्व को उत्साह के साथ मनाने के लिए प्रेरित किया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती, भक्तों ने की श्रद्धापूर्वक आराधना

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क स्थित इच्छापूर्ति गणेशजी के मंदिर में बुधवार को पूजा-आरती का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव से भाग लिया। आज की पूजा के मुख्य यजमान विट्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), प्रमोद कुमार अग्रवाल (सरायवाला) और महेश कुमार डकोटिया थे। उन्होंने गणपति बप्पा की विशेष पूजा-अर्चना की और सभी भक्तों के लिए मंगल कामना की।इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। पूजा में शामिल होने वाले प्रमुख भक्तों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, मोहन लाल मित्तल, विनोद टिकमानी, डॉ. राधा कृष्ण, मनोहर लाल, विजय कुमार अग्रवाल, भोजरेड्डी, प्रवीण कुमार अग्रवाल और महिला भक्तों में विजय रानी, संध्या रानी, दुर्गा बाई, संतोष बाई अग्रवाल, माया बाई अग्रवाल, विभा अग्रवाल, श्री वेनी और लिली सचदेवा आदि शामिल थीं। भक्तों ने गणपति बप्पा के जयकारे लगाए और सुख, समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की।

अग्रवाल समाज अशोक नगर शाखा ने सरकारी स्कूलों में स्वच्छता पैड वितरण अभियान चलाया

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अशोक नगर शाखा ने प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत सरकारी विद्यालयों की बालिकाओं के लिए एक स्वच्छता पैड वितरण अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

अग्रवाल समाज की अशोक नगर शाखा की केंद्रीय समिति सदस्य पूजा गुप्ता के नेतृत्व में यह कार्यक्रम गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल, हैदरगुड़ा में आयोजित किया गया। उनके साथ शाखा की सदस्य श्वेता अग्रवाल, संगीता अग्रवाल और अरुणा तुलसान भी मौजूद थीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिमायत नगर डिवीजन की कॉरपोरेटर श्रीमती लक्ष्मी रमन गौड़ उपस्थित रहीं, जिन्होंने अग्रवाल समाज तेलंगाना के प्रयासों की सराहना की।

पूजा गुप्ता ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से नहाना और शरीर को स्वच्छ रखना बहुत जरूरी है। इस अभियान में सैनिटरी पैड को पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हैंडमेड पेपर बैग में रखकर वितरित किया गया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने अपनी टीम के इस कार्य की प्रशंसा की और इसे हर महीने जारी रखने का निर्देश दिया। समाज की संयुक्त मंत्री डॉ. सीमा जैन ने बताया कि लगभग सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों ने इस पहल की सराहना की है।

स्कूल की प्रधानाध्यापक ने भी संस्था के इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल और सचिव सतनारायण गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

भाजपा ने निकाली तिरंगा रैली, जिला अध्यक्ष भारत गोंड हुए शामिल

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा बुधवार शहर में एक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। यह रैली टैंकबंड स्थित विवेकानंद स्टेच्यू तक गई, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए।इस अवसर पर भाजपा के भारत गोंड उपस्थित रहे और उन्होंने रैली का नेतृत्व किया। रैली में शामिल अन्य प्रमुख नेताओं में भाजपा नेता सपना गुप्ता, लक्ष्मी, कांति, दयानंद, डिवीजन अध्यक्ष नरेश, महेश, चंद्रशेखर, श्रीनिवास, सीनू और अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।रैली के दौरान, सभी ने हाथ में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बन गया। यह रैली हर घर तिरंगा अभियान के प्रति लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

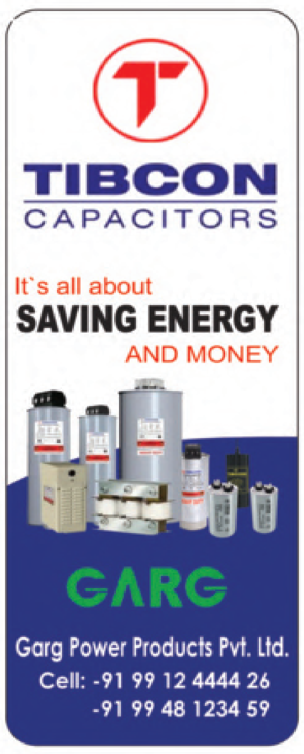

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,03,020/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,18,320/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,539.91
+304.32 +0.38% ↑
एनएसई :24,619.35
131.95 (0.54%) ↑

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 26^0
न्यूनतम : 23^0

स्पोर्ट्स एक्सपो इंडिया 2025 का 8वां संस्करण 22 से

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्पोर्ट्स, फिटनेस, वेलनेस और न्यूट्रिशन से जुड़े क्षेत्रों के लिए भारत का प्रमुख बी2सी एक्सपो, स्पोर्ट्स एक्सपो इंडिया 2025 का 8वां संस्करण 22 और 23 अगस्त को हाईटेक्स एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

हाईटेक्स के बिजनेस हेड, टी.जी. श्रीकांत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा करते हुए बताया कि इस साल के एक्सपो में 'ईस्पोर्टएक्स' का शुभारंभ होगा। यह भारत का पहला हाइब्रिड पवेलियन होगा, जो पारंपरिक खेलों को प्रतिस्पर्धी गेमिंग के साथ जोड़ेगा।

इसमेंस्पोर्ट्स, फिटनेस, वेलनेस और न्यूट्रिशन क्षेत्रों के 60 प्रदर्शक भाग लेंगे। दो दिनों में 35,000 से 40,000 आगंतुकों के आने की उम्मीद है। एक्सपो में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

सभी आयु समूहों के लिए छह पावर-पैक गतिविधियाँ होंगी, जिनमें कैलीस्थेनिक्स, एमएमए और बॉक्सिंग प्रदर्शन शामिल हैं।

इस कर्टेन रेज़र प्रेस मीट में टी.जी. श्रीकांत (हाईटेक्स), एन. नरसिम्हा रेड्डी (बिगबास्केट), राजेश वेचा (एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन), आर्यन रेड्डी (नियो एथलॉस), स्वाति वसीरेड्डी (गिगल मग), डॉ. सौरभ सुरेका (सेलिब्रेशन मेकर्स), वामसी कृष्णा वी (तेलुगु ईस्पोर्ट्स कम्युनिटी) और देवाकी नागा विक्रम उपस्थित थे।राजेश वेचा ने घोषणा की कि हैदराबाद रनर्स सोसाइटी एक्सपो के साथ एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के 5घ और 10घ रन का आयोजन करेगी। 5घ रन 23 अगस्त को हिटेक्स में शुरू होकर वहीं समाप्त होगा, जबकि 10घ रन 24 अगस्त को हिटेक्स से शुरू होकर गाचीबोवली स्टेडियम में समाप्त होगा।नियो एथलॉस के जॉन ने बताया कि तेजी से बढ़ते पिकल-बॉल टूर्नामेंट में 70 से अधिक प्रतिभागी प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह खेल टेनिस, बैडमिंटन और टेबल टेनिस का मिश्रण है। हैदराबाद में अब 300 से अधिक पिकल-बॉल कोर्ट हैं, और यह खेल वैश्विक स्तर पर 500% की दर से बढ़ रहा है।वामसी कृष्णा वी ने ईस्पोर्टएक्स को भारत का पहला हाइब्रिड प्लेटफॉर्म बताया, जो पारंपरिक खेलों को प्रतिस्पर्धी गेमिंग के साथ जोड़ेगा। इसमें लगभग 2,500 खिलाड़ियों और यूट्यूब हस्तियों के भाग लेने की उम्मीद है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, Army No.JC 732639P Sub YADAV RAMESH CHANDRA MURLIDHAR of AdmBn, C/o.56 APO, Secunderabad that my father name and DOB is changed from MURLIDHAR, DOB:04-06-1953 to MURALIDHAR YADAV, DOB:12-12-1954.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Army No.JC 732639P Sub YADAV RAMESH CHANDRA MURLIDHAR of AdmBn, C/o.56 APO, Secunderabad that my mother name and DOB is changed from CHANDRAVATI, DOB:08-03-1951 to CHANARADEVI, DOB:10-07-1955

CHANGE OF NAME & DOB

I, P. TAMIL SELVI Mother of Service No.JC 442683N NB/SUB P KASIRAJAN, Resident of 37/9, RamuKoudar Street, Kamayagoundanpatti, Uthamapalayam Tehsil, Dist:Theni, Tamilnadu-625521 have changed my name and DOB from K.TAMIL SELVI, DOB:08-07-1964 to P. TAMIL SELVI, DOB:11-03-1968 vide affidavit dt:25-07-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No. 15815696F Hav AKHIL M A of AdmBn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name and DOB is changed from O RAJALEKSHMI, DOB:05-10-1969 to RAJALAKSHMI AJITH, DOB:05-11-1969

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No. 6947274X Nk RAJEESH M of AdmBn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name and DOB is changed from CHANDRAMATI C, DOB:02-06-1960 to CHANDRAMATHY C, DOB:01-01-1962.

CHANGE OF NAME & DOB

I, P MANJULA Spouse of Army No.6947204Y Nk M THIRUPATHI of AdmBn, AOC Centre, C/o.56 APO, Secunderabad, Telangana hereby have changed my name and DOB from P MANJULA, DOB:15-5-1981 to MANJULA THIRUPATHI, DOB:15-05-1980 vide affidavit dt:13-8-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary,

CHANGE OF NAME

I, No.JC 734884W Sub (Hony/Lt) Saren Vaiphei of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my son name is changed from LAMGOULUN VAIPHEI to RUSSELL LAMGOULUN VAIPHEI

CHANGE OF NAME

I, ANKITA KARALE, Legally Wedded Spouse of 14849169W NK SANJEEV BABAR, of Unit : 554 ASC BN, C/O: 56 APO, R/o. Kodaganoor, Belgaum, Karnataka-591304, have changed my name from ANKITA KARALE to ANTUBAI BABAR, DOB is 01-06-1992 vide affidavit signed by Advocate and Notary P. Raveendranath, B.Com., BL on 12-08-2025.

मंचेरियाल और आसिफाबाद में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

मंचेरियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में पिछले कुछ घंटों से हो रही भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई निचले इलाकों में पानी भर गया है, जिससे लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

तेलंगाना डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, मंचेरियाल जिले के कन्नेपल्ली मंडल में 233 मिमी और भीमिनी मंडल में 226 मिमी बारिश दर्ज की गई है। हाजीपुर, कासिपेट, बेल्लमपल्ली और कोटापल्ली जैसे मंडलों में भी 100 मिमी से अधिक बारिश हुई है।

बाढ़ की स्थिति: भीमिनी, कन्नेपल्ली और कोटापल्ली मंडलों में नदियां उफान पर हैं, जिससे धान, कपास और सोया की खड़ी फसलें डूब गई हैं।

यातायात बाधित: थंडूर मंडल मुख्यालय में एक रेलवे अंडर-ब्रिज पानी में डूब गया है, जिससे यातायात रुक गया है।

रिहायशी इलाकों में पानी: थंडूर के बोयापल्ली गांव और बेल्लमपल्ली कस्बे के रामनगर में बारिश का पानी घरों में घुस गया है, जिससे निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है।

-कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में भी भारी बारिश हुई है। रेब्बेना मंडल में सबसे अधिक 220 मिमी और तिरयानी में 143 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

पहाड़ी नालों में आए उफान से तिरयानी मंडल के गुंडाला, माणिक्यपुर और रोमप्लेली गांव पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं और उनका संपर्क आसपास के इलाकों से कट गया है। आसिफाबाद कस्बे के संदीप नगर में भी पानी घुसने से लोग परेशान हैं।

-कलेक्टर वेंकटेश दोथरे ने भारी बारिश को देखते हुए जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों और आंगनवाड़ी केंद्रों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। उन्होंने लोगों से केवल आपात स्थिति में ही घर से बाहर निकलने की अपील की है। निचले इलाकों में फंसे लोगों को बचाने के लिए बचाव कार्य जारी हैं, और प्राकृतिक आपदा पीड़ितों की मदद के लिए एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

वामपंथी जनसंघ नेताओं ने सांसद धर्मपुरी अरविंद से कोरुटला के किलों की सुरक्षा की अपील की

जगतियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले के कोरुटला में ऐतिहासिक किलों और स्थलों पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने के लिए वामपंथी जनसंघ के नेताओं ने निज़ामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद से हस्तक्षेप की मांग की है।

तेलंगाना जनसंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पेटा भास्कर, भाकपा, माकपा, न्यू डेमोक्रेसी और अंबेडकर संघ के जिला नेताओं ने बुधवार को निज़ामाबाद स्थित सांसद अरविंद के आवास पर उनसे मुलाकात की। नेताओं ने सांसद को बताया कि कोरुटला के किलों और प्राचीन स्थलों पर अतिक्रमण बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्थानीय नेता और रियल एस्टेट एजेंट मिलकर पुराने जीआईओ (सरकारी आदेश) को बदलने की साजिश कर रहे हैं। इन स्थलों को दशहरा उत्सव के दौरान देवी दुर्गा की पूजा का स्थान माना जाता है, लेकिन अब यहां बुर्ज (टावर) बनाकर जमीन बेचने की योजना बनाई जा रही है।

नेताओं ने सांसद अरविंद से अपील की है कि वे नए जीआईओ को रद्द करवाएं और बुर्ज स्थलों पर एक नया बाजार और मनोरम पार्क स्थापित करवाकर शहर के लोगों के साथ न्याय करें। उन्होंने कहा कि इन ऐतिहासिक धरोहरों की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

सांसद धर्मपुरी अरविंद ने इस मामले पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए पुरातत्व विभाग, संबंधित अधिकारियों और कोटा बुरुजुला परिरक्षण समिति के नेताओं से बात करने का आश्वासन दिया है।

नशे की रोकथाम में सभी भागीदार बनें : कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' के 5 साल पूरे होने के अवसर पर, आसिफाबाद में जिला पुलिस कार्यालय में एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे और जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) कांतिलाल पाटिल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे।

कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने नशे के खिलाफ लड़ाई को सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि एक सामाजिक कर्तव्य बताया। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे नशामुक्त समाज बनाने के लिए मिलकर काम करें।

एसपी कांतिलाल पाटिल ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से युवाओं और आम लोगों के बीच नशा-मुक्ति के लिए और अधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाने का आह्वान किया।इस समारोह में सभी ने शपथ ली कि वे नशे के विरुद्ध चल रही लड़ाई में सक्रिय रूप से भाग लेंगे, नशामुक्त जीवनशैली अपनाएंगे और किसी को भी नशे का शिकार होने से बचाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे नशीले पदार्थों की बिक्री, खरीद और तस्करी करने वालों की सूचना अधिकारियों को देंगे, ताकि तेलंगाना सरकार के नशामुक्त समाज के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

इस कार्यक्रम में जिला पुलिस कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर ने शासकीय जूनियर कॉलेज, जनकपुर में भी आयोजित नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

चिकित्सा अधिकारी ने तल्लागुरिजला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का अचानक निरीक्षण किया

मंचेरियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीश राज, कार्यक्रम अधिकारी एनसीडी डॉ.एप्रसाद ,तल्लागुरिजला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अचानक निरीक्षण किया और सभी अभिलेखों की जाँच की, कर्मचारियों से बात करते हुए, उन्होंने उचित निर्देश दिए,चिकित्सा अधिकारी डॉ. तम्मुडी इवांगेलिन नर्सिंग अधिकारी एन. सुनीता, जी. जमुना, फार्मेसी अधिकारी जी. सागर, लैब तकनीशियन एन. सुधाकर, डाटा एंट्री ऑपरेटर ए. शंकरम्मा, आकस्मिक कार्यकर्ता विजया लक्ष्मी ने भाग लिया है।

आपराधिक मामलों के बावजूद मंचेरियाल में सीएमआर का डायवर्जन जारी

मंचेरियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल जिले में कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) का दुरुपयोग लगातार जारी है, जिससे सरकार को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है। हाल ही में दो और मिल मालिकों पर 45 करोड़ मूल्य के 12,686 मीट्रिक टन चावल की हेराफेरी करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।हाजीपुर मंडल के नरसिंहपुर गांव में स्थित श्रीसाई मणिकांता ट्रेडर्स (मालिक: गम्पा श्रवण कुमार और केथिरेड्डी अनिल) ने कथित तौर पर यासंगी 2023 और 2024 सीजन का 4,108 मीट्रिक टन चावल (मूल्य 14.86 करोड़) बेच दिया। इसी तरह, श्रीराजा राजेश्वरी ट्रेडर्स (मालिक: गम्पा संतोष कुमार और केथिरेड्डी मल्ला रेड्डी) पर वनकालम 2023, 2024 और 2025 सीजन का 8,578 मीट्रिक टन चावल (मूल्य 30.57 करोड़) बेचने का आरोप है।पुलिस ने बताया कि इन पर राजस्व वसूली अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (इछड) की धारा 316 और 318 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

_-नागरिक आपूर्ति अधिकारियों ने बताया कि मंचेरियल जिले में अब तक 25 मिलों के खिलाफ सीएमआर के दुरुपयोग और भुगतान न करने के लिए आपराधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं।निर्मल जिले में भी 8 अगस्त को दो मिलों - एशियन राइस मिल और गणपति राइस मिल - के खिलाफ वनकालम और यासंगी 2024-25 सीजन के लगभग 7,000 मीट्रिक टन चावल का भुगतान न करने का मामला दर्ज किया गया है, जिसका कुल मूल्य 25 करोड़ है।इससे पहले अप्रैल में, भैंसा विधानसभा क्षेत्र में कुछ चावल मिलर्स द्वारा 150 करोड़ मूल्य के सीएमआर को महाराष्ट्र की मिलों में भेजने की जांच शुरू हुई थी। इस मामले में तत्कालीन जिला आपूर्ति अधिकारी, प्रबंध निदेशक और प्रवर्तन उप तहसीलदार को निलंबित भी किया गया था।

पात्र आदिवासियों को सहायता प्रदान करेंगे : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा है कि 2005 से पहले से खाली पड़ी जमीन पर खेती कर रहे पात्र आदिवासियों को वन अधिकार अधिनियम (ठजत्रछ) के तहत पट्टे और आजीविका के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

यह बात उन्होंने दांडेपल्ली मंडल के दमन्नापेटा गांव में आयोजित एक बैठक में कही, जिसमें आदिवासियों की समस्याओं पर चर्चा की गई। इस बैठक में जिला वन अधिकारी शिव आशीष सिंह, डीसीपी एगडी भास्कर और एसीपी प्रकाश भी मौजूद थे।कलेक्टर ने कहा कि आदिवासियों की समस्याओं का स्थायी समाधान कानून के दायरे में रहकर किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ आदिवासी वन भूमि पर अतिक्रमण कर रहे हैं और उसका मालिकाना हक मांग रहे हैं, जिसे नियमों के अनुसार ही सुलझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार केंद्रीय निगरानी प्रणाली के माध्यम से इस स्थिति पर रोजाना नजर रख रही है और वन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि योग्य आदिवासियों को वन भूमि पर बांस की खेती करने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भोजन के नाम पर जंगलों में पेड़ों को काटना एक अपराध है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान आदिवासियों ने सरकार से मांग की कि जो लोग 20 सालों से वन क्षेत्र में खेती कर रहे हैं, उन्हें अधिकार पत्र दिए जाएं। उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें अधिकार पत्र नहीं मिल जाते, वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने सरकार और अधिकारियों से इस मामले में न्याय करने की अपील की।

इस कार्यक्रम में तहसीलदार रोहित देशपांडे, सीआई रामनमूर्ति, एसआई तहसीनुद्दीन और अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

गणेश नवदुर्गा मंडिला की नई कार्यकारिणी ने शपथ ली

जगतियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले के कोरुटला स्थित त्रिशक्ति माता मंदिर में गणेश नवदुर्गा मंडिला कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। बुधवार को हुए इस समारोह में चुनाव अधिकारी दग्गुला नरसय्या ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंडिला के नव-नियुक्त अध्यक्ष कटुकम गणेश ने कहा कि वे सभी सदस्यों के सहयोग से समुदाय के विकास के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। मानद अध्यक्ष कट्टा नारायण ने नवनिर्वाचित सदस्यों से मंदिर के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने और हमेशा सभी के लिए उपलब्ध रहने की अपील की।शपथ ग्रहण समारोह में गणेश नवदुर्गा परिषद के अध्यक्ष कटुकम गणेश, उपाध्यक्ष एलिगेटी सुमन, महासचिव वडलाकोंडा श्रीनिवास, सहायक सचिव ममिदिपल्ली रमेश, कोषाध्यक्ष अदुवाला प्रभाकर, चुनाव अधिकारी दग्गुला नरसय्या, और सहायक चुनाव अधिकारी संकू अशोक सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

आरटीसी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन

मंचेरियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपनी लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के सदस्यों ने मंगलवार को मंचेरियाल आरटीसी डिपो के सामने धरना दिया।धरने में शामिल हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें सालों से वेतन निर्धारण बकाया और टर्मिनल लीव इनकैशमेंट की राशि नहीं मिली है, जिसके कारण उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से इन बकाया राशियों का तुरंत भुगतान करने की मांग की।

ग्रेच्युटी और अवकाश राशि का तत्काल भुगतान: सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपनी ग्रेच्युटी और छुट्टियों की राशि जल्द से जल्द देने की मांग की।

मुफ्त यात्रा सुविधा: उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए सुपर लग्जरी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की भी मांग की।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र: कर्मचारियों ने एसआरबीएस जीवन प्रमाण पत्र को ऑनलाइन जमा करने की सुविधा की भी मांग की। उन्होंने कहा कि 30 साल से अधिक समय तक सेवा देने वाले कर्मचारियों के लिए यह प्रक्रिया जटिल नहीं होनी चाहिए।

इस प्रदर्शन में सेवानिवृत्त कर्मचारी के. प्रकाश, मधुसूदन, एमडी पाशा, जीएस नारायण और वेंकटेशम सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

बकरियों की हत्या के लिए लॉरी चालक को 75 दिन की सजा

मंचेरियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक चार साल पुराने मामले में, बेल्लमपल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को एक लॉरी चालक को 9 बकरियों को मारने और 11 को घायल करने के जुर्म में 75 दिन की कारावास की सजा सुनाई है।जूनियर प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट मुकेश ने पेद्दापल्ली मंडल के पेद्दाकलुवाला गांव के निवासी अल्लंकी वेंकटेशम को दोषी ठहराया। यह घटना 18 अप्रैल 2021 की रात को हुई थी, जब वेंकटेशम कासिपेट मंडल के देवापुर गांव के पास लापरवाही से ट्रक चला रहा था, जिससे सड़क पार कर रही बकरियां उसकी चपेट में आ गईं।यह फैसला बकरी के मालिक अग्गी नदिपि बिरैया की शिकायत पर आधारित है। बिरैया तंदूर मंडल के रेचिनी गांव के रहने वाले हैं। उस समय के देवापुर एसआई ए विजयेंद्र ने शिकायत के आधार पर वेंकटेशम के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

गांवों में समय पर चिकित्सा शिविर लगाए जाए : डॉ. हरीश राज

मंचेरियाल, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरीश राज ने भीमिनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया और उचित निर्देश दिए,चूँकि जिला में भारी वर्षा हो रही है, इसलिए जिला में उचित निवारक उपाय किए जाने चाहिए ,चिकित्सा अधिकारियों को आदेश दिया कि सभी चिकित्सा कर्मचारी उपलब्ध रहें और प्रभावित गाँवों में समय पर चिकित्सा शिविर लगाए जाएँ, इसी प्रकार, ग्राम पंचायत को नगरपालिका कर्मचारियों के साथ समन्वय करके प्रत्येक गाँव में दवाइयाँ उपलब्ध करानी चाहिए,मंडल विकास अधिकारी ने आदेश दिया कि मंडल राजस्व अधिकारी और मंडल चिकित्सा अधिकारी के साथ समन्वय करके उपाय किए जाएँ,प्रतिस्पिबंधी अप्रपति रहने के लिए कहा इस कार्यक्रम की जानकारी जिला मास मीडिया अधिकारी बुक्का वेंकटेश्वर ने दिया है।

बंडारू दत्तात्रेय ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार दि. 13 अगस्त, 2025 को रामनगर से बागलिंगमपल्ली तक आयोजित तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस यात्रा का आयोजन बंडारू वैष्णव फाउंडेशन और अलाई बलाई फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती बंडारू विजयलक्ष्मी द्वारा किया गया था।तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिन्होंने देशभक्ति के नारे लगाए। इस अवसर पर बंडारू दत्तात्रेय ने तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रप्रेम के महत्व पर जोर दिया।इस कार्यक्रम में अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे, जिनमें भाजपा के पूर्व अध्यक्ष (महाकाली, सिकंदराबाद जिला) बी. श्यामसुंदर गौड़, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जी. आनंद गौड़ और अन्य नेता शामिल थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की विवाह परामर्श समिति की पहली बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की नवगठित विवाह परामर्श समिति की पहली बैठक का आयोजन चिरागुद्दीन लेन स्थित समाज के कार्यालय में हुआ। इस बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद बंसल ने की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य अग्रवाल समाज के उन सदस्यों को सहायता प्रदान करना है, जो विवाह के दौरान या उसके बाद चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस बात पर सहमति बनी कि समिति एक तटस्थ निकाय के रूप में कार्य करेगी। यह दोनों पक्षों की बात सुनेगी और विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास करेगी।इस पहल को और मजबूत बनाने के लिए सदस्यों को अपने सुझाव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।इस बैठक में समिति के प्रमुख सदस्यों में कपूर चंद गुप्ता, पुरुषोत्तम गुप्ता और सुनील अग्रवाल शामिल थे। इसके अतिरिक्त, अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष श्री रूपेश अग्रवाल और संयुक्त सचिव सीमा जैन भी उपस्थित थे।सभी शाखा अध्यक्षों और पदाधिकारियों से यह अपील की गई है कि वे अपने-अपने सदस्यों को इस समिति के बारे में जानकारी दें और इसके प्रयासों को सफल बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दें।

बारिश में भी गूँजी कान्हा की बांसुरी

भगवती बाई मॉन्टेसरी स्कूल ने मनाया जन्माष्टमी महोत्सव

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवती बाई मॉन्टेसरी स्कूल और टाइनी स्टार्स महावीर प्रसाद बजरंग लाल इंटरनेशनल प्ले स्कूल के परिसर में बुधवार, 13 अगस्त, 2025 को चलो गोकुल कार्यक्रम के अंतर्गत कृष्ण जन्माष्टमी का महोत्सव बड़े ही उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ एक मनमोहक नाटक से हुआ, जिसमें एल. के. जी. के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भगवान कृष्ण के जन्म से जुड़ी लीलाओं को जीवंत कर दिया। यह नाटक श्रीमती श्रीलता शर्मा और कुमारी रमना कराड़े के निर्देशन में प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष (1925-2025) के उपलक्ष्य में 15 अगस्त, 2025 को 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह समिति के भगवानदास मंडपम के प्रांगण में सुबह 9:30 बजे आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता भाग लेंगे।

केयर हॉस्पिटल के वरिष्ठ हृदय रोग चिकित्सक डॉ. एम. श्रीनिवास राव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया करेंगे।मुख्य अतिथि अनिरुद्ध गुप्ता के कर-कमलों द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे, जिसमें देशभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रदर्शन होगा।समिति ने अपने सभी सदस्यों, संस्थाओं के स्टाफ और विद्यार्थियों से इस महत्व-पूर्ण समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया है।

तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद ने प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन किया

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में, तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद ने प्रेक्षा प्रवाह: शक्ति और शांति की ओर, प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का सफल आयोजन किया। प्रेक्षा कल्याणक वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यशाला का विषय आओ नींद को अपनी ताक़त बनायें था।इस कार्यशाला का आयोजन साध्वी श्री डॉक्टर गवेषणा श्रीजी आदि ठाणा-4 के सानिध्य में हुआ। राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी श्री द्वारा नमस्कार महामंत्र, मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण और अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी के स्वागत वक्तव्य से हुई।

साध्वी श्री डॉक्टर गवेषणा श्रीजी ने कार्यशाला का उद्देश्य बताते हुए कहा कि नींद की कमी एक धीमे जहर (स्लो पॉइज़न) की तरह है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग नींद के महत्व को नहीं पहचानते। नींद की कमी के कई कारण हैं, जिनमें तनाव, डिप्रेशन, हार्मोनल असंतुलन, खानपान में अनियमितता और अधिक चिंतन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए नींद की ताकत को पहचानना बहुत जरूरी है। साध्वी श्री ने अच्छी नींद के लिए सोने से एक घंटा पहले मोबाइल जैसे गैजेट्स से दूरी बनाए रखने की सलाह दी।

साध्वी श्री मयंक प्रभा जी ने सिक्रेट बिहाइंड योर स्लीप और खानपान का हो ध्यान तो नींद हो आसान जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।साध्वी श्री मेरूप्रभा जी और साध्वी श्री दक्षप्रभा जी ने विषय पर आधारित सुंदर गीतिका का गायन किया।

प्रेक्षा वाहिनी की प्रशिक्षिकाओं रीटा सुराणा, प्रेमजी संचेती और मनीषा सुराणा ने अच्छी नींद के लिए उपयोगी आसन जैसे ताड़ासन, पश्चिमोत्तान आसन, भुजंगासन, सर्वांगासन और मत्स्यासन का अभ्यास करवाया।

इस कार्यशाला में लगभग 200 से अधिक श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में, मंत्री निशा सेठिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अनोजीगुड़ा स्थित काग निवास पर बुधवार को हरियाली तीज का पर्व पारंपरिक धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने बड़ी तीज की पूजा का आयोजन किया।पूजा में कंचन देवी काग और ममता शेनकी कुमावत सहित कई महिलाएं उपस्थित थीं। सभी ने मिलकर व्रत रखा, लोकगीत गाए और तीज माता की पूजा-अर्चना की। यह आयोजन महिलाओं के बीच आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक बना।

राधे राधे ग्रुप ने पब्लिक गार्डन में किया अन्नप्रसाद सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर (हैदराबाद) ने बुधवार, 13 अगस्त, 2025 को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन में, पिलर--1265 के पास नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया।भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष की चतुर्थी/पंचमी तिथि के शुभ अवसर पर यह सेवा सुबह 7:01 बजे शुरू हुई। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंदों और आम लोगों को भोजन उपलब्ध कराना था।यह सेवा ।।ॐ श्री अन्नपूर्णा देव्यै नमः।। के मंत्र के साथ की गई। राधे राधे ग्रुप के सदस्यों ने इस सेवा कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह सेवा समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और सेवा भावना को दर्शाती है। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के -सतीश गुप्ता,रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,ई-जगन चम्पापेट,नंदकिशोर अग्रवाल,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,मनीष चंडालिया,महेश अग्रवाल,संजय अग्रवाल,भगत राम गोयल,संजय गोयल,किरण गोयल,कैलाश चंद केडिया,निर्मला केडिया,सुशील गुप्ता,सुरेश डालमिया,श्याम सुंदर अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डोंगरेजी महाराज गौशाला को जमीन देने के लिए सरकार से निवेदन

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला, इंजापूर के अध्यक्ष मनसुख पटेल और ट्रस्टी जसमत पटेल ने सरकार से गौशाला के लिए जमीन उपलब्ध कराने का निवेदन किया है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि वर्तमान में गौशाला में कत्लखाने जा रहे 1200 से अधिक गौवंश का पालन-पोषण किया जा रहा है।

गौशाला के ट्रस्टियों के अनुसार, सरकार ने पहले गौवंश को रखने के लिए दी गई जमीन को अपने अधीन ले लिया था। इस वजह से गौशाला को इतनी बड़ी संख्या में गौवंश को रखने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इस मुद्दे को लेकर आज गौशाला के एक प्रतिनिधिमंडल ने पशु संवर्धक शाखा के निदेशक बी. गोपी, अतिरिक्त निदेशक डॉ. सी. एच. मल्लेश्वरी और जीव जंतु कल्याण विभाग की सहायक निदेशक मोनिका से मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को गौशाला की स्थिति और जमीन की आवश्यकता के बारे में पूरी जानकारी दी।

निदेशक बी. गोपी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि वह जल्द ही गौशाला के हित में सरकार को एक रिपोर्ट भेजेंगे।इस अवसर पर ट्रस्टी जसमत पटेल, तेलंगाना गौशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, गौ आधारित कृषि समिति के अध्यक्ष नरसिम्हा राव, और जीवदया प्रेमी मुकेश जैन चौहान सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.